फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 185 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 6 फरवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

18th-Century Americans Were Just as Obsessed...

Marvelous examples of family history samplers survive in libraries, archives and museums. Presumably, many more are still treasured as heirlooms

The Banded Agate Askos

Natural Radiance Of Beetle Wing Embroidery

‘इण्डो- यूएस ट्रेड डील पर चार-पांच दिन में दोनों देश संयुक्त बयान देंगे’

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने यह भी कहा कि संयुक्त वक्तव्य के बाद वाइट हाउस के एग्ज़ीक्युटिव आदेश से यूएस टैरिफ घटकर 18 प्रतिशत रह जाएगा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 05 फरवरी। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने आज कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार समझौते का पहला चरण लगभग तैयार है और दोनों देश चार-पांच दिनों में संयुक्त बयान जारी करेंगे। सोमवार रात अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा ट्रुथ सोशल पर की गई घोषणा के बाद दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच समझौते की पहली जानकारी सामने आने लगी है।

गोयल ने कहा कि संयुक्त बयान के बाद वाइट हाउस के कार्यकारी आदेश के जरिए अमेरिकी टैरिफ 18 प्रतिशत तक कम हो जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर करने में 30-45 दिन लगेंगे और इसे मार्च में साइन किया जाएगा।

- **पीयूष गोयल ने बताया कि औपचारिक एग्रीमैंट होने में 30 से 45 दिन लगेंगे और संभवतया मार्च तक एग्रीमैंट हो जाएगा और इस पर मार्च में वर्चुअली साइन किये जाएंगे।**
- **ट्रंप ने ट्रेड डील की घोषणा सोमवार रात की थी जिसमें यह भी कहा था कि भारत अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदेगा। इसे स्पष्ट करते हुए वाणिज्य विभाग के अफसरों ने बताया कि विमान खरीद के ही ऑर्डर 70-80 अरब डॉलर के होंगे। भारत ईंधन, विमान व चिप्स खरीद पर 300 अरब डॉलर खर्च करेगा।**
- **वेनेज़ुएला से ईंधन खरीदने के ट्रंप के दावे पर विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा, वेनेज़ुएला हमारा पुराना सहयोगी है, हम उससे तेल खरीदते रहे हैं। पर प्रवक्ता ने रुस से तेल खरीद के मुद्दे पर कुछ नहीं कहा।**

उन्होंने बताया कि संयुक्त समझौते पर वर्चुअल तरीके से हस्ताक्षर किए जाएंगे और संयुक्त बयान के बाद कार्यकारी आदेश के जरिए भारत से आने वाले सामान पर अमेरिकी शुल्क 18 प्रतिशत कर दिया जाएगा।

गोयल ने कहा, “हम चाहते हैं कि समझौता जल्दी हो, क्योंकि इसके बाद हमें और रियायतें मिल सकती हैं।”

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा, “मार्च में लीगल एग्रीमैंट पर हस्ताक्षर होने के बाद भारत अमेरिका के सामान पर शुल्क कम करेगा।”

ट्रम्प के इस दावे पर भी कुछ स्पष्टता सामने आई कि भारत अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदेगा।

व्यापार अधिकारियों ने बताया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

व्हीलचेयर पर संसद पहुंचे थरुर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 फरवरी। संसद के मकर द्वार से व्हीलचेयर से गुजरते हुए, शशि थरूर ने कहा कि वह संसद में अपने कर्तव्यों और केरल में अपने चुनावी कार्य को जारी रखेंगे। ज्ञातव्य है कि बुधवार को थरुर संसद भवन में गिर गए इस कारण उनके पैर में एक हेयरलाइन फ्रैक्चर हो गया है।

पत्रकारों से बात करते हुए, तिरुवनंतपुरम के कांग्रेस के सांसद थरूर ने कहा कि उनका पैर कास्ट में रहेगा और ठीक होने में कम से कम 4-6 सप्ताह लगेंगे। थरुर ने कहा, “मैं अपना काम जारी रखूंगा, लेकिन मुझे व्हीलचेयर का उपयोग करना होगा, कम से कम इस (बजट) सत्र के इस भाग में शामिल होने के लिए।” बजट सत्र का पहला भाग 13 फरवरी को समाप्त होने वाला है।

- **कांग्रेस के सांसद शशि थरुर बुधवार को संसद की सीढ़ियों से लड़खड़ाकर गिर गए थे, उनके पैर में हेयरलाइन फ्रैक्चर है।**

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें बुरी नज़र लग गई है, तो थरूर ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, “लगे रहने दो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल में अकेले चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

खड़गे के आवास पर गुरुवार को हुई प्रदेश कांग्रेस की बैठक में हुआ बड़ा फैसला

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 फरवरी। गठबंधन राजनीति में शामिल रहने के लगभग डेढ़ दशक के बाद, कांग्रेस ने आगामी पश्चिम बंगाल चुनावों में अकेले उतरने का फैसला किया है।

1970 के दशक तक प.बंगाल पर कांग्रेस का प्रभुत्व था पर बाद में धीरे-धीरे कांग्रेस कमज़ोर होती गई और उसकी खाली जगह पर पहले वाम मोर्चा और तृणमूल कांग्रेस का कब्जा है। गठबंधन राजनीति से जुड़ने से कांग्रेस को कोई खास लाभ नहीं हुआ। वर्ष 2011 में, कांग्रेस ने तृणमूल कांग्रेस के साथ गठबंधन किया और 42 सीटें जीतीं। वर्ष 2016 में, पार्टी ने माकपा के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ा और 44 सीटें जीतीं। पिछले 2021 के चुनावों में, कांग्रेस ने फिर से माकपा नेतृत्व वाले वाम मोर्चे के साथ गठबंधन किया, लेकिन अपना खाता भी नहीं खोल सकी।

पार्टी के राज्य नेतृत्व की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नई दिल्ली स्थित निवास, 10 राजाजी मार्ग पर गुरुवार को हुई बैठक के बाद “एकला चालो” निर्णय लिया गया। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी बैठक में मौजूद थे।

- **डेढ़ दशक तक कभी वाम मोर्चा तो कभी तृणमूल के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस का मन लगता है अब भर चुका है।**
- **गत चुनाव कांग्रेस ने वाम मोर्चा के साथ लड़ा था पर पार्टी का खाता भी नहीं खुला, इसलिए इस बार वाममोर्चा के साथ कांग्रेस गठबंधन नहीं करना चाहती और तृणमूल पार्टी का रवैया बेहद घमंडी है इसलिए कांग्रेस अकेले ही चुनाव लड़ेगी।**
- **सत्तर के दशक तक बंगाल की राजनीति में कांग्रेस का दबदबा था, धीरे-धीरे पार्टी कमज़ोर होती गई तो पहले वाम मोर्चा और फिर तृणमूल ने कांग्रेस की छोड़ी हुई जगह हथिया ली।**

बैठक में राज्य के नेताओं ने पार्टी नेतृत्व को बताया कि वाम मोर्चे के साथ गठबंधन से अब खास सफलता नहीं मिल रही है। क्योंकि वाम नेताओं ने कांग्रेस से “संसाधन तो खींचे, लेकिन कांग्रेस के पक्ष में वोट ट्रांसफर करने में सक्षम नहीं हो सके”। उन्होंने ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के साथ चुनावी समझौते को भी नकारात्मक रूप से देखा, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस का रुख काफी “घमंडी और अक्खड़” था। पिछले विधानसभा चुनावों में, कांग्रेस तृणमूल कांग्रेस से गठबंधन नहीं कर पाई, क्योंकि तृणमूल ने कांग्रेस को “बेहद कम” सीटों का प्रस्ताव दिया था। राज्य के नेताओं ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस का यह मत था कि कांग्रेस सौदेबाजी करने की स्थिति में भी नहीं थी। ममता बनर्जी के भतीजे और वरिष्ठ तृणमूल नेता ने यहां तक कि सुझाव दिया था कि कांग्रेस को तृणमूल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार चुनाव में “कैश ट्रांसफर” के मुद्दे पर आज सुनवाई संभव

चुनाव आचार संहिता के दौरान, मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को दस हजार रु. देने के खिलाफ प्रशांत किशोर ने याचिका दायर की है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 फरवरी। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर द्वारा स्थापित जन सुराज पार्टी ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए सरकार की कल्याण योजना के दुरुपयोग के आरोप में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। वह विधानसभा चुनाव रद्द कराने की मांग कर रहे हैं।

किशोर की पार्टी ने 2025 के चुनावों में 243 विधानसभा सीटों में से 242 पर चुनाव लड़ा था, लेकिन एक भी सीट जीतने में असफल रही

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका का मुख्य मुद्दा बिहार सरकार द्वारा चुनावों से ठीक पहले शुरू की गई मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना है। इस योजना के तहत राज्य सरकार ने हर परिवार की एक महिला को 10,000 रु. सीधे देने का निर्णय लिया था, ताकि वह स्व-रोजगार शुरू कर सके, साथ ही एक और वादा किया गया 2 लाख रु. का, जो व्यवसाय का आकलन के बाद दिया जाएगा।

- **इस योजना के तहत सभी महिलाओं को स्वरोजगार के लिए दस-दस हजार रु. दिए गए थे और वादा किया गया था कि आकलन के बाद काम संतोषप्रद रहा तो 2 लाख रु. और दिए जाएंगे।**
- **प्रशांत किशोर ने याचिका में आरोप लगाया है कि यह योजना विधानसभा की मंजूरी के बिना मंत्रिमंडलीय फैसले के आधार पर लागू कर दी गई थी और इसके लिए सरकार के आकस्मिक कोष से फंड जुटाया गया, जो संविधान के अनुच्छेद 267 का उल्लंघन था।**
- **उन्होंने कहा कि मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट जब लागू था तब 1.56 करोड़ महिलाओं के खातों में दस-दस हजार रु. दिए गए थे, यह “भ्रष्ट आचरण” है।**

याचिका के अनुसार, इस योजना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईसाई रीति से हुए विवाहों का रजिस्ट्रेशन करें- हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि ईसाई विवाह अधिनियम के तहत जारी विवाह प्रमाण पत्रों को सिविल रजिस्टर में दर्ज करने से इनकार नहीं किया जा सकता। यह राज्य का वैधानिक दायित्व है और इसे किसी अधिकारी के विवेकाधीन निर्णय के अधीन नहीं रखा जा सकता। जस्टिस पीएस भाटी और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश सिरो-मालाबार रोमन कैथोलिक चर्च के प्रीस्ट इंचार्ज फादर पॉल पी की ओर से दायर

- **विवाह पंजीकरण नहीं होने से ईसाई दंपत्तियों को पासपोर्ट, वीज़ा सहित अन्य सरकारी सेवाओं के लिये कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनावों में बढ़ते “रेवड़ी कल्चर” पर सुप्रीम कोर्ट का रुख गंभीर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा इस विषय पर गंभीर चिंतन की जरुरत है इसलिए इस पर तीन सदस्यीय बैंच विचार करेगी

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि चुनावी घोषणापत्र और चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त योजनाओं के वादे करने का मुद्दा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सार्वजनिक हित से जुड़े गंभीर सवाल उठाता है और इस पर तीन जजों की बेंच को विचार करना चाहिए।

यह टिप्पणी उस समय की गई जब भाजपा नेता और वकील याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की बेंच के सामने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने चुनावी घोषणापत्र और प्रचार के दौरान मुफ्त योजनाओं की घोषणा पर रोक लगाने की मांग की है।

यह संकेत देते हुए कि मामला बड़ी बेंच के सामने रखा जाएगा, मुख्य न्यायाधीश ने कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण और सार्वजनिक हित का मामला है... इसे तीन जजों की बेंच को सुनना होगा। मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता से कहा कि इस महीने के बाद मामले की सुनवाई होगी। उन्होंने कहा, “मार्च तक इंतजार करें।”

- **मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत व जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बैंच ने याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय से कहा, यह जनहित का गंभीर मुद्दा है और इसे तीन सदस्यीय बैंच द्वारा सुना जाना चाहिए। इसे मार्च में सुना जाएगा तब तक इंतज़ार कीजिए।**
- **याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय ने अपनी याचिका में चुनावों में मुफ्त सामान बांटने के “रेवड़ी कल्चर” पर रोक लगाने की मांग की और कहा कि 5 विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, अब सिर्फ सूरज, चांद देने का वायदा किया जाना ही बचा है।**
- **राजनैतिक दलों ने इस याचिका का विरोध किया तथा इसे राजनैतिक रुप से प्रेरित बताया। उनका कहना है कि लोक कल्याणकारी योजनाएं व सब्सिडी शासन का अहम् भाग हैं इसका लक्ष्य कमज़ोर तबकों की मदद करना होता है।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व में भी सुनवाई के दौरान मुद्दे को जटिल बताया था और अपनी न्यायिक सीमाओं की मजबूरी का उल्लेख किया था।**

उपाध्याय ने अदालत से मामले की तुरंत सुनवाई करने का आग्रह किया, यह कहते हुए कि आने वाले महीनों में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल वोटरों को प्रभावित करने के लिए लगातार वादे कर रहे हैं, जो उनके अनुसार भ्रष्ट आचरण है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संसद में रणनीति पर विपक्ष के नेताओं की बैठक हुई

नयी दिल्ली, 05 फरवरी। विपक्ष के संसदीय दल के नेताओं की गुरुवार को संसद भवन परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राज्य सभा में दिए गए जवाब तथा अन्य मुद्दों को लेकर रणनीति बनाने पर चर्चा हुई।

- **खड़गे के चैंबर में हुई बैठक में सपा, शिवसेना (उद्धव), आरएसपी, मुस्लिम लीग आदि के नेता शामिल हुए।**

बैठक संसद भवन परिसर में राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के चेंबर में हुई जिसमें संसद में सभी दलों ने एकजुट होकर सरकार को घेरने की रणनीति पर गहन विचार विमर्श किया। बताया जाता है कि इसमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इण्डो-यूएस ट्रेड डील पर संयुक्त बयान की प्रतीक्षा में हैं विशेषज्ञ

अभी तक ना तो भारत की तरफ से ही ना ही अमेरिका की तरफ से डील पर कोई स्पष्ट बयान आया है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 फरवरी। भारत और अमेरिका के बीच जिस व्यापार समझौते की काफी चर्चा हो रही है, अब साफ होता जा रहा है कि वह ज्यादा से ज्यादा एक हाई प्रोफाइल दिखावा है। विशेषज्ञ दोनों देशों के संयुक्त बयान का इंतजार कर रहे हैं।

भारत ने अब तक इस समझौते पर कोई औपचारिक बयान नहीं दिया है, अगर ऐसा कोई समझौता वास्तव में हुआ भी है। अमेरिका ने भी इस समझौते पर कोई विस्तार से बयान जारी नहीं किया है।

अलग अलग संकेतों से पता लगाया जा सकता है कि भारत और अमेरिका, दोनों में इंडो-यू.एस. ट्रेड डील को लेकर क्या हो रहा था। अमेरिका का दबाव भारत पर काम नहीं कर पाया और जब भारत अपनी बात पर अड़ा रहा, तो अमेरिकी पक्ष निराश हो गया। यह बात ट्रम्प के अधिकारियों और खुद डॉनल्ड ट्रम्प की भारत और उसकी आर्थिक संभावनाओं पर की गई टिप्पणियों से साफ नज़र आई।

एक समय डॉनल्ड ट्रम्प ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मरी हुई कहा और अपमानजनक टिप्पणियां कीं। इन घटनाओं से भारतीय टीम और शीर्ष नेतृत्व नाराज हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने डॉनल्ड ट्रम्प के फोन कॉल लेने से भी साफ इनकार कर दिया था।

इसी पृष्ठभूमि में भारत और यूरोपीय संघ के बीच अचानक व्यापार समझौता होने और उसके चारों ओर बने कूटनीतिक माहौल ने अमेरिका को अलग-थलग कर दिया। डॉनल्ड ट्रम्प को अपने कट्टर दुश्मन, खासकर यूरोप और यूरोपीय संघ के सामने पीछे छूटना पसंद नहीं आया।

- **हालांकि, ट्रेड डील को लेकर अभी सिर्फ कयास ही लग रहे हैं लेकिन एक बात स्पष्ट है कि अमेरिका की दबाव डालने की रणनीति भारत पर कारगर नहीं हुई और यूरोपियन यूनियन के साथ हुई ट्रेड डील से तो अमेरिका की हताशा और बढ़ गई।**
- **यही वजह रही कि कभी भारत को “डैड इकॉनमी” बताने वाले ट्रंप ने खुद ही ट्रेड डील स्वीकृत करने की घोषणा कर दी क्योंकि ट्रंप समझ गए कि भारत का विशाल बाजार उनके हाथ से निकल रहा है।**
- **घोषणा अमेरिका की तरफ से हुई और डील भी बेहद आकर्षक थी, ऐसे में भारत के इन्कार करने का सवाल नहीं था।**
- **पर अब देखना यह है कि वास्तव में यह डील क्या रुप लेती है और भारत को कितना लाभ देगी।**

ट्रम्प को खोई हुई जमीन को वापस पाने की तत्काल ज़रुरत महसूस हुई और वे मौके की तलाश में थे। उन्होंने वॉशिंगटन से ट्रेड डील की एकतरफा घोषणा कर दी, जिससे भारतीय पक्ष हैरान रह गया।

घोषित व्यापार समझौता भारत के लिए इतना आकर्षक बताया गया कि उसे केवल घोषणा कहकर ठुकराना मुश्किल था। हालांकि भारत ने यह नहीं कहा कि कोई पक्का व्यापार समझौता हो गया है, लेकिन प्रधानमंत्री ने शिष्टाचार के तौर पर राष्ट्रपति की घोषणा का स्वागत किया।

इस तरह अब केवल अमेरिका, खासकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के बड़े दावे ही बाकी रह गए हैं। यह अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा अपनी उपलब्धि दिखाने के लिए जोर-शोर से किया गया दावा है।

ट्रम्प ने भारत से बहुत बड़ी मांग की थी। वह चाहते थे कि भारत में आने वाले अमेरिकी सामान पर सभी टैरिफ हटा दिए जाएं, जबकि अमेरिका भारतीय उत्पादों पर अपने शुल्क बनाए रखे। सही नहीं कहा जा सकता।

भारत की ओर से इस बात की कोई पुष्टि नहीं हुई है कि अमेरिकी सामान भारत में बिना शुल्क के आएगा। इसके बजाय कुछ बातों से संकेत मिले हैं कि तय कार्यक्रम के अनुसार भारत में आने वाले सामान पर चरणबद्ध तरीके से शुल्क लगाए जाएंगे।

यह संभव नहीं है कि भारत सभी अमेरिकी आयात पर छूट दे, जबकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गुरुवार को ठप्प रही लोकसभा

नयी दिल्ली, 05 फरवरी। लोकसभा में गुरुवार को भी विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी जारी रही जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

तीन बार स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दोपहर तीन बजे शुरु होते ही विपक्षी सदस्य फिर से नारेबाजी करने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हंगामे के बीच कहा कि बड़े दुख के साथ सभा को सूचित करना है कि कल कुछ सदस्यों ने जिस प्रकार का व्यवहार किया और ऐसे दृश्यों का सृजन किया, वह लोकसभा के शुरुआत से लेकर आज तक आज तक कभी नहीं हुआ। संसदीय प्रणाली में सदन के सभापति का गरिमामय स्थान हमारे संविधान में

- **लोकसभाध्यक्ष ने दिन भर के लिए कार्यवाही स्थगित करते हुए कहा सदस्य पोस्टर लेकर आएंगे तो सदन नहीं चलेगा।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

बच्चों को पालना, उन्हें अच्छे व्यवहार की शिक्षा देना भी सेवाकार्य है, क्योंकि यह उनका जीवन सुखी बनाता है। –स्वामी रामसुखदास

लोकलुभावन नहीं 2047 के भारत की इबारत है नया बजट

संभवतः यह पहला अवसर होगा जब केन्द्रीय वित मंत्री द्वारा बजट पेश करते समय चुनावों में राजनीतिक लाभ हानि पर विचार किये बिना समग्र विकास और दीर्घकालीन आर्थिक सुधार को ध्यान में रखते हुए बजट प्रस्तुत किया है। कुछ माहों में ही पं. बंगाल, तमिलनाडू, केरल, असम और पुडुचेरी के चुनाव की तिथियां घोषित हो जाएगी। अब तक होता यह आया है कि बजट में चुनाव वाले राज्यों के नागरिकों को लुभाने के लिए खास घोषणाएं होती है। पर वित मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजनीतिक लाभ हानि के स्थान पर समग्र सुधारों और सरकार के मिशन 2047 को केन्द्र में रखकर 2027-28 का बजट पेश किया है। निर्मला सीतारमण ने लगातार 9वां बजट पेश किया है। खासबात यह कि 2019 से 2026 तक लगातार नवां बजट पेश करने तक वित मत्री सीतारमण भिन्न भिन्न प्रदेशों की हथकरघा साड़ियों में नजर आई है। इस बार तमिलनाडू की बैंगनी कांजीवरम सिल्क साड़ी में नवां बजट पेश किया।

इस साल का बजट इसलिए भी मायने रखता है कि दुनिया के देशों के हालात और वैश्विक परिस्थितियां दिन प्रतिदिन विपरीत होती जा रही है। बजट के दिन जहां शेयर बाजार धराशाही हो गया वहीं दूसरे दिन ही अमेरिका द्वारा टैरिफ दर कम करने के साथ ही शेयर बाजार ने उंची उड़ान भर डाली। पर वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए भारत की आर्थिक विकास की गति बनाए रखना किसी गंभीर चुनौती से कम नहीं है। विपरीत हालातों में भी तेजी से बढती अर्थव्यवस्था हमारी है। दुनिया के देश जहां आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे हैं भारत की अर्थव्यवस्था ने उंचाई प्राप्त की है। अमेरिका में ट्रंप 2 के बाद से दुनिया के हालात दिन प्रतिदिन बदतर होते जा रहे हैं पर जिस रणनीति से भारत ने अमेरिका को इग्नोर की नीति पर चलते हुए चुनौती दी इसी का परिणाम है कि ट्रंप को टेरिफ दरें घटानी पड़ी है। हांलाकि ट्रंप के मिजाज को देखते हुए कुछ कहा नही जा सकता कि कब बह पलटी मार जाएं।

केन्द्रीय बजट की इसलिए सराहना की जानी चाहिए कि वैश्विक हालातों को देखते हुए दीर्घकालीन आर्थिक सुधार, देश में ढांचागत विकास और युवाओं, महिलाओं, किसानों सभी को साधने का जो समग्र प्रयास हुआ है उससे निश्चित रुप से आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता को नई दिशा मिलेगी। विश्लेषक इसे समग्र सुधारों के साथ विकास का संकल्प बता रहे हैं तो कोई इस बजट को भारत की आत्मनिर्भरता का कवच बता रहे हैं। कोई इसे एमसएएमई सेक्टर का ग्रोथ इंजन बता रहे हैं तो कोई शी मार्ट के माध्यम से महिला सशक्तिकरण बता रहे हैं। वित मंत्री निर्मला सीतारमण इसे तीन कर्तव्यों उत्पादकता को बढ़ावा, आंकाक्षाओं को पूरा करना और सबका साथ सबका विकास पूरा करने का माध्यम बता रही है। इस बजट में प्राथमिकता लोकलुभावन को नहीं देकर देश को सशक्त आधार देने वाला बनाया गया है। एक और रक्षा बजट को बढ़ाया है। आज दुनिया के जिस तरह के तनाव के हालात बने हुए हैं और हमारे पड़ोसी बांग्लादेश के हालात है, उधर रुस यूक्रेन युद्ध थमने का ही नाम नहीं ले रहा है, ईरान अमेरिका के हालात कब युद्ध में बदल जाएं कहा नहीं जा सकता है और पाकिस्तान कब अपनी उद्दंडता दिखा दे कुछ कहा नहीं जा सकता, चीन के इरादे हमेशा संदिग्ध रहे हैं ऐसे में रक्षा क्षेत्र में बजटीय प्रावधान बढ़ाना और सैन्य क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाना समय की मांग है। इसी तरह से डिजिटल युग में दुनिया के देशों से दो कदम आगे बढ़ना समय की मांग है। एआई के युग को देखते हुए एआई को रोजगार का माध्यम बनाना, कौशल विकास, तकनीक से शिक्षा को जोड़ने, पर्यटन विकास, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, यहां तक कि गाइड्स तैयार करने से लेकर चुवाओं और रोजगार से जुड़े सभी क्षेत्रों को आगे बढ़ाने के प्रावधान किये गये हैं। खेती-किसानी को प्रोत्साहित करने के साथ ही जल के महत्व को समझा गया है। अमृत सरोवर से जल संग्रहण से लेकर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है।

कहने को लाख आलोचनाएं की जा सकती है पर वैश्विक हालातों को देखते हुए जिस तरह का भविष्योन्मुखी ठोस आधारभूत विकास का बजट होने से इससे दीर्घकालीन लाभ मिलेगा और अर्थव्यवस्था को बूस्ट प्राप्त होगा। सबसे खास बात यह है कि इस बजट के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया गया है कि लोकलुभावन ही नहीं आमजन दीर्घकालीन आर्थिक विकास के बजट का आगे बढ़कर स्वागत करते है। अब बजटीय व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन का भी समयबद्ध रोडमैप बन जाए तो निश्चित रुप से इसका वास्तविक लाभ मिल सकेगा।

किसी भी देश के आर्थिक विकास के लिए बेहतर लोजिस्टिक प्रमुख आवश्यकता है। रक्षा के बाद सबसे अधिक प्रावधान बेहतर कनेक्टिविटि को दिया गया है। बेहतर आवागमन से विकास को गति मिलती है तो योजनाबद्ध शहरी विकास पर जोर दिया गया है। यदि सार रुप में कहा जाए तो यह बजट आर्थिक विकास की गति को बनाए रखने का रोडमैप कहा जा सकता है। विनिर्माण क्षेत्र को गति, आधारभूत संरचना विकास, कौशल विवकास, एमएसएमई को प्रोत्साहन, उर्जा विकास व सहज उपलब्धता, इकोसिस्टम बनाए रखते हुए समग्र विकास पर जोर रहा है। हांलाकि नौकरी पेशा लोग आयकर में किसी तरह का परिवर्तन नहीं करने से निराश हुए हैं तो शेयर मार्केट में सट्टेबाजी को निरुत्साहित करने से निराशा हुई और इसका तत्काल असर शेयर बाजार पर देखा गया। कहने को लाख आलोचनाएं की जा सकती है पर वैश्विक हालातों को देखते हुए जिस तरह का भविष्योन्मुखी ठोस आधारभूत विकास का बजट होने से इससे दीर्घकालीन लाभ मिलेगा और अर्थव्यवस्था को बूस्ट प्राप्त होगा। सबसे खास बात यह है कि इस बजट के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया गया है कि लोकलुभावन ही नहीं आमजन दीर्घकालीन आर्थिक विकास के बजट का आगे बढ़कर स्वागत करते है। अब बजटीय व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन का भी समयबद्ध रोडमैप बन जाए तो निश्चित रुप से इसका वास्तविक लाभ मिल सकेगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

ट्रंप डील और मोदी नेतृत्व

राजस्थान के उद्योग के लिए नए अवसरों का द्वार

अशोक परनामी

भारत और अमेरिका के बीच लंबे इंतजार के बाद संपन्न हुई नई ट्रेड डील ने न केवल दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई दी है, बल्कि राजस्थान जैसे निर्यात-आधारित राज्यों के लिए यह समझौता उम्मीदों का नया क्षितिज खोलता नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारतीय उत्पादों पर टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने का निर्णय ऐसे समय आया है, जब वैश्विक बाजार में अस्थिरता और संरक्षणवाद की प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं। इस पृष्ठभूमि में यह समझौता भारत की बढ़ती वैश्विक साख और प्रभावी आर्थिक कूटनीति का प्रमाण माना जा रहा है।

इस ऐतिहासिक समझौते के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सशक्त और दूरदर्शी नेतृत्व स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। बीते एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को केवल एक बड़ा बाजार ही नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदार के रूप में स्थापित किया है। 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसे अभियानों को अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता दिलाने में उनकी सक्रिय भूमिका रही है। अमेरिका जैसे प्रभावशाली देश द्वारा टैरिफ में इतनी बड़ी कटौती इस बात का संकेत है कि भारत अब शर्तें तय करने वाली अर्थव्यवस्था बन रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा इस डील को 'गेम चेंजर' करार देना भी इसी तथ्य को रेखांकित करता है कि केंद्र के मजबूत नेतृत्व का सीधा लाभ राज्यों तक पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले छह वर्षों में नौ महत्वपूर्ण ट्रेड डील कर यह साबित किया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब आत्मविश्वास के साथ वैश्विक मंच पर खड़ी है। टैरिफ कटौती का सीधा और तात्कालिक असर राजस्थान के ज्वेलरी, हैंडीक्राफ्ट, गारमेंट और स्टोन उद्योगों पर दिखाई देने लगा है। उद्योग संगठनों के अनुसार, टैरिफ बढ़ने के बाद राज्य का निर्यात करीब 50 प्रतिशत तक गिर गया था। कई इकाइयां बंद होने की कगार पर थीं और हजारों कारीगरों व श्रमिकों की आजीविका पर संकट मंडरा रहा था। अब अमेरिकी बाजार से दोबारा पूछताछ और ऑर्डर मिलना शुरू होने से उद्योग जगत में नया उत्साह है।

जयपुर और आसपास के क्षेत्रों में फैला जेम्स एंड ज्वैलरी उद्योग राजस्थान की वैश्विक पहचान का प्रतीक है। रंगीन पत्थरों और पारंपरिक राजस्थानी डिजाइनों की अंतरराष्ट्रीय मांग टैरिफ वृद्धि के कारण लगभग ठप हो गई थी। उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों का कहना है कि टैरिफ घटने के बाद अमेरिका सहित अन्य बाजारों से मांग लौटने लगी है। इससे कारीगरों और निर्यातकों को नई ऊर्जा मिली है।

अमेरिका जैसे बड़े खरीदार पर काफी हद तक निर्भर स्टोन इंडस्ट्री टैरिफ बढ़ने से सबसे अधिक प्रभावित हुई थी। 70 प्रतिशत से अधिक इकाइयों पर इसका नकारात्मक असर पड़ा। अब टैरिफ कटौती के बाद अमेरिकी खरीदारों की सक्रियता बढ़ने से उत्पादन और रोजगार दोनों में सुधार की उम्मीद है। इसी तरह तीन लाख से अधिक लोगों को रोजगार देने वाला जयपुर का गारमेंट उद्योग एक बार फिर रफ्तार पकड़ने को तैयार है। निर्यात में गिरावट से जूझ रहे एमएसएमई सेक्टर के लिए यह समझौता विशेष रूप से राहतभरा साबित हो रहा है।

राजस्थान का हस्तशिल्प, ब्लू पॉटरी, लकड़ी का काम, संगमरमर की नक्काशी और हाथ से बने वस्त्र अमेरिकी बाजार में लोकप्रिय रहे हैं। टैरिफ घटने से जयपुर और जोधपुर के कारीगरों को बेहतर दाम और स्थिर बाजार मिलने की संभावना है। यह न केवल आर्थिक लाभ देगा, बल्कि सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में भी सहायक होगा। निर्यात में वृद्धि का असर केवल उद्योगों तक सीमित नहीं रहेगा। परिवहन, लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग, बैंकिंग और बीमा जैसे सहायक क्षेत्रों में भी गतिविधियां बढ़ेंगी। यह 'मल्टीप्लायर इफेक्ट' राजस्थान की अर्थव्यवस्था को व्यापक गति देगा और नए रोजगार सृजित करेगा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील और टैरिफ में ऐतिहासिक कटौती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व, स्पष्ट दृष्टि और प्रभावी आर्थिक कूटनीति का परिणाम है। राजस्थान के लिए यह समझौता केवल व्यापारिक राहत नहीं, बल्कि आत्मविश्वास के साथ वैश्विक बाजार में आगे बढ़ने का अवसर है। यदि राज्य और केंद्र सरकार के प्रयासों के साथ उद्योग जगत इस अवसर का सही उपयोग करता है, तो राजस्थान आने वाले वर्षों में निर्यात के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू सकता है और यही इस डील की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

–अशोक परनामी,
पूर्व विधायक एवं
पूर्व मेयर जयपुर।

तारबंदी से सुरक्षा, बीमा से संबल : किसानों को करोड़ों रुपये का अनुदान मिला

विकसित भारत 2047 के सपने के केंद्र में अन्नदाता : सरकारी सहायता और योजनाओं ने खोले रास्ते, किसान ने दुनिया देखी

अमृता कटारा

भारतीय कृषि को अक्सर परंपरा के फ्रेम में बाँधकर देखा गया है-हल, बैल, मानसून और अनिश्चितता। लेकिन आज खेतों की ज़मीन के नीचे सिर्फ़ बीज नहीं, बदलाव भी दबाहुआ है। यह बदलाव न तो अचानक है और न ही पूरी तरह दृश्यमान होता है। यह धीरे-धीरे किसान की सोच, नीति और खेती में बदलाव और नियमित प्रयास से आता है। जिस कृषि को लंबे समय तक केवल जीविका का साधन माना गया, वह अब आत्मनिर्भरता और स्थायित्व की ओर बढ़ने की कोशिश कर रही है। यह परिवर्तन इसलिए भी ज़रूरी हो गया है क्योंकि भारतीय कृषि आज दोहरी चुनौती से जूझ रही है। एक ओर बढ़ती आबादी की खाद्य आवश्यकताएँ हैं, दूसरी ओर छोटे और सीमांत किसानों की आजीविका को सुरक्षित रखने की ज़िम्मेदारी। उत्पादन में बढ़ोतरी के बावजूद खेती जोखिम से मुक्त नहीं हुई है।

जलवायु परिवर्तन, बढ़ती लागत और बाज़ार की अस्थिरता ने किसान को लगातार अनिश्चितता में रखा है। ऐसे समय में कृषि का आधुनिकीकरण कोई वैचारिक बहस नहीं, बल्कि व्यवहारिक अनिवार्यता बन चुका है। 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना तब तक अधूरी रहेगी, जब तक खेतों में काम करने वाला किसान स्वयं को उस विकास का सहभागी न माने। इसी सोच के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में और राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने कृषि को नीति के केंद्र में रखा है। किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, पीएम-कुसुम, अटल भू-जल योजना, किसान डिजिटल आईडी, तारबंदी और जैविक खेती जैसी योजनाएँ यह संकेत देती हैं कि सरकार ने खेती को अल्पकालिक राहत नहीं, बल्कि दीर्घकालिक योजना मानती है।

राज्य सरकार के अब तक के कार्यकाल में लगभग 59 हजार 039 सोलर पंपसेटों की स्थापना कर 900 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया जाना यह बताता है कि सिंचाई और नवीनीकरण ऊर्जा के सवाल को स्थायी समाधान की ओर ले जाया जा रहा है। इसी तरह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत लगभग 6,450 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम का वितरण यह दर्शाता है कि प्राकृतिक आपदाओं के समय किसान को आर्थिक सुरक्षा देने का प्रयास किया गया है। खेती में जोखिम कम हुए बिना नवाचार संभव नहीं होता। नीति का असर तब स्पष्ट दिखता है जब वह ज़मीन पर उतरती है।

राजस्थान में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर इस मायने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो रहे है। योजनाओं की जानकारी, आवेदन की प्रक्रिया और समस्याओं का समाधान-सब कुछ एक ही मंच पर उपलब्ध होने से किसानों और प्रशासन के बीच की दूरी कम हुई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि जागरूकता केवल सूचना से नहीं, संवादसे आती है और यही इन शिविरों की सबसे बड़ी उपलब्धि है। प्रतापगढ़ जैसे जनजाति क्षेत्रों में यह बदलाव विशेष महत्व रखता है, जहाँ खेती लंबे समय तक केवल जीवन निर्वहन तक सीमित रही। छोटी जोतों और सीमित संसाधनों के बीच प्रतापगढ़ के जवाहरनगर के बाबूलाल मीणा द्वारा सरकार की सहायता से वर्मी कम्पोस्ट यूनिट की स्थापना यह बताती है कि जैविक खेती अब प्रयोग नहीं रही। कम लागत, बेहतर मूल्य और अतिरिक्त आय-ये परिणाम बताते हैं कि सही मार्गदर्शन मिलने पर किसान टिकाऊ विकल्पों की ओर बढ़ सकता है।

इसी ज़िले से किसान शंभूलाल पाटीदार का डेनमार्क एक्सपोज़र विज़िट पर जाना यह संकेत देता है कि कृषि प्रशिक्षण अब केवल तकनीक सिखाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सोच का दायरा भी बढ़ा रहा है। जब किसान दुनिया को देखने लगता है, तो अपनी ज़मीन को देखने का नज़रिया भी बदल जाता है। तारबंदी योजना ने भी खेती को स्थिरता दी है एवं किसानों के हितों कीरक्षा की है। जवाहरनगर की दुर्गा बाई मीणा और पिल्लू गाँव के पंकज कुमार मीना जैसे किसानों की कहानियाँ यह बताती हैं कि फसल सुरक्षा केवल नुकसान नहीं रोकती बल्कि कृषि को अधिक सुरक्षित बनती है।

राज्य में लगभग 34,395 किलोमीटर तारबंदी कर 377.66 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाना इस बात का संकेत है कि खेती को जोखिम से मुक्त करने की दिशा में ठोस प्रयास हुए हैं। इसके साथ ही 35,368 फार्म पॉन्ड के निर्माण पर 300 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान जल संरक्षण को खेती की बुनियाद बनाने की मंशा को दर्शाता है। इन सभी अनुभवों और आँकड़ों को साथ रखकर देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि प्रदेश के अन्नदाताओं का भविष्य जनहितैषी कार्यों की निरंतरता, ज़मीनी क्रियान्वयन और किसान की भागीदारी से आकार ले रहा है। खेत आज भी परंपरा से जुड़े हैं, लेकिन अब उनके साथ सुरक्षा, ज्ञान और उम्मीद भी खड़ी है-और शायद यही बदलाव की सबसे बड़ी पहचान है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा कृषि को नवाचार, सुरक्षा और सम्मान से जोड़ने की दिशा में जो व्यापक विजन सामने रखा, उसे राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ज़मीन पर आकार मिलता दिख रहा है। सोलर पंप से लेकर फसल बीमा, तारबंदी से लेकर जल संरक्षण तक-ये प्रयास यह संकेत देते हैं कि किसान को अब केवल उत्पादन की इकाई नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सहभागी माना जा रहा है। जनजाति क्षेत्रों से सामने आई बदलाव की यह कहानियाँ यह भरोसा जगाती हैं कि जब नीति में निरंतरता हो और क्रियान्वयन में संवेदनशीलता, तो खेती केवल अतीत की विरासत नहीं रहती, वह भविष्य की बुनियाद बन जाती है।

शंभू लाल पाटीदार: वैश्विक अनुभव और सरकारी योजनाओं से बदली खेत की तस्वीर

प्रतापगढ़ जिले के प्रगतिशील किसान शंभू लाल पाटीदार ने पारंपरिक खेती को आधुनिक और लाभकारी कृषि में सफलतापूर्वक परिवर्तित किया है। उन्होंने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और पीएम सूर्य घर योजना जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी खेती को नई दिशा दी। सरकारी सहयोग से वे पॉलीहाउस में लाल और हरी शिमला मिर्च की खेती कर रहे हैं, जिससे उन्हें अधिक उत्पादन के साथ बेहतर बाजार मूल्य भी मिल रहा है। उनकी यह सफलता इस बात का उदाहरण है कि सही तरीके से लागू की गई सरकारी योजनाएं किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ टिकाऊ और नवाचारी कृषि को भी बढ़ावा देती हैं।

हाल ही में शंभू लाल पाटीदार को एक सरकारी कार्यक्रम के तहत डेनमार्क जाने का अवसर मिला, जहां उन्होंने उन्नत जैविक खेती की तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। उन्होंने इस अनुभव को अत्यंत लाभकारी बताते हुए कहा कि वहां उन्होंने उत्पादन बढ़ाने और खेती में वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने के कई महत्वपूर्ण गुर सीखे। सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल किसानों को वैश्विक ज्ञान, नई दक्षताएं और नवाचार करने का आत्मविश्वास प्रदान करती हैं।

-अमृता कटारा,
एपीआरओ, डीआईपीआर

बोर्ड परीक्षाओं के लिए कंट्रोल रूम शुरु

अजमेर, (निसं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 12 फरवरी से शुरू होने वाली बोर्ड परीक्षाओं के सफल, निष्पक्ष एवं सुचारु आयोजन को लेकर गुरुवार को कंट्रोल रूम की स्थापना की गई। इस अवसर पर बोर्ड सचिव गजेंद्र सिंह राठौड़ ने विधि-विधान के साथ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कर कंट्रोल बोर्ड का शुभारंभ किया।

बोर्ड सचिव गजेंद्र सिंह राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि कंट्रोल रूम की स्थापना का मुख्य उद्देश्य परीक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाना तथा परीक्षा के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। कंट्रोल रूम राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कार्यालय में स्थापित किया गया है, जहां से पूरे प्रदेश की परीक्षा गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी। बोर्ड सचिव गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि कंट्रोल रूम के लिए चार अलग-अलग लैंडलाइन नंबर जारी किए गए हैं। इन नंबरों के माध्यम से प्रदेश भर के परीक्षा केंद्र अधीक्षक एवं संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी परीक्षा के दौरान आने वाली किसी भी प्रकार की समस्या, अव्यवस्था या आपात स्थिति की जानकारी सीधे कंट्रोल बोर्ड को दे सकेंगे। प्राप्त सूचनाओं पर तुरंत कार्रवाई कर समस्याओं का समाधान किया जाएगा। बोर्ड प्रशासन का मानना है कि कंट्रोल बोर्ड की सक्रिय भूमिका से परीक्षा संचालन में पारदर्शिता बनी रहेगी और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या तकनीकी समस्या पर तुरंत नियंत्रण पाया जा सकेगा। इससे न केवल परीक्षा केंद्रों को मार्गदर्शन मिलेगा, बल्कि विद्यार्थियों को भी शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में परीक्षा देने का अवसर मिलेगा।

राशिफल

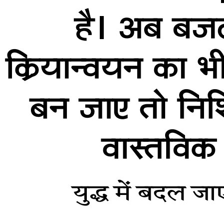

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 6 फरवरी, 2026

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र रात्रि 12:2 तक, धृति योग रात्रि 11:37 तक, कौलव करण दिन 12:51 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज कुमार योग सूर्योदय से रात्रि 12:24 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:36 तक, लाभ-अमृत 8:36 से 11:19 तक, शुभ 12:41 से 2:03 तक, चर 4:46 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:14, सूर्यास्त 6:08

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

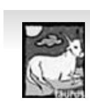

वृष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

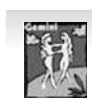

मिथुन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला

व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

मीन

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

उद्यमियों के साथ मिलकर पत्थर उद्योग को देश में सिरमौर बनाएंगे : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जेईसीसी में इंडिया स्टोन मार्ट का उद्घाटन किया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के पत्थरों की विशिष्टता की विश्व पटल पर अनूठी पहचान है। देशभर के अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों, किलों, महलों में राजस्थान का पत्थर उपयोग में लाया गया है। अब राजस्थान का पत्थर उद्योग नई ऊंचाइयां छूने के लिए पूरी तरह तैयार है तथा हम इस उद्योग को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी उद्यमियों से प्रदेश में मिलकर पत्थर उद्योग को देश में सिरमौर बनाने की अपील की।शर्मा गुरुवार को जयपुर के जेईसीसी में आयोजित इंडिया स्टोन मार्ट के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सीडॉस, रीको और लघु उद्योग भारती को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि इंडिया स्टोनमार्ट प्रदर्शनी नए राजस्थान के संकल्प का प्रतीक है। यह आयोजन भारतीय प्राकृतिक पत्थर उद्योग की शक्ति और सामर्थ्य को प्रदर्शित करने का एक वैश्विक मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस स्टोन मार्ट का पहली बार 26 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में वेबसाइट निर्माण, डिजिटल मोबाइल एप्लीकेशन तथा विशाल क्षेत्र में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है।

- मुख्यमंत्री ने स्टोन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले उद्यमियों को किया सम्मानित
- मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में किशनगढ़ का मार्बल,राजसमंद, जालौर, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा के पत्थर दुनियाभर में प्रसिद्ध है

मुख्यमंत्री ने स्टोन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले निदेशक अनिल चौधरी तथा मुकेश चंद्र अग्रवाल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में विपुल खनिज संपदा है। यहां कुल 85 तरह के खनिज उपलब्ध है। मकराना का संगमरमर, किशनगढ़ का मार्बल सहित राजसमंद, जालौर, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा के पत्थर दुनियाभर में प्रसिद्ध है। राजस्थान के पास न केवल समृद्ध संसाधन हैं, बल्कि सदियों पुरानी शिल्पकला की परंपरा भी है। साथ ही, हमारे कारीगरों की कला विश्वविख्यात है। हमारे पत्थर को पर्यावरण के अनुकूल, टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण निर्माण सामग्री के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति मिल रही है। उन्होंने कहा कि कहा कि उद्योग की असली ताकत हमारे कुशल कारीगर और मेहनतकश श्रमिक हैं। उनके हाथों की कारीगरी ही साधारण पत्थर को अद्भुत कला में बदलती है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर इकॉनोमी बनाया जाए।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार पत्थर उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर है। राज्य सरकार द्वारा निवेश परक नई नीतियों, सिंगल विंडो क्लियरेंस, प्रक्रियाओं का सरलीकरण सहित विभिन्न नवाचारों के माध्यम से उद्यमियों को राहत दी जा रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्टोन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले श्रीराम मेगा स्ट्रक्चर के निदेशक अनिल चौधरी तथा एवर शाइन मार्बल्स के प्रबंध निदेशक मुकेश चंद्र अग्रवाल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने इंडिया स्टोनमार्ट 2026 प्रदर्शनी का फीता खोलकर उद्घाटन किया एवं स्टॉल्स का अवलोकन किया।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाशचंद, आर.के. मार्बल्स के चैयरमेन अशोक पाटनी, ईरान और टर्की के प्रतिनिधिगण, सहित लघु उद्योग भारती के वरिष्ठ पदाधिकारीगण, रीको एवं सीडॉस के अधिकारीगण, बड़ी संख्या में उद्यमी, वास्तुकार एवं श्रमिक मौजूद रहे।

अधिकारी दीर्घा खाली मिलने पर स्पीकर वासुदेव देवनानी नाराज़

- देवनानी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे सदन की गरिमा के खिलाफ बताया। सदन की कार्यवाही सुबह ठीक 11 बजे शुरू हुई। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी समय पर आसन पर पहुंचे और शून्यकाल की कार्यवाही प्रारंभ करवाई
- अध्यक्ष की नाराजगी के बाद संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने सदन को आश्वासन दिया कि आगे से ऐसी स्थिति दोबारा नहीं बनेगी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र के दौरान गुरुवार को उस समय हंगामे जैसे हालात बन गए, जब शून्यकाल के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी दीर्घा में मौजूद नहीं पाए गए। इस पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे सदन की गरिमा के खिलाफ बताया। सदन की कार्यवाही सुबह ठीक 11 बजे शुरू हुई। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी समय पर आसन पर पहुंचे और शून्यकाल की कार्यवाही प्रारंभ करवाई।

इसी दौरान उन्होंने देखा कि अधिकारी दीर्घा पूरी तरह खाली पड़ी हुई है। इस पर अध्यक्ष ने संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पूर्व में स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं कि शून्यकाल के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी सदन में मौजूद रहेंगे, ताकि विधायकों द्वारा उठाए गए सवालों पर तुरंत संज्ञान लिया जा सके।

उन्होंने कहा कि अधिकारी दीर्घा का खाली रहना गंभीर लापरवाही है और इसे तत्काल सुधारा जाना चाहिए। अध्यक्ष की नाराजगी के बाद संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने सदन को आश्वासन दिया कि आगे से ऐसी स्थिति दोबारा नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि शून्यकाल के दौरान सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करवाई जाएगी।

शून्यकाल शुरू होने के समय बड़ी संख्या में विधायक सदन की लॉबी में मौजूद थे। चूंकि विधानसभा अध्यक्ष आसन पर खड़े थे, इसलिए विधायक सदन में प्रवेश नहीं कर सके। स्थिति को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने स्पीकर से आग्रह किया कि वे कुछ क्षण के लिए बैठ जाएं, ताकि विधायक सदन में प्रवेश कर सकें।

स्पीकर देवनानी ने सहृदयता दिखाते हुए कुछ देर के लिए आसन पर बैठकर विधायकों को सदन में आने का अवसर दिया। विधायकों के सदन में प्रवेश के बाद कार्यवाही आगे बढ़ाई गई। इस दौरान स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सभी विधायकों से आग्रह किया कि वे कार्यवाही शुरू होने से कम से कम पांच मिनट पहले सदन में पहुंचें, ताकि सदन के समय का सही उपयोग हो सके।

इंडिया पिंकफेस्ट में कलाकारों का लाइव प्रदर्शन

जयपुर। पिंकफेस्ट का 5 वां संस्करण आज से आरम्भ हुआ। यह एक ऐसा उत्सव है जो हमें एक देश के रूप में परिभाषित करता है: एक ऐसा देश जो कहानियाँ सुनाता है, सपने देखता है, अपने सांस्कृतिक वैभव पर गर्व करने को प्रेरित करता हैं और अपनी कला, संस्कृति को सहेज कर युवा पीढ़ी को सौंपने की राह बनाता है। यह रंग, संस्कृति और रचनात्मक ऊर्जा का एक आंदोलन है।

इसमें कलावृत संस्था द्वारा आयोजित लघु चित्राल की कार्यशाला के साथ साथ अपनी अपनी कलाओं के सिद्धहस्त कलाकार शिल्पगुरु डॉ. इंदरसिंह सिंह, नीरू छाबड़ा, वीरेन्द्र बन्नू एवं पृथ्वी राज कुमावत अपनी कला का लाइव डेमो द्वारा प्रदर्शित करेंगे तथा युवा पीढ़ी को उसकी तकनीक के बारे में भी बताएंगे और सीखने का भी प्रयास करेंगे।

जयपुर वासियों इस उत्सव का हिस्सा बने और इसकी रचनात्मकता का अनुभव करें।

'नेता प्रतिपक्ष के बयान में न सकारात्मकता, न विकास की सोच'

- अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सदन में विपक्ष की बोलती बंद कर दी है
- बालमुकुंद आचार्य ने 5 साल बनाम 2 साल के कार्यकाल की तुलना करते हुए कहा कि विपक्ष को राजनीति करनी चाहिए, जनता के साथ मज़ाक नहीं

जयपुर। राजस्थान की 16वीं विधानसभा के पंचम सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर मुख्यमंत्री के धन्यवाद प्रस्ताव के बाद विधायक बालमुकुंद आचार्य ने से बातचीत की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने कार्यों से पहली ही गेंद पर ऐसा छक्का लगाया कि विपक्ष गेंद ढूंढता रह गया। आचार्य ने 5 साल बनाम 2 साल के कार्यकाल की तुलना करते हुए कहा कि विपक्ष को राजनीति करनी चाहिए, जनता के साथ मज़ाक नहीं। कांग्रेस ने अपने पांच वर्षों में जनता के साथ कुठाराघात किया, बातें बहुत कीं लेकिन काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने 24 महीनों के काम गिनाकर कांग्रेस के पांच सालों से तुलना और जांच की खुली चुनौती दी, लेकिन विपक्ष ने हमेशा की तरह सदन का समय खराब किया। आचार्य ने कहा कि मुख्यमंत्री के ठोस तथ्यों के सामने विपक्ष पूरी तरह क्लीन बोल्ड हो गया और बड़े-बड़े बोल बोलने वाले नेता खुद फंस गए।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने नेता प्रतिपक्ष के वक्तव्य को निरर्थक करार दिया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के भाषण में न तो कोई सकारात्मक दृष्टिकोण था और न ही विकासोन्मुख सोच दिखाई दी। बेढ़म ने कहा कि 40 मिनट के भाषण में नेता प्रतिपक्ष ने केवल राहुल गांधी का उल्लेख किया और नेहरू परिवार की चापलूसी करते रहे।

अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सदन में विपक्ष की बोलती बंद कर दी है। अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री ने वर्तमान सरकार के 2 वर्षों के कार्यकाल की तुलना पिछली सरकार के 5 वर्षों के कामकाज से करते हुए विस्तृत रिपोर्ट पेश की है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को आंकड़ों और तथ्यों के साथ बहस की खुली चुनौती दी और कहा कि अगर हिम्मत है तो बहस करिए, आज सच में मजा आ गया जब मुख्यमंत्री जी ने विपक्ष को जवाब दिया।

विधानसभा परिसर में मीडिया से रूबरू होते हुए विधायक गुरवीर सिंह बराड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने महज 2 वर्षों में जो विकास कार्य किए हैं, उससे कांग्रेस पूरी तरह बौखला गई है। उन्होंने कहा कि इसी का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री ने सदन में 143 बिंदुओं का विस्तृत दस्तावेज प्रस्तुत कर कांग्रेस के 5 साल बनाम भाजपा सरकार के 2 साल के कार्यों की तुलना रखी।

'2030 तक 125 गीगावाट नवीकरणीय सौर ऊर्जा की क्षमता का लक्ष्य'

- केंद्र सरकार की सोलर पार्क एवं अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना योजना के तहत राजस्थान में 10,726 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क स्वीकृत : मदन राठौड़

जयपुर। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि केंद्र सरकार राजस्थान को नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) के अनुसार राजस्थान में सौर ऊर्जा की अनुमानित क्षमता 828 गीगावाट है, जबकि राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान (एनआईडब्ल्यूई) के अनुसार राज्य में 150 मीटर ऊँचाई पर पवन ऊर्जा की अनुमानित क्षमता 284 गीगावाट है। यह आंकड़े साबित करते हैं कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा केंद्र बनने की क्षमता रखता है। राठौड़ के सवाल के जवाब में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाईक ने सदन को यह जानकारी दी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार की सोलर पार्क एवं अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना योजना के अंतर्गत राजस्थान में कुल 10,726 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें प्रमुख रूप से भादला, फलोदी-पोकरण, फतेहगढ़, नोख, पुगल बीकानेर एवं जैसलमेर क्षेत्र शामिल हैं। राज्यसभा सांसद राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत राजस्थान में अब तक 1,31,057 घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित हो चुके हैं। इससे आम जनता को बिजली बिल से राहत मिल रही है और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि रोजगार के विषय में पीएलआई योजना के तहत देशभर में अब तक लगभग 13,600 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं, जिनमें से 3,156 रोजगार जयपुर तथा 20 रोजगार बाड़मेर जिले में सृजित हुए हैं।

मदन राठौड़ द्वारा एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) के विस्तार को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने बताया कि केंद्र सरकार जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, खेल एवं कौशल विकास को सशक्त बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। दिसंबर 2025 तक देशभर में कुल 723 ईएमआरएस स्वीकृत किए जा चुके हैं।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर देशभर में 42 ईएमआरएस का उद्घाटन किया गया, जिनमें आंध्र प्रदेश में 2 और तेलंगाना में 4 विद्यालय शामिल हैं। इसके साथ ही 50 ईएमआरएस की आधारशिला रखी गई। राजस्थान में इस अवसर पर 3 ईएमआरएस का उद्घाटन किया गया। उन्होंने बताया कि ईएमआरएस में शिक्षा एवं खेल सुविधाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आधुनिक कक्षाएं, विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, खेल मैदान, खेल उपकरण, स्मार्ट क्लास, इंटरनेट सुविधा, संगीत व कला कक्ष, तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

विशेष दिव्यांगों को गति देने के लिए निशुल्क अंगदान शिविर आयोजित

शिविर में बी एम वी एस एस संस्था के विशेषज्ञों ने कृत्रिम अंगों को बनाने की पूरी विधि के बारे में जानकारी दी।

जयपुर। सेवा और करुणा की गहरी भावना के साथ, उत्तरी भारत की क्षेत्रीय ग्रैंड लॉज के तत्वावधान में प्रोजेक्ट डिग्निटी तथा फ्रीमेसन्स सोसायटी, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण अंगदान (लिम्ब डोनेशन) शिविर का आयोजन किया श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति में किया गया।

शिविर 3 फरवरी को प्रारंभ हुआ, जिसका उद्घाटन रीजनल ग्रैंड मास्टर राइट वर्शिपफुल ब्रदर पुनीत सोहल तथा जयपुर की तीनों लॉज के वर्तमान वर्शिपफुल मास्टर ब्रदर अमरदीप सिंह, ब्रदर समीर भार्गव और ब्रदर पुष्पेंद्र सिंह राष्ट्रवर ने दीप प्रज्वलन कर किया। मालवीय नगर, जयपुर में आयोजित इस शिविर में बी एम वी एस एस संस्था के विशेषज्ञों द्वारा कृत्रिम अंगों को बनाने की पूरी विधि को सदस्यों को लाइव दिखाया गया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नॉर्थ जोन के रीजनल ग्रैंड मास्टर राइट वर्शिपफुल ब्रदर पुनीत सोहल ने की, इस अवसर पर प्रोजेक्ट डिग्निटी के कॉर्डिनेटर ब्रदर सुनील मेहरा, वर्षिपफुल ब्रदर विनोद शर्मा तथा जयपुर एयरफोर्स स्टेशन कमांडर ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज तथा सीनियर मेडिकल ऑफिसर स्क्वाड्रन लीडर डॉ मनमोहन सिंह राठौर तथा जयपुर के तीस से अधिक फ्रीमेसन ब्रदर्स उपस्थिति थे।

चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी की रामगंज थाना पुलिस ने चोरी की एक वारदात का खुलासा करते हुए एक शातिर महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला के कब्जे से चोरी किए गए सोने और चांदी के कीमती जेवरात भी बरामद कर लिए हैं। फिलहाल आरोपी महिला से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि रामगंज थाना पुलिस ने चोरी की एक वारदात का खुलासा करते हुए एक शातिर महिला खुशनाज बानो उर्फ कोमन निवासी रामगंज को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 18 ग्राम सोने की आड़,3 जोड़ी चांदी की पायजेब (वजन 445 ग्राम)। थानाधिकारी सुभाष चंद्र यादव ने बताया कि परिवादिया लक्ष्मीराव निवासी घोसियों का रास्ता ने मामला दर्ज करवाया है कि जब वह बैंक गई हुई थी और उसका भाई दुकान पर था। तब पीछे से किसी ने खिड़की के रास्ते कमरे में प्रवेश किया और अलमारी में रखे जेवरात पार कर दिए। शाम को घर लौटने पर चोरी का पता चला। जिस पर पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस पर गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय मुखबिरों से जानकारी जुटाई।

सार-समाचार

'उम्रकैद भुगत रहे कैदी के बच्चों के भरण पोषण के लिए क्या किया'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पत्नी की हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहे नर्सिंग ऑफिसर के तीन नाबालिग बच्चों के भरण पोषण के लिए वित्तीय सहायता मुहैया नहीं कराने से जुड़े मामले में चिकित्सा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने पूछा है कि क्या अभियुक्त नर्सिंग ऑफिसर को निलंबित या बर्खास्त किया गया या नहीं? जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश नाबालिग बच्चों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत मालपुरा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के पिता फागी में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। इस दौरान 14 जनवरी, 2023 को उन्होंने याचिकाकर्ताओं की मां की हत्या कर दी थी। एडीजे कोर्ट ने हत्या के आरोप में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई और वे तब से जेल में बंद हैं। याचिका में कहा गया कि उनके पिता को न तो विभाग ने निलंबित किया और ना ही उन्हें सेवा से बर्खास्त किया गया। इस पर याचिकाकर्ताओं ने विभाग को नोटिस भेजकर पिता की सेवा की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी मांगते हुए भरण पोषण राशि दिलाने की गुहार की, लेकिन विभाग ने कोई जवाब नहीं दिया। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

सरपंच रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जयपुर ग्रामीण ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत बाजवास पंचायत समिति परबतसर जिला डीडवाना-कुचामन के प्रशासक (सरपंच) राजेन्द्र प्रसाद मोयल को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी मुख्यालय को परिवादी ने एक शिकायत दी थी की उसको ग्राम पंचायत बाजवास में वर्ष 2024-25 के दौरान सामग्री सप्लाई का टेंडर प्राप्त हुआ था। जिसकी अवधि 31 मार्च 2025 को समाप्त हो गई थी। सामग्री सप्लाई का भुगतान प्राप्त हो चुका था, परंतु उसकी धरोहर राशि दो लाख रुपये ग्राम पंचायत बाजवास में जमा थी। जिसे लौटाने के लिए वह लगातार सरपंच राजेन्द्र प्रसाद मोयल को प्रार्थना पत्र एवं रिमाइंडर देता रहा। किंतु राशि वापस नहीं की गई। परिवादी द्वारा राज सम्पर्क पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाने के पश्चात 27 जनवरी 2026 को उसे उसके कार्य की राशि प्राप्त हुई। इसके बावजूद भी सरपंच द्वारा कमीशन के रूप में एक लाख रुपये की अवैध रिश्वत की मांग रहा था। जिसके बाद एसीबी ने परिवादी की शिकायत का विधिवत सत्यापन कराया गया, जिसमें रिश्वत मांग की पुष्टि होने पर गुरुवार को सांचौर चौराहा थाना परबतसर जिला डीडवाना-कुचामन पर ट्रैप की कार्रवाई करते हुए एसीबी की जयपुर ग्रामीण टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील सियाग ने सरपंच राजेन्द्र प्रसाद मोयल को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया।

'पर्यावरण संरक्षण के प्रति मुख्यमंत्री का ऐतिहासिक निर्णय'

जयपुर। राजस्थान की जनभावनाओं, पर्यावरण संरक्षण तथा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत का सम्मान करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का हृदय से आभार। बजट सत्र में राज्यपाल अभिभाषण पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा खेजड़ी वृक्ष की अवैध कटाई पर कठोर दंड का प्रावधान करने तथा इसी सत्र में इस संबंध में कानून लाने की घोषणा, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी निर्णय है। यह कदम विकास और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करने की उनकी संवेदनशील सोच और मजबूत नेतृत्व का परिचायक है।हाल ही में राज्य के पूज्य साधु-संतों की अगुवाई में मुझे, अमृता देवी जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई, भाजपा उपाध्यक्ष बिहारी लाल बिश्नोई तथा फलोदी विधायक पब्बाराम राम बिश्नोई को मुख्यमंत्री से मिलकर खेजड़ी वृक्षों की कटाई की वर्तमान स्थिति से अवगत कराने का अवसर मिला। इससे पूर्व अगस्त 2025 में भी पश्चिमी राजस्थान के विश्नोई समाज के साधु-संतों के प्रतिनिधिमंडल ने इस विषय की गंभीरता मुख्यमंत्री के समक्ष रखी थी। विश्नोई समाज सदियों से प्रकृति संरक्षण का प्रतीक रहा है। माँ अमृता देवी और 363 विश्नोई बलिदानियों का इतिहास इस बात का साक्षी है कि खेजड़ी वृक्ष केवल एक पेड़ नहीं, बल्कि आस्था, पर्यावरण और जीवन का आधार है। खेजड़ी पश्चिमी राजस्थान की जीवनरेखा है-यह पशुधन का सहारा है, मरुस्थलीय पारिस्थितिकी की रक्षा करती है और हमारी सांस्कृतिक एवं धार्मिक पहचान का प्रतीक है।

काम कम, ब्रांडिंग ज्यादा; मुख्यमंत्री रील बनाने में व्यस्त : टीकाराम जूली

- अभिभाषण पर बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार की कार्यशैली, प्रशासनिक स्थिति और नीतियों को लेकर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार में ज़मीनी काम भले ही न हो, लेकिन ब्रांडिंग पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं
- नेता प्रतिपक्ष जूली ने विदेश नीति को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका प्रधानमंत्री पर टिप्पणी कर रहा है

जयपुर। राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार की कार्यशैली, प्रशासनिक स्थिति और नीतियों को लेकर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार में ज़मीनी काम भले ही न हो, लेकिन ब्रांडिंग पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

जूली ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रील बनाने में व्यस्त हैं और केवल ब्रांडिंग के लिए आठ करोड़ रुपये का ठेका दे रखा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार ने कई यूट्यूब चैनल बना रखे हैं, जिन पर सौ लोग भी दर्शक नहीं होते।

जूली ने प्रशासनिक हालात पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव के जाने के बाद यह चर्चा होने लगी कि अब अगला नंबर किसका है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि हमें लगा कहीं मुख्यमंत्री ही न बदल जाएं, हालांकि हम चाहते हैं कि यही मुख्यमंत्री पूरे पांच साल पूरे करें।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के भीतर समन्वय का अभाव है। विधायक कह रहे हैं कि मंत्री नहीं सुनते, मंत्री कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री नहीं सुन रहे और मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि उनकी कोई नहीं सुन रहा। इस बयान पर संसदीय कार्य मंत्री ने आपत्ति जताई, जिससे सदन में कुछ देर नोकझोंक भी हुई।

जूली ने कहा कि सरकार के मंत्रियों के कारण कई जगह विधायकों को गांवों में जाने तक में दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायकों पर दादागिरी के मामले सामने आ रहे हैं, कहीं जनप्रतिनिधियों को धरने की धमकी देनी पड़ रही है, तो कहीं अधिकारियों द्वारा नए और गरीब जनप्रतिनिधियों का मजाक उड़ाया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने विदेश नीति को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका प्रधानमंत्री पर टिप्पणी कर रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यह कैसी विदेश नीति है।

जूली ने अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाए जाने का भी जिक्र किया और कहा कि जो टैरिफ पहले शून्य था, वह अब 18 प्रतिशत कर दिया गया है।

जूली ने आरएसएस और वंदे मातरम को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई के समय आरएसएस ने वंदे मातरम और तिरंगे को नहीं अपनाया था। उन्होंने सदन में मौजूद भाजपा विधायकों से सवाल किया कि वंदे मातरम का कौन सा हिस्सा विवादित बताया गया था, लेकिन इस पर कोई विधायक खड़ा नहीं हुआ।

इसके साथ ही जूली ने राइजिंग राजस्थान में हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार इन समझौतों पर उठ रहे सवालों का जवाब नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मालिक नहीं, बल्कि जनता के ट्रस्टी हैं, इसलिए सवालों के जवाब देना सरकार की जिम्मेदारी है।

जूली ने जेल में सुरंग और जनसुनवाई के दौरान सामने आए जमीन सौदों के मामलों का हवाला देते हुए कहा कि सरकार दूसरों पर सवाल उठाने से पहले अपने घर में झांके।

मामले की जांच में इतना समय लगेगा तो कैसे रुकेगा भ्रष्टाचार : हाईकोर्ट

- घोटालों की जांच नहीं करने से जुड़े मामले में आदेश की पालना में एसीबी के डीआईजी व मामले में गठित की गई एसआईटी के मुखिया आनंद शर्मा अदालत में पेश हुए अदालत ने उन्हें कहा कि एसीबी जांच में इतना समय लगाएगी तो भ्रष्टाचार कैसे रुकेगा

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में हुए करोड़ों रुपए के घोटालों की जांच नहीं करने से जुड़े मामले में अदालती आदेश की पालना में एसीबी के डीआईजी व मामले में गठित की गई एसआईटी के मुखिया आनंद शर्मा अदालत में पेश हुए। अदालत ने उन्हें कहा कि एसीबी जांच में इतना समय लगाएगी तो भ्रष्टाचार कैसे रुकेगा। अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि एक प्रतिशत भ्रष्टाचार पर भी कोई अंकुश नहीं लग पा रहा है, जो एक चिंतनीय विषय है। अदालत ने एसीबी को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ता की दी गई शिकायतों पर तुरंत प्रारंभिक जांच कर रिपोर्ट दर्ज करें। इसके साथ ही डीआईजी से दो सप्ताह में जांच पूरी कर 23 फरवरी तक प्रगति रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जस्टिस अशोक कुमार जैन ने यह आदेश टीएन शर्मा की याचिका पर दिए।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता पीसी भंडारी ने कहा कि अदालत ने 6 सितंबर 2024 को टेंडरों की जांच के आदेश दिए थे। उसके बाद परिवादी ने 27 मामलों में भ्रष्टाचार को लेकर संबंधित दस्तावेज एसीबी में पेश किए। इसके बावजूद भी एसीबी ने इनमें कोई जांच नहीं की। जबकि वह लगातार पूरे तथ्यों के साथ एसीबी में मामले पेश करता रहा है। इनमें से केवल एक मामले में एसीबी ने 27 अक्टूबर 2025 को एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में भी चार महीने बाद भी एसीबी ने शिकायतकर्ता के बयान तक दर्ज नहीं किए हैं। वहीं एसीबी ने मामलों की जांच के लिए अदालत से समय मांगा। इस पर अदालत ने एसआईटी के मुखिया को दो सप्ताह में जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

'राजस्थान में खेजड़ी काटने पर रोक नहीं लगेगी, तब तक अनशन जारी रहेगा'

अनशनकारियों ने पूरे राजस्थान में खेजड़ी की कटाई पर रोक लगाने की मांग की

- 'खेजड़ी बचाओ' आंदोलन के चौथे दिन मंत्री केके विश्नोई ने अनशन पर बैठे लोगों को जूस पिलाकर अनशन तुड़वा दिया था
- वहीं जोधपुर और बीकानेर संभाग में खेजड़ी की कटाई पर रोक लगाने का ऑर्डर सुनते ही लोग भड़के
- अनशनकारियों का कहना है कि जब तक पूरे राजस्थान में खेजड़ी काटने पर रोक नहीं लगेगी तब तक अनशन जारी रहेगा

बीकानेर, (निसं)। यहा 'खेजड़ी बचाओ' आंदोलन दो फरवरी से चल रहा है। अनशन पर बैठे कई लोगों की तबीयत बिगड़ चुकी है। बीकानेर में चल रहे 'खेजड़ी बचाओ' आंदोलन के चौथे दिन मंत्री केके विश्नोई ने अनशन पर बैठे लोगों को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया तो वहीं सिर्फ जोधपुर और बीकानेर संभाग में खेजड़ी की कटाई पर रोक लगाने का ऑर्डर सुनते ही लोग भड़क गए। कुछ देर बाद लोग फिर अनशन पर बैठ गए और कहा कि जब तक पूरे राजस्थान में खेजड़ी काटने पर रोक नहीं लगेगी तब तक अनशन जारी रहेगा।

आंदोलन की अगुवाई कर रहे परसराम विश्नोई ने बताया कि अनशन खत्म नहीं हुआ है। संतों का कहना था कि भक्तों की भावना थी कि पूरे राजस्थान में रोक लगनी चाहिए। जो ऑर्डर आया वो अधूरा ही था। उन्होंने बताया कि आमरण अनशन चल रहा है। इससे पहले कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता मंत्री केके विश्नोई और राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत विश्नोई गुरुवार सुबह करीब 11 बजे अनशन स्थल (विश्नोई धर्मशाला) पर पहुंचे। मंच पर संबोधन के दौरान मंत्री के हाथ से माइक ले लिया। मंत्री केके विश्नोई ने कहा कि आप अनशन तोड़ दीजिए, हम लिखकर दे देंगे। मंच पर मौजूद संतों ने बिना लिखित आश्वासन के अनशन से उठने से इनकार कर दिया। जब केके विश्नोई मंच पर अपनी बात रख रहे थे, तभी संत सरजूदास बीच में खड़े हो गए। उन्होंने कहा कि इधर-उधर की बात न करें। सीधा बताएं लिखित में देंगे या नहीं। यदि लिखित में नहीं देंगे तो हम अनशन पर बैठे हैं। केके विश्नोई ने कहा कि सरकार लिखित में देने को तैयार है। आप अनशन तोड़ दीजिए। फलोदी विधायक पब्बाराम विश्नोई ने अनशन तोड़ने की अपील की। इस दौरान उनका विरोध शुरू हो गया। आंदोलनकारियों ने हंगामा करते हुए कहा कि आश्वासन लिखित में दिया जाए। इस पर पब्बाराम विश्नोई ने कहा कि यदि किसी की जान को नुकसान हुआ, तो आपका, हमारा और सभी का मुंह खराब होगा। इस बयान से लोग और भड़क गए। वे नाराज हो गए और पब्बाराम को बैठ जाने के लिए कह दिया। वहीं बुधवार देर रात चार अनशनकारियों को अस्थायी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। गुरुवार दोपहर में पर्यावरण जीव रक्षा समिति के अध्यक्ष मुखराम धरणीया की हालत बिगड़ गई। उन्हें पीबीएम हॉस्पिटल रेफर किया गया।

खेजड़ी काटने पर रोक की बात को लेकर अनशन स्थल पर विवाद का माहौल बन गया। सरकार की ओर से केवल बीकानेर और जोधपुर संभाग में खेजड़ी कटाई पर प्रतिबंध की बात की जा रही है, जबकि अनशनकारियों का कहना है कि यह प्रतिबंध पूरे राजस्थान में लागू होना चाहिए। बीकानेर में चल रहे खेजड़ी बचाओ आंदोलन के समर्थन में बाड़मेर में युवाओं ने प्रदर्शन किया। पेड़ों की रक्षा कौन करेगा, हम करेंगे-हम करेंगे के नारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट के गेट पर चढ़ गए।

पर्यावरण प्रेमी भजनलाल विश्नोई ने कहा कि बीकानेर में मंत्री पहुंचे हैं। यदि वहां लिखित सहमति नहीं बनती है, तो हम जिला मुख्यालय पर धरना देंगे। इसी सत्र में खेजड़ी बचाओ कानून आना चाहिए और जुर्माना 1 लाख रुपए का लगाया जाए। यदि महापड़ाव पर शाम चार बजे निर्णय हो जाता है और आंदोलन समाप्त हो जाता है, तो हम ज्ञापन देकर यहां से चले जाएंगे। अन्यथा बाड़मेर जिला मुख्यालय और उपखंड स्तर पर धरना दिया जाएगा।

बीकानेर में आंदोलनकारियों को संबोधित करते हुए भाजपा उपाध्यक्ष बिहारीलाल बिश्नोई ने कहा कि विपक्षी पार्टी यह भ्रांति फैला रही है कि भाजपा सरकार ने सजा समाप्त कर दी है। हकीकत यह है कि भाजपा सरकार ने केवल गड़रियों (भेड़-बकरी चराने वाले) को जेल जाने से बचाया है। पहले खेजड़ी काटने पर कोई सजा थी ही नहीं, तो उसे खत्म कैसे किया जा सकता है। जोधपुर की रहने वाली एडवोकेट शारदा विश्नोई ने कहा कि मां अमृता देवी ने खेजड़ी के लिए बलिदान दिया था। हम यहां कोई ढोंग करने नहीं आए हैं। जैसे हम घर पर रहते हैं, वैसे ही पूरे परिधान और आभूषण पहनकर यहां आए हैं। मांगों को लिए सरकार लिखित में देगी तो ही अनशन समाप्त होगा। उन्होंने गुप्त वार्ता करने से इनकार कर दिया। बीकानेर के विश्नोई धर्मशाला में चल रहे अनशन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुई हैं। राजस्थान समेत हरियाणा, पंजाब, गुजरात, मध्य प्रदेश से पर्यावरण प्रेमी खेजड़ी बचाने के समर्थन में पहुंचे हैं।

सीएमएचओ पुखराज साध ने बताया कि बिश्नोई धर्मशाला में बने अस्थायी हॉस्पिटल में 18 अनशनकारी भर्ती हैं। पीबीएम हॉस्पिटल में 4 अनशनकारी भर्ती किए गए थे, जिनमें से दो को छुट्टी दे दी गई है। सूत्रों के अनुसार, इस पूरे मामले पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शाम तक कोई घोषणा कर सकते हैं। फिलहाल दिनभर बीकानेर आए मंत्रियों से फीडबैक लिया जाएगा, जिसके बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी।

36 लाख का डोडा-पोस्त बरामद

रतनगढ़, (निसं)। मेगा हाइवे पर गुरुवार अलसुबह गश्त के दौरान पुलिस ने एक कार से दो क्विंटल 41 किलो डोडा-पोस्त जब्त कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 36 लाख रुपये आंकी गई है।

सीआई गौरव खिड़िया ने बताया कि प्रशिक्षु डीवाईएसपी स्वाति व सब इंस्पेक्टर रतनलाल मय जाब्ता मालासर टोल के पास गश्त कर रहे थे। इसी दौरान शहर की ओर से आ रही एक कार चालक ने पुलिस को देखकर वाहन घुमा लिया। संदेह होने पर पुलिस ने पीछा किया। करीब 25 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद चालक कार को घुमान्दा रोड स्थित आदर्श विद्या मंदिर के पास छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो उसमें 14 कट्टों में डोडा-पोस्त मिला। साथ ही कार से पांच अलग-अलग नंबर प्लेटें भी बरामद हुई। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है।

पांच वर्षीय बालिका की संदिग्ध मौत : कोटा के रानपुर थाना इलाके में एक 5 वर्षीय मासूम बालिका की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। प्रथम दृष्टया से बीमारी के चलते बालिका की मौत होना माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार देवनारायण योजना निवासी 5 वर्षीय कृष्णा की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई, मामले में मृतका की मां ने बच्ची की मौत को लेकर आशंका जताई है। रानपुर थानाधिकारी भीमसिंह ने बताया कि देवनारायण योजना निवासी कृष्णा (5) की बीमारी के चलते उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बच्ची की उपचार के दौरान मौत हो गई।

मादक पदार्थ सप्लायर गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। फलोदी पुलिस ने मादक पदार्थ एमडीएमए के एक सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले तीन साल से फरार चल रहा था और उस पर दस हजार रुपए का इनाम घोषित था।

पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने बताया कि कार्रवाई लोहावट थाना प्रभारी हरिसिंह और उनकी टीम ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रजराज सिंह चारण और सीओ लोहावट नगेन्द्र कुमार के सुपरविजन में की है। प्रकरण के अनुसार दिसंबर 2022 में लोहावट के जम्भेश्वर नगर में आरोपी मनीष शेखाणी के घर से एक स्कॉर्पियो गाड़ी में 3 किलो 200 ग्राम अवैध एमडीएमए बरामद किया गया था। उस समय मनीष शेखाणी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। मनीष शेखाणी ने पूछताछ में खुलासा किया था कि उसने ये एमडीएमए अशोक कुमार से खरीदा था। जब्त किए गए अवैध एमडीएमए की बाजार कीमत 3 करोड़ 20 लाख रुपए आंकी गई थी। थानाधिकारी हरिसिंह और उनकी टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी खारा, पुलिस थाना रामसर हाल लक्ष्मीनगर, खादी भंडार के पास बाड़मेर निवासी अशोक कुमार पुत्र चनणाराम विश्नोई को गिरफ्तार किया। आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है और उससे आगे की पूछताछ जारी है।

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्
भू- तल, ब्लॉक-6, डॉ.एस. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर,
फोन नं: 0141-2700459, E-Mail:- RAJSMSA.CIVIL@RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांक :- F-5(1)(294)RCSCE/Civil /SMSA/NIT 16 2025-26 /Vol-13/2025/D - 6938 दिनांक :- 02/02/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 16 (सिविल)/2025-26
(राजकीय विद्यालय/केजीबीवी/हॉस्टल के निर्माण कार्यों हेतु)

राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय / अर्द्धशासकीय / स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों से समग्र शिक्षा वार्षिक कार्य योजना एवं बजट वर्ष 2024-25, 2025-26, DAJGUA 2024-25, DAJGUA 2025-26, STARS PROJECT 2023-24 राज्य मद 2024-25, 2025-26 एवं नाबार्ड आर.आई.डी.एफ. XXIX, इत्यादि योजनान्तर्गत स्वीकृत 26 राजकीय विद्यालय / केजीबीवी / हॉस्टल के निर्माण कार्यों हेतु राशि रू. 7328.75 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 220.59 लाख से 413.73 लाख के मध्य) बाबत् कार्यवार ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदाऐं 05/02/2026 प्रातः 10.00 बजे से 24/02/2026 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

- निविदा से सम्बधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट **http://rajsmsa.nic.in, http://sppp.rajasthan.gov.in** एवं **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।
- निविदा से सम्बन्धित प्रक्रिया जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा कार्यालय सम्बन्धित जिला के स्तर से की जावेगी ।

UBN No. : RSE2526WSOB06651
राज.संवाद/सी/25/19225
राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा एवं आयुक्त, स्कूल शिक्षा

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण
भूतल पर्यटन भवन, संजय मार्ग (विधायकपुरी थाने के सामने) खासा कोठी, जयपुर-302001
Tel:-0141-2615648/40 Email: rhppa.jaipur@gmail.com *Website: https://artandculture.rajasthan.gov.in/rha

ई-निविदा सूचना संख्या 32/2025-26

निम्नलिखित कार्यों के लिए केन्द्र / राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों द्वारा पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Construction of Raja Khemkaran Panorama Dist. Bharatpur (Raj.) UBN is: HPP2526WSOB00043	285.47 Lakh	15 Months
2	Construction of Tejaji Maharaj Panorama, Sursura Dist. Ajmer (Raj.) UBN is: HPP2526WSOB00044	282.63 Lakh	15 Months
3	Construction of Hadbuji Sankhla Panorama Bhundel, Khinwsar, Nagaur (Raj.) UBN : HPP2526WSOB00045	280.51 Lakh	15 Months
4	Construction of Raiwasa Dham Dist. Sikar (Raj.) UBN is: HPP2526WSOB00046	279.13 Lakh	15 Months

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट **http://eproc.rajasthan.gov.in** एवं **http://sppp.raj.nic.in** पर देखा जा सकता है। इच्छुक निविदादाताओं को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

राज.संवाद/सी/25/19226
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

आवारा श्वान ने बालक पर हमला किया

कोटा, (निसं)। आवारा कुत्तों ने एक तीन वर्षीय मासूम बालक पर हमला कर बच्चे को दो तीन जगह काट लिया। घटना विज्ञान नगर इलाके के सेक्टर एक की है, घटना उस समय हुई जब बालक अपने दादा के साथ घूम रहा था। देवेंद्र गंगवाल अपने 3 वर्षीय पोते विश्रत जैन को इलाके में स्थित मुकेश पार्क में घुमाने गए थे और वापस लौटते समय गली में 3-4 आवारा कुत्ते बालक पर झपट पड़े।

टोंक को पानी व ट्रेन के लिये सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

- बीसलपुर बांध के ओवरफ्लो पानी को टोरड़ी सागर बांध एवं घारेड़ा सागर में डलवाने सहित कई मांगें रखी

टोंक, (निसं)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर बीसलपुर बांध के ओवरफ्लो पानी को टोरड़ी सागर बांध एवं घारेड़ा सागर में डलवाने की मांग के साथ ही नहरों का विस्तार करने एवं टोंक को रेल से जोड़ने आदि की मांग की है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट

पत्र में पायलट ने बताया कि बीसलपुर बांध के ओवरफ्लो के व्यर्थ बहने वाले पानी को नहर का निर्माण करवाकर उसके माध्यम से टोरड़ी सागर बांध एवं घारेड़ा सागर में डलवाया जाए, जिससे इस नहर के निर्माण से क्षेत्र की उपजाऊ जमीन की सिंचाई के लिए किसानों को पानी उपलब्ध हो सकेगा। जिले के किसानों की यह लम्बे समय से प्रमुख मांग रही है, पायलट ने टोंक में नहरों का विस्तार करने की मांग भी की है। साथ ही पायलट ने सरकार से मांग की है कि टोंक को रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए पूर्व में स्वीकृत रेल लाइन परियोजना के कार्य में गति लाकर इसे शीघ्र पूर्ण करवाया जाये। शहर के व्यवस्थित, आधुनिक एवं सुनियोजित विकास को सुनिश्चित करने के लिए टोंक में नगर विकास न्यास की स्थापना की जाए, युवाओं को कृषि की उन्नत शिक्षा के लिए राजकीय कृषि महाविद्यालय खोला जाए। पायलट ने राज्य सरकार को भेजे गये बजट प्रस्तावों में मिसिंग लिंक एवं नोन पेचेबल सड़क विकास कार्यों, विभिन्न राजकीय विद्यालयों को क्रमोन्नत करवाने सहित नवीन संकाय व अतिरिक्त विषय प्रारम्भ करवाने, राजकीय स्वास्थ्य केन्द्रों को क्रमोन्नत करवाने व नवीन स्वास्थ्य केन्द्र खुलवाने तथा टोंक स्थित एनिकट्स के मरम्मत व सुदृढ़ीकरण कार्यों के प्रस्ताव भिजवाकर आगामी बजट में शामिल किए जाने की मांग की है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEEER P.H.E.D CITY DIV. IV (NORTH) JAIPUR
Email:eenorth4.jai.phed@rajasthan.gov.in, Telephone No-0141-2988545
No.: E.E./CD4(N)/2025-26/ Dated:

Notice Inviting Bid

Bids for work of Improvement of Existing Water Supply System of Ram Nagar Zone, Jhotwara through Ram Nagar OHSR under the Jurisdiction of City Division-IV (North), Vidhyadhar Nagar, Jaipur NIT No 50/2025-26 is invited from interested bidders up to 06:00 PM 05.02.2026 Other particulars of the bid may be visited on the www.sppp.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in of the state website.
UBN Code: PHE 2526WSOB11846
Executive Engineer, PHED City Div.IV (North) Vidhyadhar Nagar Jaipur
DIPR/C/1897/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION BARI
Email :- eebadi.dho.phed@rajasthan.gov.in, ee_phedbari@yahoo.com

NOTICE INVITING BID No. 44/2025-26

Online bids for NIT No. 44/2024-25 works costing 60.00 Lacs is invited on behalf of The Governor of Rajasthan from eligible enlisted in appropriate class contractors of PHED, Rajasthan and meeting eligibility criteria. Details of Bid notification and pre-qualification criteria can be seen on web site http://sppp.raj.nic.in and https://eproc.rajasthan.gov.in. Bids are to be submitted online in electronic format on web site https://eproc.rajasthan.gov.in from 28.01.2026 to 06.02.2026 at 06:00 PM and bids are to be opened at 03:00 PM on 07.02.2026 in presence of willing bidders/there authorize representative.
NIB: PHE2526A5664
UBN: PHE2526WSOB11831
DIPR/C/1828/2026
(Deshraj Singh Gurjar) Executive Engineer PHED Division Bari

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत
Azadi Ka Amrit Mahotsav
क्रमांक:- 3210-23 दिनांक :- 22.01.2026

Notice Inviting Bid: 79/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 10.02.2026 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http:/eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 102.76 lacs.

NIT No.	80
UBN No.	PHE2526WSOB12438

(धर्मेन्द्र कुमावत) अधिशाषी अभियंता
DIPR/C/2173/2026 जल सीमित है, इसकी बचत करें। जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, W.R. PROJECT CIRCLE JHALAWAR
क्रमांक: F- /SEWR/Circle/NIT-1/2025-26/8048 दि :- 23/01/2026

E-NIT No.- 05/2025-26

Bids for works 1- Construction of Primary School with Interlocking front road at R&R colony Chhatrapura under Parwan Major Multipurpose Irrigation Project Tehsil Atru Dist. Baran. " (Rs. 138.47 Lac) and 2- Construction of Temple, Tree plateform, Entrance Gate and Indication Arrow at R&R colony Chhatrapura under Parwan Major Irrigation Project, tehsil- Atru, Distt. Baran. (Rs. 30.22 Lac) are invited from interested bidders (registered in appropriate class) from 28.01.2026 (9:30 AM) to 12.02.2026 till 18:00 Hr. other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.nic.in, dipronline.rajasthan.gov.in and www.water.rajasthan.gov.in.
NIB No.: WRD2526A0673
UBN NO. Item No.-01: WRD2526WSOB02370
UBN NO. Item No.-02: WRD2526WSOB02371
DIPR/C/1858/2026
(Ajeet Kumar Jain) Superintending Engineer, W. R. Project Circle Jhalawar

MBM UNIVERSITY, JODHPUR
(Central Store)
No. : MBMU/OIC/2025-26/1418 Date :- 02/02/2026

NOTICE INVITING BID

Bids are invited from interested eligible and experienced vendors/suppliers for the supply/provision of the following items/services at MBM University, Jodhpur. All other particulars of the bid may be visited on the portal **sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in and www.mbm.ac.in.**

1. Bids vide UBN No: MBM2526WSOB00095 Tender No.69/2025-26 for "Tender for Turnkey Execution of CCTV Cameras, facility in classrooms, laboratory rooms and campus Works for University Campus" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹220.00 Lakh. rupees and last date of bid submission 21.02.2026, 12:00 Noon.
2. Bids vide UBN No: MBM2526WSOB00094 Tender No.68/2025-26 for "E-Tender for Furniture works of Auditorium and other" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹106.00 Lakhs and last date of bid submission 21.02.2026 12:00 Noon.

Raj.Samwad/C/25/19220
OIC-Central Store

OFFICE OF THE DIRECTOR RAJASTHAN STATE ARCHIVES, BIKANER
S.No.:-bik/dir/arch/Store/E-NIB-02/2025-26/3083 Date:-27-01-2026

e-Notice Inviting Bid No. 02/2025-26

On behalf of the Hon'ble Governor of Rajasthan, Bids of Procurement Conservation and Preservation of The Original archival documents Records (Using Tissue Lamination method) Mending of 1,00,000 sheets Tissue Mending method. (A0/A1/A2/A3/A4/Legal/ Miscellaneous size) of this office is online invited from interested bidders upto 06:00 PM on 17.02.2026. Online Bid Opening date is 17.02.2026 at 3:30 PM. Estimated Cost of Bid is RS. 1.00 Crore (One Crore only). For other particulars of the bid, bidder may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in of the state. UBN No. of Bid is mentioned below:-
UBN NO: ARC2526SLOB00004
-sd- Director Rajasthan State Archives Bikaner
DIPR/C/1942/2026

गर्भ में शिशु की मौत, गर्भवती ने भी दम तोड़ा

छबड़ा, (निसं)। पाली थाना क्षेत्र के जाला गांव निवासी एक गर्भवती के गर्भ में शिशु की मौत हो गई, साथ ही इसका इंफेक्शन शरीर मे फैलने से गर्भवती ने भी दम तोड़ दिया। पाली पुलिस ने मृग दर्ज कर जाँच प्रारंभ कर दी है।

पाली थानाधिकारी अजीतसिंह के अनुसार जाला निवासी कैलाशी बाई (30) पत्नी भगवानसिंह बंजारा को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन छबड़ा चिकित्सालय लेकर आएं, यहां जांच की तो पता चला कि गर्भ में शिशु की मृत्यु हो गई। साथ ही कुछ देर बाद इन्फेक्शन शरीर मे फैलने के कारण गर्भवती महिला की भी मौत हो गई। बताया जा रहा है कैलाशी बाई की यह दूसरी डिलीवरी थी।

उल्लेखनीय है दुनिया देखने से पूर्व ही शिशु और मां ने एक साथ दुनिया को अलविदा कह दिया। इस घटना से गांव में मातम पसर गया। हर कोई इस घटना से स्तब्ध था। परिजनों का भी रो-रोकर बुरा हाल है।

सड़क निर्माण में बाधा डालने पर पांच जने गिरफ्तार

- पुलिस व प्रशासन के वाहनों पर पथराव करने का है आरोप
- जाम्बा पुलिस थाना में दर्ज प्रकरण के आधार पर की गई कार्रवाई

जोधपुर, (कासं)। पुलिस ने धोलासर गांव में सड़क निर्माण के दौरान राजकार्य में बाधा डालने और पुलिस व प्रशासन के वाहनों पर पथराव करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। ये कार्रवाई जाम्बा पुलिस थाना में दर्ज प्रकरण के आधार पर की गई है।

गिरफ्तार किए गए आरोपी धोलासर निवासी मोहम्मद रफीक, नेक मोहम्मद, इस्माइल खां, अब्दुल रहीम खां और मोहम्मद शरीफ है। इन सभी पर सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप है। ये घटना तीन फरवरी को सरहद धोलासर क्षेत्र में हुई थी। ननेउ से धोलासर जाने वाली सरकारी सड़क के निर्माण और डामरीकरण का कार्य तहसीलदार/कार्यपालक मजिस्ट्रेट लोहावट और पुलिस बल की मौजूदगी में आरएसआरडीसी कंपनी द्वारा शुरू किया गया था। काम शुरू होने के कुछ देर बाद, गांव के आसपास के कुछ लोगों ने राजकार्य को रोकते हुए बाधा उत्पन्न की। मौके पर मौजूद प्रशासन और पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया और वैधानिक प्रक्रिया की जानकारी दी, लेकिन आरोपियों ने बात नहीं मानी। आरोपियों ने पुलिस और प्रशासन के साथ धक्का-मुक्की और पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस दौरान सरकारी वाहनों और सड़क निर्माण में लगी मशीनों के शीशे टूट गए। मशीन ऑपरेटरों और पुलिसकर्मियों को भी चोटें आईं। घटना की गंभीरता को देखते हुए, वृताधिकारी फलोदी अचल सिंह देवड़ा के निर्देशन में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

उदयपुर से अजमेर जा रही ट्रेन पर कांच की बोतल फैंकी, युवती घायल

- कांच की बोतल जनरल डिब्बे में बैठी युवती को लगी, एमबी अस्पताल में भर्ती कराया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर से अजमेर जा रही उदयपुर-अजमेर एक्सप्रेस ट्रेन पर गुरूवार सुबह देबारी के समीप अज्ञात द्वारा फैंकी गई कांच की बोतल लगने से सामान्य कोच में खिड़की के पास बैठी महिला घायल हो गई। बोतल से महिला के नाक, मुंह व सिर पर गंभीर चोंटें आई हैं। घटना के बाद युवती जैसे ही जोर से चिल्लाई तो ट्रेन में अफरा-तफरी मच गई और ट्रेन को रोका गया।

घटना गुरुवार सुबह देबारी के मेघवालों की घाटी गांव के पास की है। घायल युवती को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार किया गया। युवती अपनी बहन के साथ सफर कर रही थी। रेलवे पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हमलावर की पहचान करने और हमले के मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

थानाधिकारी गोवर्धन सिंह ने बताया कि घायल शिफा (25) को उदयपुर के एमबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शिफा अपनी बहन के साथ जनरल डिब्बे में उदयपुर से फतहनगर जा रही थी। राणा प्रताप नगर स्टेशन से 11.34 बजे ट्रेन रवाना हुई, करीब 11.47 पर यह घटना हुई। घायल युवती के बताए गए स्थान के अनुसार पुलिस ने घटनास्थल से करीब 4 से 5 किलोमीटर के क्षेत्र को चिह्नित किया है।

प्रत्यक्षदर्शी एडवोकेट मधु गर्ग ने बताया कि मैं उदयपुर से कपासन में कोर्ट के काम से जा रही थी। मेघवालों की घाटी बस्ती के पास अचानक एक युवती के चिल्लाने की आवाज आई। हम लोग कुछ दूरी पर थे, भागकर युवती तक पहुंचे। युवती की नाक के पास गंभीर चोट लगी थी, खून बह रहा था। ट्रेन की चैन मैंने खींची। इसके बाद लोगों ने देखा भी मगर दूर तक कोई नजर नहीं आया। करीब एक किलोमीटर आगे देबारी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन को रोककर युवती को स्ट्रेचर पर उतारा गया। 15 मिनट बाद एंबुलेंस आई, जिसके बाद ट्रेन रवाना हुई। संभवतया किसी ने बोतल फेंकी होगी, क्योंकि युवती के बैठने की जगह पर वहां कुछ कांच के टुकड़े मिले हैं। रेलवे पुलिस ने भी मौके पर चेकिंग की।

कार्यालय उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभ्यारण्य, धौलपुर
महिला पुलिस थाने के पास हाउसिंग बोर्ड, पुरानी छावनी, धौलपुर पिन कोड़ 328001 Email ID:-dcfwl.ncs.forest@rajasthan.gov.in
क्रमांक: एफ ()/ उवसं / वजीधौ. / राचघअ./2025-26/87 दिनांक:- 29/01/2026

Notice Inviting Tender
Tenders are invited from eligible contractor/firm/for Various works for Range Office

क्र. सं.	सूचना संख्या मय दिनांक	कार्य का नाम	Start Date	निविदा (बोली) डाउनलोड एवं अपलोड़ करने की अन्तिम समय एवं दिनांक	UBN NO	अनुमानित लागत रूपये में	निविदा संख्या
1.	RajKaj Ref No.: 20172527 Date 21.01.2026	Improvement Of Basic Facilities Maintenance of Choki/naka/range office/watch tower etc. of range Chambal Dholpur District- Dholpur	28.01.2026	12:00 PM, 07.02.2026	FOR2526 WSOB051 11	32,00,000	81/2025-26
2.	RajKaj Ref No.: 20172628 Date 21.01.2026	Improvement Of Basic Facilities &amp Maintenance of Choki/naka/range office/watch tower etc. of range Vanvihar Dholpur District- Dholpur	28.01.2026	12:00 PM, 07.02.2026	FOR2526 WSOB051 14	43,00,000	82/2025-26
3.	RajKaj Ref No.: 20172981 Date 28.01.2026	राजकीय विद्यालयों में बच्चों के बैठने हेतु Supply and installation of modular plastic Class Room Table (Dual Desk) with Attached Chair क्रय हेतु	28.01.2026	12:00 PM, 07.02.2026	FOR2526 GLOB051 16	24,00,000	69/2025-26
4.	7152332 date 27.01.2026	Solar Photovoltaic Water Pumping Systems (V2) as per MNRE Specification	27.01.2026	11:00 AM, 06.02.2026	Solarpurc hase	77,00,000	84/2025-26
5.	RajKaj Ref No.: 20102610 Date 28.01.2026	Improvement Of Basic Facility &amp Maintenance of Choki &amp naka Bhampura of range Saramthura Dholpur District- Dholpur	29.01.2026	12:00 PM, 09.02.2026	FOR2526 WSOB051 33	5,75,000	78/2025-26
6.	RajKaj Ref No.: 20180638 Date 28.01.2026	Improvement of basic facilities & Maintenance of Choki jhiri ncs & sone ka gurja of range Chambal sevar District- Dholpur	29.01.2026	12:00 PM, 09.02.2026	FOR2526 WSOB051 34	11,75,000	79/2025-26
7.	RajKaj Ref No.: 20172875 Date 28.01.2026	whs construction work	28.01.2026	12:00 PM, 07.02.2026	FOR2526 WSOB051 21	2,69,000	80/2025-26

Tender Can be seen and downloaded at the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in, https://gem.gov.in of the state.
(डा. आशीष व्यास) उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल धडियाल अभ्यारण्य धौलपुर
DIPR/C/2078/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड भीनमाल जिला जालोर
क्रमांक अ.अ./भी./जलपरिवहन / निविदा/2025-26/2468-80 दिनांक: 27.01.2026

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 21-30/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड भीनमाल में निम्नलिखित कार्यों के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत जो उपयुक्त पात्रता रखते हैं, संवेदको से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है। निविदा का विस्तृत विवरण एवं पात्रता की शर्ते वेबसाईट www.dipronline.org, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा ऑनलाईन इलेक्ट्रोनिक फॉरमेट http://eproc.rajasthan.gov.in में प्रस्तुत की जानी है।

क्र. सं.	विवरण	अनु. लागत (लाखों में)	धरोहर राशी 2%	निविदा शुल्क	प्रोसेसिंग शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि	SPPP UBN No.
21/2025-26	खण्ड भीनमाल के अन्तर्गत उपखण्ड रानीवाडा में समस्याग्रस्त गाँवों के लिए जल परिवहन का कार्य।	41.90	83800/-	1000/-	1000/-	वार्षिक	PHE2526WSRC12003
22/2025-26	खण्ड भीनमाल के अन्तर्गत उपखण्ड जसवंतपुरा में समस्याग्रस्त गाँवों के लिए जल परिवहन का कार्य।	33.40	66800/-	1000/-	1000/-	वार्षिक	PHE2526WSRC12004
23/2025-26	खण्ड भीनमाल के अन्तर्गत उपखण्ड भीनमाल ग्रामीण में समस्याग्रस्त गाँवों के लिए जल परिवहन का कार्य।	52.50	105000/-	1000/-	1000/-	वार्षिक	PHE2526WSRC12006
24/2025-26	खण्ड भीनमाल के अन्तर्गत उपखण्ड भीनमाल शहर में समस्याग्रस्त बस्तियों वार्डो के लिए जल परिवहन का कार्य।	5.00	10000/-	500/-	500/-	वार्षिक	PHE2526WSRC12009
25/20.25-26	Repairing of Hand Pump under Sub Division Bhinmal City and Rural Bhinmal	6.00	12000/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2526WSRC12012
26/2025-26	Annual Rate Contract for Supply of contract labours for Hand Pump Campaign and Maintenance of Schemes. under Sub. Division Bhinmal	2.00	4000/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2526WSRC12013
27/2025-26	Annual Rate Contract for Supply of contract labours for Hand Pump Campaign and Maintenance of Schemes under Sub. Division Bhinmal (Rural)	3.00	6000/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2526WSRC12015
28/2025-26	Annual Rate Contract for Supply of contract labours for Hand Pump Campaign and Maintenance of Schemes under Sub. Division Raniwara	3.00	6000/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2526WSRC12017
29/2025-26	Annual Rate Contract for Supply of contract labours for Hand Pump Campaign and Maintenance of Schemes under Sub. Division Jaswantpura	3.00	6000/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2526WSRC12018
30/2025-26	Annual Rate Contract for providing Household Service Connections (HSCs) including One Year DLP under UWSS Division Bhinmal	20.00	40000/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2526WSRC12020

निविदादाता को आईटी एक्ट 2000 के तहत डिजिटल सिगनेचर सर्टिफिकेट प्राप्त कर डिजिटल हस्ताक्षर युक्त निविदा प्रस्तुत करनी होगी। इसके अभाव में निविदा मान्य नहीं होगी।

पानी बचाओं-जीवन बचाओं

निविदा प्रपत्र उपलब्ध होने की तिथि	06.02.2026
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	23.02.2026 मध्यान्ह पश्चात् 2.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय	23.02.2026 मध्यान्ह पश्चात् 2.00 बजे तक
प्री-क्वालिफिकेशन बीड खोलने की तिथि एवं समय	23.02.2026 मध्यान्ह पश्चात् 3.30 बजे

(भूर सिंह मीणा) अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड भीनमाल
DIPR/C/1991/2026

'अभावग्रस्त लोगों की सहायता करना मानव धर्म है'

जयपुर। आज घुमंतू जाति उत्थान न्यास के अखिल भारतीय कार्य अधिकारी दुर्गादास जी ने जयपुर में माँ गायत्री व भारत माता के पूजन के उपरांत नारियल फोड़कर व दीप प्रज्वलित कर घुमंतू जाति उत्थान न्यास के जयपुर प्रांत कार्यालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने समाज के सभी लोगों से घुमंतू समुदाय के लोगों के उत्थान के लिए आगे बढ़कर कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि अभावग्रस्त लोगों की सहायता करना ही मानव धर्म और सेवा है। आज आवश्यकता है कि हम अन्य समुदायों के साथ ही घुमंतू समुदाय के बीच भी ब्रिज व नाव बनकर उन्हें अपने साथ लेकर चलें। उनके उत्थान व शासन की हर योजना का लाभ उन तक पहुंचाने में अपना अपना योगदान व सहयोग करें।

जयपुर प्रांत संयोजक महेन्द्र सिंह राजावत ने स्वागत उद्बोधन में जयपुर प्रांत में चल रही गतिविधियों की जानकारी देते हुए कार्यालय के लिए भवन परिसर उपलब्ध करवाने पर आशीष शर्मा का आभार जताया। इस अवसर पर घुमंतू समाज के लिए कार्य करने पर आशीष शर्मा, राजाराम गुर्जर तथा बिजेन्द्र कुमार शर्मा को गायत्री मंत्र का दुपट्टा पहनाकर सम्मानित भी किया गया। महेश नोगिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राज्यपाल ने आगरा में 'केंद्रीय हिंदी संस्थान ज्ञानकोश 'का ऑनलाइन शुभारंभ किया

राज्यपाल बागडे ने आगरा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संबोधित किया।

- पुस्तकें सभ्यता और संस्कृति की उन्नित का सबसे बड़ा मार्ग : राज्यपाल

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि पुस्तकें सभ्यता और संस्कृति की उन्नित का सबसे बड़ा मार्ग है। उन्होंने कहा कि आज भारतीय ज्ञान परम्परा से जुड़ी पुस्तकें केवल छपी हुई सामग्री रूप में ही नहीं डिजिटल माध्यमों में देश या समाज की सामूहिक चेतना और प्रतिभा का प्रतिबिम्ब बनती जा रही है। उन्होंने युगानुरूप प्राचीन पुस्तकों और पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए वृहद स्तर पर कार्य किए जाने का आव्हान किया।

राज्यपाल बागडे गुरुवार को आगरा में केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा और भारतीय पुस्तकालय संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में पुस्तकालय सेवाओं का रूपान्तरण' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर केंद्रीय हिंदी संस्थान ज्ञानकोश का ऑनलाइन शुभारंभ किया।

उन्होंने भारत से जुड़ी ज्ञान विरासत की चर्चा करते हुए कहा कि विदेशी आक्रान्ताओं ने हमारे समृद्ध पुस्तकालयों को नष्ट करने की सुनियोजित सोच से कार्य किया। बारहवी शताब्दी में बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को इसलिए जला दिया कि भारत के समृद्ध ज्ञान को नष्ट किया जा सके।

राज्यपाल ने कहा कि दुर्लभ पांडुलिपियों और पुस्तकों के गायब होने की घटनाएं यह बताती है कि कैसे ज्ञान और बौद्धिक विरासत को नष्ट करने के प्रयास किए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत ही वह देश रहा है जहां पर विश्व का सबसे पहला और प्राचीनतम ग्रंथ ऋग्वेद लिखा गया। आज भी पूरा विश्व यह मानता है कि प्रथम उपलब्ध ग्रंथ यही था। अनेक ऋषियों ने इस वेद को कंठ दर कंठ आगे की पीढ़ी को सुनाकर सहेजा और बाद में इसे लिपिबद्ध किया गया।

राज्यपाल ने कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि अब इस तरह तकनीक का विकास हो गया है कि हमेशा हमेशा के लिए पुस्तकों को सुरक्षित करने की दिशा में कार्य हो सके। उन्होंने देश में राष्ट्रपति द्वारा 'वन नेशन, वन डिजिटल लाइब्रेरी' की सोच को ऐतिहासिक बताते हुए भारतीय प्राचीन ग्रंथों के अनुवाद की संस्कृति पर भी कार्य किए जाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विरासत, पांडुलिपियों और महत्वपूर्ण पुस्तकों को संरक्षित करने के लिए पठनीय भाषाओं में अधिक से अधिक अनुवाद किया जाए।

राज्यपाल ने कहा कि हमारी शिक्षा परम्परा को ब्रिटिश सरकार ने रोजगार से जोड़ दिया। पुस्तकें पढ़कर पास होने की यह प्रवृति पुस्तकों को रटने से जुड़ गई। इससे बौद्धिक क्षमता का बहुत नुकसान हुआ।

जबकि भारत ज्ञान की समृद्ध उस पुस्तक परम्परा से आरंभ से जुड़ा रहा है जहां पुस्तकों का अध्ययन रटना नहीं होता था बल्कि उससे अपने आपको विकसित करना होता था। इसीलिए हमारे यहां पुस्तकों से विचार संस्कृति का विकास हुआ।

45वीं छात्रकला प्रदर्शनी के पुरस्कारों की घोषणा

जयपुर। राजस्थान ललित कला अकादमी की45वीं छात्रकला प्रदर्शनी के निर्णायक मण्डल ने राज्य के10छात्र-छात्राओं की कलाकृतियों को पुरस्कार योग्य घोषित किया है।

अकादमी सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि इस प्रदर्शनी में राज्य भर से 208छात्र-छात्राओं की536कलाकृतियां प्राप्त हुई थीं जिसमें निर्णायक मण्डल ने प्रदर्शनी के लिये 110छात्र-छात्राओं की145कलाकृतियों का चयन किया। इनमें पुरस्कृत कलाकृतियां भी सम्मिलित है। प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर पुरस्कृत10छात्र-छात्राओं को दस-दस हजार रूपये के नकद पुरस्कार,प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये जायेंगे ।

इन छात्रों में अरुण कुमार कुमावत,नागौर (एसेडिंग ग्रेण्डूयर), हर्षा सोनी, ब्यावर (द वाल्स आफ प्रोग्रेस), विजय,जोधपुर (जोधपुरी जारोखा),अनन्या सैनी, अजमेर (चित्तौडगढ-1),प्राची शर्मा,जयपुर (मेमोरी लेन),याशिका जांगिड, (वाईव आफ राजस्थान), सौरभ यादव,अलवर (जीवन संघर्ष1), कृष्णकांत टंगुरिया, (वाट अबाउट अस), श्वेता चौहान,जयपुर (अनटाईटिल्ड-1)धर्मेन्द्र पंडित (कंधो पर समाज) शामिल हैं।

पिकअप से भैंस चोरी करने वाले गैंग के पांच आरोपी गिरफ्तार

- दर्जनभर वारदातों का हुआ खुलासा
- चोरी की भैंस और पिकअप वाहन बरामद

जयपुर। पुलिस थाना चाकसू ने पशु चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भैंस चोरी करने वाली एक शातिर गैंग के पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की एक भैंस और वारदात में इस्तेमाल की गई पिकअप गाड़ी बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जयपुर दक्षिण पुलिस उपायुक्त राजर्षि राज ने बताया कि पुलिस थाना चाकसू ने कार्रवाई करते हुए भैंस चोरी करने वाली एक शातिर गैंग के शातिर बदमाश सूरज नायक (19) निवासी चाकसू,मनीष नायक (18) निवासी चाकसू,देवा उर्फ देवराज (19) निवासी चाकसू,पन्या उर्फ स्टेफनी (18) निवासी कोटखावदा औरराजवीर नायक (21) निवासी शिवदासपुरा को गिरफ्तार किया है।इनमें से आरोपी देवा और मनीष का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है । इस वारदात के खुलासे में थानाधिकारी मनोहर लाल, हेड कांस्टेबल खेमचंद, कांस्टेबल जगदीश व बाबूलाल की अहम भूमिका रही । विशेष रूप से कांस्टेबल राजेश कुमार और जितेंद्र कुमार ने इस गैंग को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

थानाधिकारी मनोहर लाल ने बताया कि पिछले कुछ समय से चाकसू, शिवदासपुरा, कोटखावदा और सांगानेर सदर इलाकों में अज्ञात चोरों द्वारा भैंस चोरी की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा था ।

वारदातों की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित किशोर शर्मा और सहायक पुलिस आयुक्त भवानी सिंह के निर्देशन में विशेष टीम का गठन किया गया ।

बिना अनुमति डीजे बजाने पर पुलिस कमिश्नरेट ने लगाई पाबंदी

जयपुर। गुलाबी नगरी में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण और इससे आमजन को होने वाली परेशानियों को देखते हुए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने कड़ा रुख अपनाया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 163 के तहत विशेष निषेधाज्ञा जारी की है। इसके तहत अब शहर में किसी भी सामाजिक या सांस्कृतिक समारोह में बिना अनुमति डीजे या अन्य तीव्र ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग नहीं किया जा सकेगा।

पुलिस के अनुसार शहर में होने वाले आयोजनों में तेज आवाज में डीजे बजाने से बुजुर्गों,बीमार व्यक्तियों और छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है । साथ ही, वर्तमान में चल रही परीक्षाओं के कारण विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षार्थियों की पढ़ाई भी बाधित हो रही है। इसी लोक व्यवस्था और शांति को बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है।

मैट्रिमोनियल और डेटिंग एप्स के नाम पर हो रही साइबर ठगी

- जालसाज अब जीवनसाथी.कॉम और शादी.कॉम जैसे मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म्स के साथ-साथ टिंडर और बम्बल व क्यूपिड जैसे डेटिंग एप्स का दुरुपयोग कर रहे हैं

जयपुर। पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम राजस्थान के मार्गदर्शन में प्रदेश में साइबर अपराधों पर लगाम लगाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट ने एक नया और चिंताजनक ट्रेंड पकड़ा है।

डीआईजी साइबर क्राइम विकास शर्मा ने बताया कि विश्लेषण के दौरान यह सामने आया है कि जालसाज अब जीवनसाथी.कॉम और शादी.कॉम जैसे मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म्स के साथ-साथ टिंडर और बम्बल व क्यूपिड जैसे डेटिंग एप्स का दुरुपयोग कर रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म्स पर शादी या रिश्ते की तलाश कर रहे मासूम लोगों को निशाना बनाया जा रहा है।ताकि उन्हें भावनात्मक रूप से फंसाकर उनकी गाढ़ी कमाई को निवेश के नाम पर ऐंठा जा सके।

साइबर ठगों का यह गिरोह बेहद शातिर तरीके से काम करता है। अपराधी सबसे पहले असली लगने वाली नकली प्रोफाइल बनाते हैं, जिसमें चोरी की गई आकर्षक फोटो और फर्जी व्यक्तिगत जानकारी जैसे नाम, पेशा और उच्च आय का उपयोग किया जाता है। एक बार संपर्क होने के बाद ये ठग हफ्तों तक वीडियो कॉल और व्हाट्सएप के जरिए पीड़ित का भरोसा जीतते हैं। ये लोग अक्सर नकली बैकग्राउंड का इस्तेमाल कर खुद को विदेश में या बड़े ऑफिस में होना दिखाते हैं। जब पीड़ित पूरी तरह इनके भावनात्मक जाल में फंस जाता है, तो ये अपराधी क्रिप्टोकरेंसी या हाई-रिटर्न इन्वेस्टमेंट स्कीम में पैसा लगाने के लिए इमोशनली ब्लैकमेल करना शुरू करते हैं।

नागरिकों की सुरक्षा के लिए पुलिस ने एडवाइजरी में सलाह दी गई है कि किसी भी व्यक्ति की प्रोफाइल देखते ही उस पर भरोसा न करें, बल्कि गूगल पर रिवर्स इमेज सर्च के जरिए उसकी फोटो की वास्तविकता जांचें। जब तक किसी व्यक्ति से आमने-सामने मुलाकात न हो जाए, तब तक अपनी निजी वित्तीय जानकारी, बैंक डिटेल्स या फोटो साझा न करें। विशेष रूप से ध्यान रखें कि यदि कोई व्यक्ति बहुत कम समय में अवास्तविक रिटर्न का वादा करता है, तो वह निश्चित रूप से एक धोखाधड़ी का जाल हो सकता है। बैंकों द्वारा समय-समय पर भेजे जाने वाले जागरूकता संदेशों को ध्यान से पढ़ें और उनका पालन करें। यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है, तो उसे घबराने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचित करना चाहिए। इसके लिए सरकार द्वारा जारी साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल किया जा सकता है।

6 जिलों से लापता 17 लोगों को खोजने में जुटी राजस्थान पुलिस

जयपुर। राजस्थान पुलिस प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ गुमशुदा व्यक्तियों की दस्तयाबी के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। प्रदेश के 6 जिलों सीकर, झुंझुनू, दौसा, जालौर, सिरोही और भरतपुर से गुमशुदा कुल 17 व्यक्तियों को खोजने के उद्देश्य से पुलिस ने आमजन से सहयोग की अपील की है।

पुलिस के अनुसार सीकर जिले के थाना अजीतगढ क्षेत्र से विष्णु सिंह पुत्र भगवान सिंह राजपूत(15) निवासी दिवराला, कद 5 फीट, रंग सांवला है, थोई क्षेत्र से पूजा पुत्री मदन लाल बलाई (17) कद 5 फीट, रंग गेहुंआ लापता है। वही झुन्झुनु जिले के थाना बबाई क्षेत्र से अमर सिंह पुत्र चौखाराम सैनी (65) निवासी ढाणी मामराज की तन बबाई, कद 5.7 फीट, रंग गेहुँआ गुमशुदा है।

जालोर जिला के थाना बागरा क्षेत्र से सम्पी कुमारी पुत्री निम्बाराम(19) कद 5 फीट, रंग गेंहुआ औऱ सिरोही जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र से लक्ष्मी पुत्री तलसाराम (16), कद 4.6 फीट, रंग गेहुंआ, पहचान सलवार सूट पहने हुए है; गुमशुदा है।

भरतपुर जिले के थाना रूपवास क्षेत्र से मनीष कुमार पुत्र घनश्याम सिंह जाट (26) निवासी जटमासी, कद 6 फीट, रंग सांवला, पहचान पेन्ट शर्ट पहने हुए है, थाना रूपवास क्षेत्र से सुहाना पुत्री सलीम खान (19) निवासी भिडयानी, कद 5 फीट 2 इंच, रंग गोरा, पहचान गुलाबी सलवार व सूट पहने है। थाना रूदावल क्षेत्र से हेम सिंह पुत्र मटोल सिंह गुर्जर (60) निवासी सिजाडा, कद 5 फीट, रंग गेहुंआ, धोतीकुर्ता पहने हुए है। थाना मथुरागेट क्षेत्र से गोविन्दा पुत्र बदन सिंह कश्यप (32) निवासी धीगर मौहल्ला, कद 5.6 फीट, रंग सांवला, पहचान सफेद शर्ट व काला रंग का लोअर पहने हुए है; गुमशुदा है। इसी प्रकार थाना मथुरागेट क्षेत्र से रामकिशन पुत्र रतन लाल जाटव (51) निवासी परपरा मोहल्ला, कद 6 फीट, रंग-सांवला, पहचान आसमानी शर्ट व काले रंग की पेन्ट पहने है। थाना लखनपुर क्षेत्र से नागेश कुमार पुत्र लेखराज जाटव (16) निवासी भरकऊ, कद 4.8 फीट, रंग गेहुंआ, पहचान पेन्ट शर्ट पहने है, थाना रूदावल क्षेत्र से पुष्पेन्द्र सिंह पुत्र जवाहर सिंह प्रजापति (31) निवासी मात्रपुरा, कद 5 फीट, रंग सावंला, पहचान पेन्ट शर्ट पहने है, थाना रूदावल क्षेत्र से ही जितेन्द्र पुत्र रामलाल(27) निवासी नारौली, कद 5.10 फीट, रंग सांवला, पहचान पेन्ट शर्ट पहने है, थाना कोतवाली क्षेत्र से अंशु शर्मा पुत्र लोकेश शर्मा(16) निवासी रणजीत नगर, कद 5.6 फीट, रंग गेहुंआ, पहचान महरूम जैकेट व नीली पेन्ट पहने हुए है, गुमशुदा है।

'मास्टरिंग प्रोफेशनल्स एटिकेट्स विद एआई' कार्यशाला का आयोजन

जयपुर। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने कहा कि आज के डिजिटल युग में कार्मिकों का नवीनतम तकनीकों से लैस होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में एआई की मदद से न केवल राजकीय कार्यों में गति लाई जा सकती है,बल्कि इसके उपयोग से पारदर्शिता और सटीकता भी बढ़ती है।

मोदी मुख्यालय के अंबेडकर भवन में स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित 'मास्टरिंग प्रोफेशनल्स एटिकेट्स विद एआई' कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

यह कार्यशाला विभागीय अधिकारियों के कार्य कुशलता, प्रोफेशनल कम्युनिकेशन एवं तकनीकी ज्ञान को बेहतर बनाने के लिए आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से राजकीय कार्यों में तकनीकी उपयोग बढ़ने से आमजन को सहूलियत मिली है।

हथौड़े से वार कर गरीब परिवार से लूटपाट

- पति-पत्नी व बच्ची को किया घायल

जयपुर। मुहाना थाना इलाके में मुहाना मोड़ के समीप अज्ञात बदमाशों ने गहरी नींद में सो रहे गरीब परिवार पर हथौड़े से वार कर तीन जनों को गंभीर रुप से घायल कर दिया। जिसके बाद अज्ञात बदमाशों ने महिला के गले व कानों में पहने सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए और मौके से फरार हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायल हो नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए भिजवाया। जहां से चिकित्सकों ने तीनों को जयपुर ट्रॉमा सेंटर रैफर कर दिया।

पुलिस ने बताया कि मुहाना मोड़ के समीप कच्चे मकानों में लुहारों के करीब 10 -15 परिवार रहते है। बुधवार देर रात अज्ञात बदमाश ने गहरी नींद में सोते हुए सोमजी (55) उसकी पत्नी संतोष (50) व उसकी बेटी के सिर पर हथौड़े से जान लेवा हमला कर दिया और महिला के गले ,हाथ व कानों में पहने सोने-चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। चीख-पुकार की आवाज सुन आसपास में रहने वाले परिवार के अन्य लोग मौके पर पहुंचे और लहूलुहान हालत में उन्हे नजदीकी अस्पताल भिजवाया। जहां से उनकी हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हे ट्रॉमो सेंटर के लिए रैफर कर दिया।

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के इलाकों में बदमाशों की तलाश भी की। लेकिन पुलिस के हाथ कोई सफलता नहीं लगी। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ जानलेवा हमला व लूट का मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

जेडीए ने इक्कीस बीघा भूमि पर चार अवैध कॉलोनियों को किया पूर्णत ध्वस्त

- प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-25 में निजी खातेदारी की करीब 21 बीघा कृषि भूमि पर 04 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णतः ध्वस्त किया गया।

महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया जोन-25 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम मालीहाला, तहसील बस्सी, जिला जयपुर में करीब 05 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "आदर्श नगर" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़के, प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-25 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। ग्राम मालीहाला, तहसील बस्सी,जिला जयपुर में दूसरी करीब 06 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "गोकुल धाम-1" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-25 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया।

जेडीए द्वारा जोन-25 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम मालीहाला, तहसील बस्सी, जिला जयपुर में करीब 04 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "गोकुल धाम-2" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, ट्री गार्ड व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-25 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

इसी प्रकार जोन-25 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम मालीहाला, तहसील बस्सी, जिला जयपुर में ही करीब 06 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "गोकुल धाम-3" के नाम से बनाई गई अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-25 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया।

जयपुर में ड्रोन उड़ाने पर पुलिस की पैनी नजर

जयपुर। राजधानी में बढ़ते ड्रोन के चलन और इससे जुड़ी सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने कड़ा रुख अपनाया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी लगा दी है। यह आदेश सुरक्षा एजेंसियों द्वारा ड्रोन के जरिए अवांछनीय घटनाओं की आशंका जताने के बाद जारी किया गया है। पुलिस आदेश के अनुसार नैनो श्रेणी (250 ग्राम से कम) को छोड़कर अन्य सभी श्रेणियों (माइक्रो, स्मॉल, मीडियम और लार्ज) के ड्रोन को उड़ाने से पहले डीजीसीए (डीजीसीए) की वेबसाइट डिजिटल स्काई पर रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। साथ ही संचालक के पास यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर (यूआईएन) और ऑपरेटर परमिट (यूएओपी) होना भी जरूरी है।

ट्रैफिक उल्लंघनों पर 5.73 करोड़ से अधिक की राशि राजकोष में जमा

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने शहर में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने व यातायात नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के लिए कार्य योजना बनाकर सख्त उपाय करने के निर्देश दिए। जयपुर पुलिस ने जनवरी माह में 1 करोड़ 84 लाख 79 हजार 100 रूपये, दिसम्बर माह में यह 2 करोड़ 3 लाख 41 हजार 71 रुपये व नवम्बर माह में 1 करोड़ 85 लाख 63 हजार 4 सौ रुपये की राशि राजकोष में जमा करवाई गई।

पुलिस कमिश्नर मित्तल के प्रयासों से न केवल सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है,बल्कि नागरिकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है।

पुलिस द्वारा किए गए प्रयासों को न्यायालय अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट से भी मजबूती मिली है। न्यायालय द्वारा यातायात नियम की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए अधिकतम अभियोजन व्यय अधिरोपित किये जा रहे हैं।कोर्ट में वाहन चालकों पर दोषसिद्धि उपरांत अधिकतम अभियोजन व्यय अधिरोपित किए जाने से पुलिस कमिश्नर मित्तल के प्रयासों को भी मजबूती मिली इसके अलावा अभियान चलाकर आम लोगों को ट्रैफिक नियमों की पालना के लिए समझाइश भी की गई। हाई रिस्क क्षेत्रों में लगातार गश्त से अत्यधिक दुर्घटना वाले स्थानों की पहचान कर सुधारात्मक उपाय तुरंत लागू किए जा रहे हैं।मित्तल ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि एक सुरक्षित परिवेश बनाना है जहाँ हर नागरिक बिना डर के सड़क पर चल सके।

सार-समाचार

अभिनेता विनय आनंद ने किया महल म्यूजियम विजिट

जयपुर। भोजपुरी और हिंदी फिल्मों के जाने-माने अभिनेता विनय आनंद ने आज जयपुर स्थित खजाना महल म्यूजियम का विजिट किया। म्यूजियम में रखे अनमोल पत्थरों, ऐतिहासिक आभूषणों और दुर्लभ संग्रह को देखकर वे काफी प्रभावित नजर आए। खास तौर पर राम सेतु का तैरता पत्थर देखकर विनय आनंद भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि वे भगवान हनुमान के सच्चे भक्त हैं और राम सेतु के पत्थरों को हाथ में ले कर उन्हें गहरी आस्था का अनुभव हुआ। विजिट के दौरान उन्होंने म्यूजियम में प्रदर्शित बॉलीवुड आभूषण संग्रह की भी जमकर सराहना की। म्यूजियम के संस्थापक निदेशक अनूप श्रीवास्तव ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। दोनों पुराने मित्र भी हैं, जिससे मुलाकात और भी खास बन गई। उनका स्वागत म्यूजियम के संस्थापक, अनूप श्रीवास्तव ने पारंपरिक सम्मान के साथ किया। यह यात्रा उनके आध्यात्मिक दौरे का हिस्सा थी जिसमे वो अपनी आने वाली ओटीटी सीरीज "एसीपी विक्रांत" के लॉन्च से पहले उज्जैन के महाकाल मंदिर, खाटू श्याम जी और सालासर बालाजी के दर्शन भी किए। विनय आनंद ने अब तक 75 से अधिक फिल्मों में काम किया है, जिनमें दिल ने फिर याद किया, आमदनी अठन्नी खर्चा रुपया और लो मैं आ गया जैसी फिल्में शामिल हैं। उनका यह दौरा दर्शाता है कि वे कला, संस्कृति और आध्यात्मिकता से गहरा लगाव रखते हैं। खजाना महल म्यूजियम में उनका आगमन यहां के लिए भी खास पल रहा, जहां उन्होंने पूरे उत्साह से संग्रहालय का अवलोकन किया और अपनी शुभकामनाएं दीं।

जयपुर में हुक्का बार पर पाबंदी

जयपुर। गुलाबी नगरी में बढ़ते हुक्का कल्चर और इससे जुड़ते अपराधों पर लगाम लगाने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने सख्त कदम उठाया है । अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा जारी कर पूरे कमिश्नरेट क्षेत्र में हुक्का बार के संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है । पुलिस आदेश के अनुसार, शहर के होटल, रेस्टोरेंट, नाइट क्लब, डिस्कोथेक और फार्म हाउसों में देर रात तक होने वाली हुक्का पार्टियां युवाओं के लिए स्टेटस सिंबल बनती जा रही हैं । इन स्थानों पर नशे की हालत में कई आपराधिक घटनाएं भी सामने आई हैं । जन सुरक्षा और लोक व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने यह कड़ा निर्णय लिया है । यह प्रतिबंधात्मक आदेश 06 फरवरी 2026 से प्रभावी होकर 06 अप्रैल 2026 तक लागू रहेगा । इस दौरान जयपुर के किसी भी ईटिंग हाउस, बार या पब में हुक्के का इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित होगा । पुलिस ने स्पष्ट किया है कि राजस्थान में हुक्का बार संचालन के संबंध में स्पष्ट नियमों के अभाव का फायदा उठाकर संचालक निर्देशों का उल्लंघन कर रहे थे, जिससे कानून-व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था । आदेश में चेतावनी दी गई है कि यदि कोई भी संचालक या संस्थान इस निषेधाज्ञा का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत दण्डनीय अभियोग चलाया जाएगा। पुलिस ने सभी थानाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में इस आदेश की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं ।

2.10 लाख की रिश्वत लेते ग्राम विकास अधिकारी गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की चित्तौड़गढ़ टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत सिंहपुर पंचायत समिति कपासन के ग्राम विकास अधिकारी पारस राम विश्नोई और ग्राम पंचायत के कनिष्ठ सहायक बाबू लाल शर्मा को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों से 70 हजार रुपए नकद और 1 लाख 40 हजार रुपए का चेक,कुल 2 लाख 10 हजार रुपए की रिश्वत बरामद की गई है।एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि ब्यूरो को शिकायत मिली थी कि परिवादी की फर्म द्वारा ग्राम पंचायत सिंहपुर क्षेत्र में विकास कार्यों के अंतर्गत करीब 12.80 लाख रुपए के कार्य कराए गए थे। इन कार्यों के मई और जून 2025 के सात बिलों की ऑनलाइन फीडिंग कर भुगतान जारी करने की एवज में ग्राम विकास अधिकारी व कनिष्ठ सहायक 2.10 लाख रुपए की रिश्वत मांग रहे है।जिस पर शिकायत का सत्यापन होने के बाद एसीबी चित्तौड़गढ़ टीम टीम उप अधीक्षक पुलिस हरिश्चंद्र सिंह के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। इस दौरान दोनों आरोपियों को परिवादी से रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा।

बिजली बिल कम करने की एवज में 12 हजार की रिश्वत लेता लाइनमैन गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जोधपुर ग्रामीण टीम ने जोधपुर डिस्कॉम के तकनीशियन प्रथम (लाइनमैन) हरिकिशन मीणा को 12 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी पर घरेलू बिजली बिल की राशि कम कराने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। आरोपी लाइनमैन 33/11 केवी जीएसएस नौसर कार्यालय सहायक अभियंता (पवस) जोधपुर डिस्कॉम मतोडा में पदस्थ है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी जोधपुर ग्रामीण को शिकायत प्राप्त हुई थी कि आरोपी लाइनमैन हरिकिशन मीणा द्वारा परिवादी के घरेलू बिजली बिल की लगभग 80 हजार रुपए की राशि कम कराने की एवज में 12 हजार रुपए की रिश्वत की मांग कर रहा है। शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा रिश्वत मांगना प्रमाणित पाया गया। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस सोनी के नेतृत्व में ट्रैप की कार्रवाई करते हुए लाइनमैन हरिकिशन मीणा को परिवादी से 12 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

चलती एक्सयूवी में अचानक से लगी आग

जयपुर। चलती एक्सयूवी कार में अचाकन से आग लग गई। जिसके बाद मुख्य मार्ग पर हड़कंप मंच गया। कार के बोनट से धुंआ निकलता देख चालक ने बड़ी ही सूझबुझ से कार को सड़क किनारे रोकी और पति-पत्नी ने बाहर कूद कर अपनी जान बचाई। दम्पति की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल विभाग की दो गाड़ियों ने तुरंत मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। लेकिन इससे पहले ही महज 10 मिनट में आग कार में पूरी तरह फैल गई और जलकर कबाड़ में तब्दील हो गई। थानाधिकारी पूनम चौधरी ने बताया कि बुधवार देर रात दुर्गापुरा पुलिया के समीप होप हॉस्पिटल के पास चलती हुई एक्सयूवी कार में अचानक से आग लग गई। कार के बोनट से धुआं निकलता देख दम्पति ने तुरंत कार को साइड में लगाया और बाहर की ओर कूद कर अपनी जान बचाई। राहगीरों की सूचना पर तुरंत पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी दमकल विभाग को दी। दमकल विभाग की दो गाड़ियों ने मौके पर पहुंच कर 10 मिनट में आग पर काबू पाया। लेकिन आग पर काबू पाने से पहले कार पूरी तरह से कबाड़ में तब्दील हो गई। बताया जा रहा है इस मामले में फिलहाल किसी भी तरह का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है।

स्टेच्यू सर्किल से विधानसभा टी-पॉइंट तक नो-पार्किंग

जयपुर। सुरक्षित व सुगम यातायात के लिए राजधानी जयपुर के स्टेच्यू सर्किल से पोलो सर्किल व पोलो सर्किल से विधानसभा टी-पॉइन्ट तक रोड के दोनों तरफ वाहन नहीं खड़े करने की अधिसूचना हुई है।पुलिस उपायुक्त यातायात सुमित मेहरडा ने बताया कि आमजन को सुरक्षित व जाम रहित यातायात उपलब्ध कराने के लिए स्टेच्यू सर्किल से पोलो सर्किल एवं पोलो सर्किल से विधानसभा टी-पॉइन्ट तक रोड के दोनो तरफ पूर्णतया नो-पार्किंग स्थल के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। इस मार्ग पर वाहन पार्किंग कर यातायात अवरूद्ध करने वालों के विरूद्ध यातायात नियमों के तहत कार्यवाही की जायेगी।

National Woman's Heart Day: Prioritising Women's Cardiac Health

National Woman's Heart Day is observed to raise awareness about heart disease in women, a condition often underdiagnosed and undertreated. Unlike men, women may experience subtle or atypical symptoms such as fatigue, shortness of breath, or nausea, making early detection crucial. The day encourages regular check-ups, a heart-healthy diet, stress management, and an active lifestyle to reduce cardiovascular risks. Healthcare experts emphasise the importance of educating women about their unique risk factors, including menopause, pregnancy-related conditions, and hormonal influences, ensuring timely prevention, intervention, and long-term heart wellness for women across all age groups.

#ART

The Banded Agate Askos

A Masterpiece from the Ptolemaic Period

Among the treasures of the Cleveland Museum of Art lies a small yet breathtaking artifact that bridges the worlds of Greek artistry and Egyptian influence, a banded agate askos from the Ptolemaic period, dating back more than 2,000 years. Though modest in size, measuring just 6.5 cm (2.6 in), this exquisite vessel reflects the extraordinary craftsmanship and technical ingenuity of ancient artisans who worked with both luxury materials and symbolic design.

An Object of Function and Beauty

The term 'askos' comes from the Greek word for 'wineskin' and refers to a small vessel traditionally used to pour liquids such as oil or perfume. This particular example, however, transcends mere function.

Carved from a single piece of banded agate, the vessel displays subtle striations of earthy browns, translucent creams, and soft amber tones, natural layers that were painstakingly shaped and polished to a brilliant sheen. The high degree of finish demonstrates not only artistic skill but also an intimate understanding of the material's fragility and beauty.

Ingenious Design and Technical Precision

Beyond its aesthetic appeal, the askos showcases remarkable engineering. Its gold lid is connected to a hidden disk mechanism that controlled the flow of liquid, a sophisticated design for the era. Such precision suggests the vessel may have served in ritual or ceremonial contexts, where both form and function held symbolic weight.

The gold ring base adds stability and grandeur, adorned with delicate motifs resembling papyrus stalks, an iconic Egyptian symbol of life and regeneration. This detail hints at the cultural fusion of the Ptolemaic age, when Greek rulers in Egypt embraced both Hellenistic and native Egyptian motifs.

Behind the handle, a small carved crab can be seen, likely once inlaid with another material, now lost to time. The crab may have held astrological or maritime significance,

evoking the water and life-giving cycles associated with the Nile and the sea.

Ptolemaic Period: Where Greece Met Egypt

This artifact dates to the Ptolemaic period (305-30 BCE), an era that began after Alexander the Great's conquest of Egypt and the establishment of the Ptolemaic dynasty, founded by Ptolemy I Soter. During this time, Greek and Egyptian artistic traditions intertwined to produce distinctive hybrid works, blending classical Greek realism with Egyptian symbolism and materials.

Luxury items like this askos would have been prized by elite patrons who sought to display wealth, taste, and intellectual sophistication. They were not only decorative but also statements of identity in a multicultural empire.

A Modern Legacy

Today, the banded agate askos resides at the Cleveland Museum of Art in Cleveland, Ohio, USA, where it continues to captivate visitors with its timeless elegance. The museum acquired the piece in 1964, through the Andrew R. and Martha Holden Jennings Fund, ensuring its preservation for future generations.

As part of the museum's ancient art collection, the askos stands as a testament to human creativity, an artifact that embodies both the ingenuity and the cosmopolitan spirit of the ancient world.

The banded agate askos is more than an ancient vessel; it is a story in stone, a dialogue between cultures, a triumph of craftsmanship, and a window into an age when art, science, and spirituality converged. In its gleaming surface, we see not just the hand of the artisan, but the enduring brilliance of a civilization that continues to inspire over two millennia later.

Statue at Boston's Old State House features a lion from George III's coat of arms, passed down from his ancestor George I.

18th-Century Americans Were Just as Obsessed With Their Genealogy as We Are

It's not only the media that keeps genealogy in front of the public, but also the popularity of investigating family history as an interest and an active pursuit. Launched in 2011, RootsTech, an annual genealogy conference sponsored by FamilySearch, is now both an in-person event in Salt Lake City that draws some 15,000 people and an online event that attracts several million virtual viewers. American family memoirs are an enduring nonfiction genre, too, with new books exploring the complexity of race and immigration gaining wide readership and acclaim.

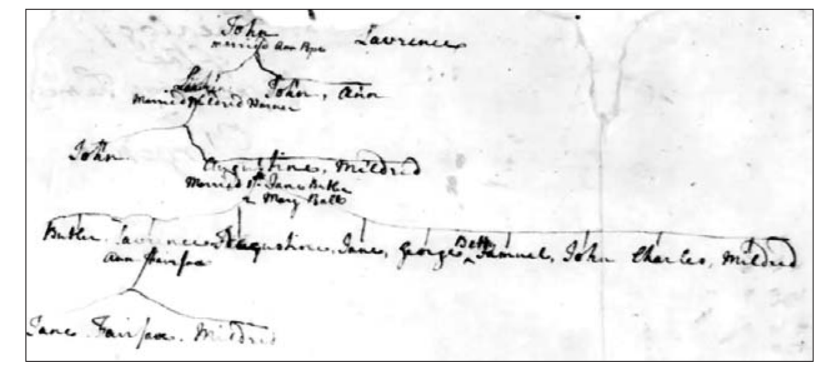

A family tree compiled by George Washington in his youth.

#RECORDS

Sophia Dyer's genealogical sampler.

A sampler created by Mary Hearn in 1793.

● Verna Mohon

In early America, local governments, the courts and the clergy collected vital data like births, marriages and deaths.

But these records weren't the only tools people used to track their family histories. Americans also memorialized their loved ones through embroidery, oral histories and handwritten texts.

In 1770, when Hannah Waterman was 19 years old, she decided to compile a family history, perhaps because she was feeling very alone in the world. The Rhode Island resident crafted a small, hand-stitched notebook, just 16 pages long, and titled it "Hannah Waterman Her Book." Into this little book, she copied a family record originally written by her father, Resolved Waterman, recounting his marriage to Hannah's mother in 1732 and the births of their nine children, one of whom died shortly after he was born.

Hannah was the last of the Watermans' babies. Born in October 1750, she described the death of her father on the coast of South America before she was a year old: "Departed his life the July the 27th 1751, he died in Suranam [Suriname] with the smallpox." Hannah noted that her brother Edward died away from home, too, having "sailed in the year 1754 and remains [unheard] of." Her brother Caleb died in 1762. Then, in 1769, Hannah's mother; her married sister, Sarah; and Sarah's young daughter all died within a few months of each other. It was a solemn catalog of losses, this intimate family record that Hannah made.

Emotional, provocative and even political, genealogy is seemingly everywhere in the 21st century. The hugely popular television show 'Finding Your Roots,' hosted by historian and expert genealogist Henry Louis Gates Jr., is now in its 11th season on PBS and regularly reveals the surprising details of celebrities' family histories. Similarly, media coverage of newly selected Pope Leo XIV's family background, including by Gates, has been extensive, showing how his family included people of color and grandparents whose love-triangle romance prompted a public scandal.

It's not only the media that keeps genealogy in front of the public, but also the popularity of investigating family history as an interest and an active pursuit. Launched in 2011, RootsTech, an annual genealogy conference sponsored by FamilySearch, is now both an in-person event in Salt Lake City that draws some 15,000 people and an online event that attracts several million virtual viewers. American family memoirs are an enduring nonfiction genre, too, with new books exploring the complexity of race and immigration gaining wide readership and acclaim.

As popular and pervasive as genealogy is now, it was everywhere in the 18th century, too. For someone like Hannah living in British America, the importance of family history would have been obvious everywhere she looked. Genealogy was stressed in church and in the news. Icons of lineage decorated the landscape in the form of gravestones in cemeteries and the king's coat of arms on public buildings. Family history was part and parcel of how families operated. So, it would not have been unusual for Hannah to want to keep a record of her own family story. For many people, that record might have been kept orally, but for far more than we might think, a rough little notebook, like Hannah's, fit the purpose. These were 'vernacular genealogy,' as I call the many different ways that early Americans created records of their family's histories, in texts and in objects, but also using other tools, like oral histories. As I argue in my new book, *Lineage: Genealogy and the Power of Connection in Early America*, examining the variety and volume of these kinds of genealogies is one way we can understand the importance of family history in this period.

Just as it is today, genealogy was a mix of practical uses and meaningful memory, confirming connections with family near and far, recently or long gone. Family history was interesting to ordinary people and elites alike, including every single founding father. Men and women, as well as younger and much older folks, kept, shared and treasured family records like the one Hannah wrote about the Watermans. They learned about the importance of genealogy in what they read and what they were taught. In girls' schools in the later 18th and early 19th centuries, for example, family records were a familiar template for learning needlework. Marvelous examples of family history samplers survive in libraries, archives and museums. Presumably, many more are still treasured as heirlooms.

Just as they do today, governments in early America collected family history data, and the media was fascinated by the genealogies of famous people. First, the Colonies, and then, the early American states required, in some fashion, the collection of vital information, like births, marriages and deaths. This kind of data wasn't systematically or centrally kept and collected until much later, in the 19th and 20th centuries, but we can still see both an interest in and an effort to record family history in this earlier period.

Local authorities and clergymen compiled vital records, which could then be recalled and used by families if they needed to check particular information or by the government for official business. In Colonial New England, for example, residents were eligible for (very minimal) financial relief if they were born in a specific town and fell on hard times. But those who didn't 'belong' in a place, like outsiders and newcomers, could be expelled under a system known as 'warning out.'

Genealogy wasn't limited to government records. Wills and estate papers, inheritance disputes, and paternity cases for babies born to unmarried mothers were just some of the ways that family histories populated court records. When people needed access to family information for legal issues like these, they were sometimes able to use records collected by their local governments or churches. But other times, they brought out their own genealogy records, including needlework.

After the American Revolution, some widows of soldiers, who wanted to petition for their late husbands' pensions, submitted samplers as evidence of their family history. Mary Hearn's sampler, made on the island of Nantucket in Massachusetts in 1793, when she was just 10 years old, became part of her mother Elizabeth's petition for a widow's pension.

Modest family histories like Hannah's book and Mary's needlework were a form of everyday genealogy that reflected the importance of family connections in British America. But what did media coverage of the rich and famous look like in the 18th century? Almanacs were one of the most purchased types of printed material. In addition to locally practical information like calendars, lunar cycles, roads and court dates, almanacs regularly published the birthdays of the British monarchs and their children. This helped to reinforce the importance not just of those individuals but of the authority that stemmed from their royal lineages.

In newspapers, happenings from abroad, including announcements of yet more royal births and birthdays, were sprinkled amid advertisements, such as calls for the return of enslaved people and servants running for their freedom. Accounts of royal family relations and their implications for the succession were also carefully chronicled in Colonial newspapers.

When Queen Anne died in 1714, she was the last of Britain's Stuart monarchs and had no direct heir; a 1701 Act of Settlement had stipulated that to keep the throne in the control of Protestants, the next in line would be a distant German cousin, George I of Hanover. American newspapers throughout the 18th century reported on how these family relationships landed the Hanovers on the throne.

Aside from the royals, the early American media also reported on the tantalizing family histories of the lesser known. They published accounts of remarkable families and individuals, such as a woman who was reputed to be 120 years old and had supposedly 'lived to see five of her [family's] generations.'

Some of the most famous names from early America were invested in genealogy: to name just a few, Abigail and John Adams, Benjamin Franklin, and George Washington. Both the Adamses and Franklin traced their family histories back to England. Franklin wrote about this in his famous Autobiography, which begins with a comment to his son that "I have ever had pleasure in obtaining any little anecdotes of my ancestors." That was true, but Franklin's interest was not quite as casual as his phrasing suggests. He came from a family that regularly conducted in-depth, energetic genealogical research.

While much seems familiar about genealogy's presence and prominence in early America, aspects of the practice were different, and specific to that time and place. Genealogy was vital to people who were free, for example, but also for enslaved people whose family histories, in a regime of heritable slavery, meant all the difference in the world.

The nation's first president, Washington, was an avid genealogist who understood how his own family history was intertwined with those who his relatives had enslaved. Although very few of his earliest writings have survived, a single document dating to his teenage years shows just how keenly he paid attention to ancestry and family connection. The future commander in chief wrote out a family tree with five generations of Washingtons on one side of the paper. On the other side, he listed 'tithables,' or enslaved people he was inheriting, on whom he would pay a tax to Virginia. Later in life, as others became interested in his family due to his political prominence, he delved even deeper into genealogical work, labeling the paper 'Genealogy of the Washington Family in Virginia.'

Enslaved people in both Washington's Virginia and British America, more broadly, also kept careful track of their family relationships. Some of the most prominent examples of these genealogies appeared in court cases in which enslaved people sued to gain their freedom or an enslaver's heirs contested their manumission. In many of these cases, oral histories of family relationships joined with written records, demonstrating enslaved people's determination to document their most intimate histories across the generations.

Scholars have only recently started to take genealogy seriously as a historical subject, writing about its importance in different times and places and how, in the United States, genealogical and local historical societies flourished in the 19th century. In early America, however, it was plain that family history was already deeply rooted, a matter of great public as well private interest. Although this world was very different than ours in many respects, the complex ways that public entities like governments collected and deployed those family histories feels very familiar today. Meanwhile, the complexity of family connections, as evidenced by what diverse people across early American wrote, said, stitched or otherwise represented about their families, is simultaneously both very different and very familiar.

rajeshsharma1049@gmail.com

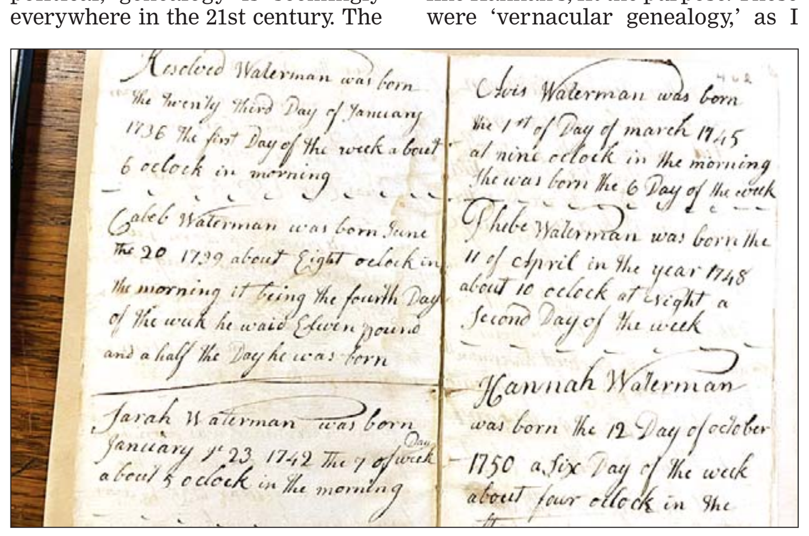

Pages from Hannah Waterman's genealogy book, which is housed in the collection of Rhode Island Historical Society.

Genealogy.

#A FORGOTTEN ART

Natural Radiance Of Beetle Wing Embroidery

During the Mughal Empire (16th-19th centuries), Royal ateliers employed master artisans to stitch jewel beetle wings onto silk, velvet, and fine muslin

Beetle wing embroidery is one of the most extraordinary yet lesser-known embellishment techniques in textile history, with deep roots in India and parallel traditions across the Middle East, Europe and other countries. Long before synthetic sequins or metallic foils existed, artisans turned to nature itself, using the iridescent wings of jewel beetles to create textiles that shimmered like gemstones. This remarkable craft flourished in royal and ceremonial contexts, where light, symbolism, and luxury were central to dress and display.

India: Mughal Grandeur and Courtly Splendor

In the Indian subcontinent, beetle wing embroidery reached its height during the Mughal Empire (16th-19th centuries). Royal ateliers employed master artisans to stitch jewel beetle wings onto silk, velvet, and fine muslin. The wings, prized for their intense green-blue iridescence that never faded, were exceptionally lightweight, allowing garments to glow without the heaviness of gold or silver. This made them ideal for elaborate court costumes worn by queens, princesses, and elite courtesans during weddings, festivals, and imperial ceremonies.

Each wing was carefully cleaned, flattened, and trimmed before being individually stitched into place. Artisans created floral vines, paisleys, and geometric motifs, echoing Mughal aesthetics inspired by gardens, symmetry, and paradise imagery. Beetle wing work was often paired with zardozi, silk floss, pearls, and precious stones, producing surfaces that appeared almost otherworldly, radiant yet delicate. Beyond garments, the technique adorned juttis (shoes), turbans, wall hangings, and accessories, reinforcing its status as a luxury art form. Under candlelight or sunlight, the wings reflected a living glow that metal could not replicate.

North-East India: Symbolism and Nature

In North-East India, particularly in regions such as Assam, Manipur, and parts of Nagaland, the use of beetle wings and insect-derived materials carried a more indigenous and symbolic meaning. Here, the emphasis was less on excess opulence and more on ritual significance, spiritual protection, and social identity. Beetle wings were incorporated into ceremonial attire, ornaments, and performance costumes, where their iridescence symbolized vitality, cosmic energy, and a deep connection to nature. Craftsmanship and belief merged, reflecting a worldview in which natural materials held both aesthetic and spiritual power.

The Middle East: Light, Reflection, and Refinement

In the Middle East, particularly in Persian and Ottoman-influenced regions, beetle wing embellishment appeared in elite court textiles and accessories. Persian aesthetics valued light, reflection, and intricate surface decoration, making beetle wings a natural complement to gold thread embroidery. Used more subtly than in Mughal India, they decorated robes, slippers, and ceremonial objects designed to glow under lamplight and candlelight. Trade routes linking India, Persia, and the Ottoman world enabled materials and techniques to circulate, creating shared visual languages of luxury and refinement.

Europe: Victorian Fascination and Exotic Luxury

In Europe, beetle wing embroidery gained popularity much later, especially during the 19th century, when colonial trade introduced exotic materials to Western fashion. Victorian designers incorporated beetle wings into gowns, bodices, fans, handbags, and even jewelry to achieve a brilliant emerald sheen. Unlike India and the Middle East, where the craft was rooted in tradition, Europe viewed beetle wing embroidery as an exotic novelty, tied to imperial curiosity, natural history, and spectacle. The wings were prized for their durability and colorfast brilliance, aligning with the era's fascination with ornamentation and the natural world.

Decline and Legacy

Over time, beetle wing embroidery declined across regions due to changing aesthetics, industrial materials, and ethical concerns surrounding the use of insects. By the late colonial period, the technique had largely disappeared from mainstream practice, surviving mainly in museum collections, royal archives, and rare couture references. Today, beetle wing embroidery stands as a powerful reminder of an era when artisans harmonized craftsmanship with nature to achieve beauty and brilliance. It tells a story of sustainability before the term existed, when natural materials were transformed into lasting luxury. Though no longer widely practiced, its legacy continues to inspire designers, historians, and textile lovers, inviting us to imagine a time when fabric shimmered not with manufactured shine, but with the quiet magic of nature itself.

THE WALL

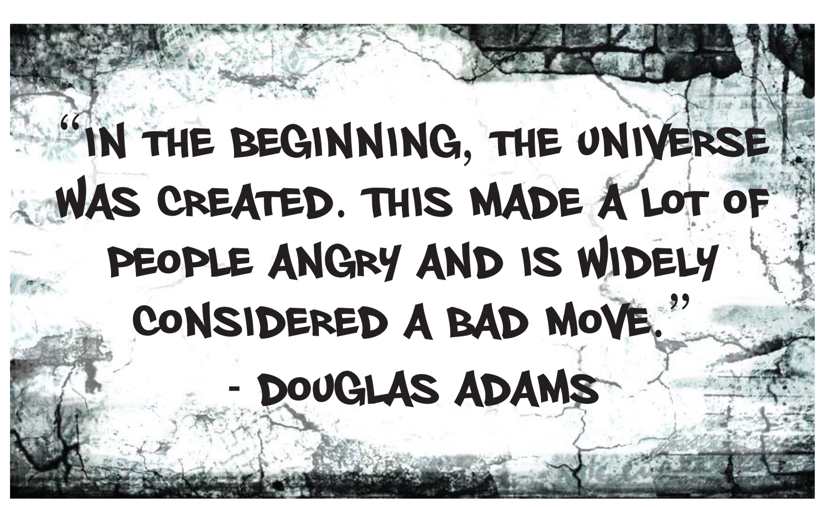

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

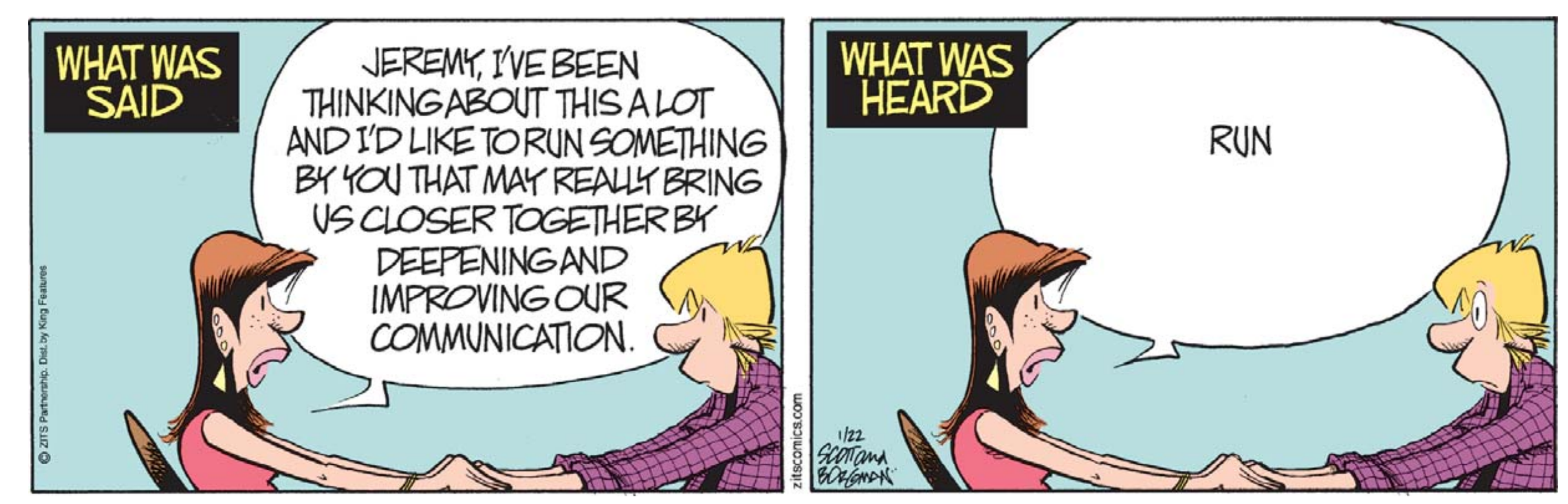

उदयपुर में बदमाशों ने श्रमिक की हत्या की

मजदूरी पर जाते समय लूट की नियत से श्रमिक को रोक बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया था

- परिजनों ने चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया
- चिकित्सकों के खिलाफ रिपोर्ट देने पर मामला शांत हुआ

उदयपुर, (कासं)। हिरणमगरी थाना क्षैत्र जडाव नर्सरी के समीप गुरूवार सवेरे मजदूरी करने जाते समय लूट की नियत से श्रमिक को रोक बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसका पता चलने पर परिजनों ने हंगामा करते हुए लापरवाह चिकित्सकों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। इस पर सहमति बनने पर मामला शांत हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सविना थाना क्षैत्र विजयसिंह पथिक नगर कच्ची बस्ती निवासी प्रेम गमेती (35) पुत्र मांगीलाल गुरूवार सवेरे हमेशा की तरह मण्डी में मजदूरी करने के लिए जा रहा था। इस दौरान हिरणमगरी थाना क्षैत्र में जडाव नर्सरी के समीप आए बदमाशों ने लूट की नियत से प्रेम को रोकने पर उसने विरोधक किया तो बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। सूचना पर सविना थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच उसे घायलावस्था में सेटेलाईट चिकित्सालय पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद एमबी चिकित्सालय ले गए जहां से उपचार के बाद थाने पहुंचे। वहां ज्यादा समय रूकने पर उसकी तबीयत खराब होने पर चिकित्सालय ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर सविना थाना एसआई लादुराम मय टीम ने मौके पर पहुंचकर बदमाशों की तलाश शुरू की। इधर प्रेम की मृत्यु होने कीपर आए परिजनों ने चिकित्सालय में हंगामा करते हुए उपचार में लापरवाही बरतने से मौत के लिए जिम्मेदार चिकित्सकों के खिलाफ कार्यवाही करने, मुआवजा दिलाने, मृतक के परिवार से एक व्यक्ति को रोजगार देने की मांग करते हुए शव लेने से इनकार कर दिया। गुरूवार सांय तक कुछ मांगों पर सहमति बनने के बाद मृतक की पत्नी नन्दीनी द्वारा चिकित्सकों के खिलाफ रिपोर्ट देने एवं अन्य मांगों पर मदद का आश्वासन देने पर मामला शात हुआ। मृतक प्रेम का शव एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखा है, जिसका शुक्रवार को पोस्टमार्टम होगा। इधर गुरूवार शाम तक सविना थाना एसआई लादुराम द्वारा मामले में किए गए अनुसंधान घटना स्थल हिरणमगरी पुलिस थाना क्षैत्र होने से वहां प्रकरण ट्रांसफर किया गया।

पिता-पुत्र ने रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ की : – उदयपुर शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने पिता-पुत्र व अन्य के खिलाफ बार व रेस्टोरेंट में घुसकर कर्मचारियों के साथ मारपीट कर तोड़फोड़ करने का प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित हेमन्त पुत्र लोगरलाल निवासी डागियों का गुड़ा लखावली सुखेर प्रतापगर थाना क्षैत्र में स्थित क्रेजी बार एंड रेस्टोरेंट मैनेजर ने आरोपी हरीश कृपलानी पुत्र आसुमल उसके पुत्र कपील निवासी कन्नामाता अपार्टमेंट तथा अन्य लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 5 जनवरी सवेरे मेरे रेस्टोरेंट में आए आरोपी व साथियों ने बार में सोए कर्मचारियों पर हमला कर दिया तथा तोड़फोड़ कर फरार हो गए। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

बैंक में दो-दो सौ के 177 नकली नोट जमा कराए, मामला दर्ज

जानकारी में सामने आया है कि आरोपी सरकारी कर्मचारी बताया जा रहा है

- पुलिस को आशंका है कि यह मामला किसी नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है

बीकानेर, (निसं)। शहर में नकली नोटों के चलन का मामला सामने आया है। यहां मुरलीधर व्यास नगर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ब्रांच में नकली नोट पहुंचने के बाद नयाशहर थाने में मामला दर्ज कराया है। यहां दो-दो सौ रुपए के 177 नोट जब्त किए हैं।

मुरलीधर व्यास कॉलोनी स्थित भारतीय स्टेट बैंक शाखा में एक खाताधारक ने नगद रुपए जमा कराए हैं। बैंक प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। इस मामले में बैंक शाखा प्रबंधक पुरुषार्थ पुरोहित की रिपोर्ट पर नया शहर थाना पुलिस ने श्याम सुंदर नामक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह घटना 2 फरवरी की बताई जा रही है, जब आरोपी ने अपने खाते में 200-200 रुपये के नोट जमा करवाए थे। बैंक में नियमित जांच के दौरान नोट संदिग्ध पाए गए, जिसके बाद मशीनों से जांच कराई गई। जांच में कुल 177 नोट नकली निकले। इसके बाद बैंक अधिकारियों ने नकदी जब्त कर पुलिस को सूचना दी और आवश्यक दस्तावेज भी पुलिस को सौंपे।

नया शहर थानाधिकारी कविता पूनिया ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि आरोपी सरकारी कर्मचारी बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी के पास नकली नोट कहां से आए और क्या इसके पीछे किसी बड़े गिरोह की भूमिका है। पुलिस को आशंका है कि यह मामला किसी नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है, इसलिए जांच को गंभीरता से आगे बढ़ाया जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय हाफ टाइगर मैराथन को मुख्यमंत्री और रणदीप हुड्डा रवाना करेंगे

- आठ फरवारी को अलवर में होने वाली मैराथन के लिए 18 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं

अलवर, (निसं)। अलवर में आठ फरवरी को आयोजित होने वाली "अलवर की शान-टाइगर थीम" पर अंतर्राष्ट्रीय हाफ टाइगर मैराथन के लिए 18 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं, जबकि, मैराथन के लिए दी जाने वाली टी-शर्ट के लिए गुरुवार से धावकों का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। इस दौरान उन्हें नंबर के साथ टी-शर्ट भी दी जा रही है। जिला भाजपा मीडिया प्रभारी लक्ष्मीनारायण गुप्ता अंतर्राष्ट्रीय हाफ टाइगर मैराथन की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। मैराथन को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और मैराथन के ब्रांड एंबेसडर अभिनेता रणदीप हुड्डा हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे

यह मैराथन चार श्रेणियों में आयोजित की जाएगी, जिसमें 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर, 5 किलोमीटर और 2 किलोमीटर की दौड़ शामिल है। सभी श्रेणियों के लिए रूट और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, मैराथन के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख 25 जनवरी तय थी, लेकिन धावकों के भारी उत्साह को देखते हुए पंजीकरण की तारीख तीन दिन (28 जनवरी) के लिए और बढ़ा दी गई थी। इन एक्स्ट्रा तीन दिन में करीब 8 हजार नए रजिस्ट्रेशन के साथ 18 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं।

जिला भाजपा मीडिया प्रभारी लक्ष्मीनारायण गुप्ता ने बताया कि मैराथन रूट पर हर 600 मीटर की दूरी पर शहर के व्यापारी वर्ग और विभिन्न संस्थाओं को कुल 40 प्वाइंट दिए गए हैं, जहां से वे धावकों का उत्साहवर्धन कर सकेंगे। 8 फरवरी को सुबह पांच बजे से पहले ही धावक दौड़ के लिए पहुंचना शुरू हो जाएंगे। धावकों के लिए प्रवेश प्वाइंट बाल भारती स्कूल की ओर रखा गया है। वहां एक अलग मंच पर म्यूजिक सिस्टम लगाया जाएगा, जहां देशभक्ति गीतों और मोटिवेशनल सॉन्ग्स के जरिए सभी धावकों का वार्म-अप कराया जाएगा।

मैराथन के संयोजक अरुण जैन ने बताया कि गुरुवार सुबह नौ बजे से धावक प्रताप ऑडिटोरियम पहुंचकर आधार कार्ड की कॉपी जमा कर टी-शर्ट प्राप्त कर रहे हैं। यह मैराथन "अलवर की शान-टाइगर थीम" पर आयोजित की जा रही है। टी-शर्ट पर प्रत्येक धावक का यूनिक नंबर भी अंकित किया गया है।

दुकान में आग लगने से लाखों का नुकसान

आग लगने से दुकान में रखा सामान जल गया।

झुंझुनूं, (निसं)। स्थानीय खेमी शक्ति मंदिर के पास समसपुर रोड स्थित शिव मार्केटिंग होलसेल शॉप में बुधवार रात्रि करीब दस बजे अचानक आग लग जाने से दुकान में रखा सामान जलकर राख हो गया। फर्म के मालिक रामकरण पायल ने बताया कि वे चंडीगढ़ गए हुए थे। शाम को उनके भाई विजय ने दुकान बंद की थी। रात्रि को करीब 10 बजे राहगीरों ने दुकान में से धुआं निकलता देखा और उन्होंने आस-पास के घरों में रहने वालों को बताया तो पता चला। इस पर फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस ने पहुंचकर आग बुझाई। आग बिजली के शॉर्ट सर्किट से होने की आशंका है। आग से लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया।

अजमेर के जेएलएन अस्पताल में दुनिया का 43वां दुर्लभ ऑपरेशन सफल

- डॉक्टरों ने 59 वर्षीय महिला की अत्यंत दुर्लभ बीमारी "एस्ट्रो डुओडेनल इंटुससेप्शन" की सफल सर्जरी कर नया जीवन दिया
- यह मामला न केवल प्रदेश का पहला, बल्कि दुनिया का 43वां और भारत के गिने-चुने दुर्लभतम मामलों में से एक माना जा रहा है

अजमेर, (निसं)। राजस्थान ने चिकित्सा के क्षेत्र में एक ऐसी उपलब्धि हासिल की है, जिसने विश्व स्तर पर प्रदेश का मान बढ़ाया है। अजमेर स्थित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने 59 वर्षीय महिला की अत्यंत दुर्लभ बीमारी "एस्ट्रो डुओडेनल इंटुससेप्शन" की सफल सर्जरी कर उसे नया जीवन दिया है। यह मामला न केवल प्रदेश का पहला, बल्कि दुनिया का 43वां और भारत के गिने-चुने दुर्लभतम मामलों में से एक माना जा रहा है।

एक साल का दर्द और अनिश्चितता का हुआ अंत :-जेएलएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया ने बताया कि पाली जिले की निवासी महिला पिछले एक साल से नर्क जैसा जीवन जी रही थी। भोजन के बाद असहनीय पेट दर्द, लगातार उल्टी, मिचली और गिरते वजन ने उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ दिया था। कई अस्पतालों के चक्कर काटने के बाद भी बीमारी पकड़ में नहीं आ रही थी। अंततः परिजनों ने जेएलएन मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ गैस्ट्रो लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. अनिल के शर्मा से संपर्क किया। डॉ. शर्मा के नेतृत्व में जब एंडोस्कोपी और सीटी स्कैन किया गया, तो आंतों में समस्या के संकेत मिले। सटीक निदान के लिए डायग्नोस्टिक लेप्रोस्कोपी का निर्णय लिया गया। ऑपरेशन टेबल पर जब डॉक्टरों ने जांच की, तो वे भी हैरान रह गए। यह सामान्य समस्या नहीं बल्कि एस्ट्रो डुओडेनल इंटुससेप्शन थी, जिसमें पेट का एक हिस्सा खुद ही आंत के अंदर धंस जाता है।

निजी अस्पतालों में लाखों के खर्च वाली यह जटिल सर्जरी मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत पूर्णतः निःशुल्क की गई। डॉ. अनिल शर्मा के साथ डॉ. एमपी शर्मा एंडोस्कोपिस्ट और एनेस्थीसिया टीम का विशेष योगदान रहा। इस केस की दुर्लभता को देखते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय मेडिकल जर्नल्स में प्रकाशन के लिए भेजा जा रहा है।

डॉ. अनिल के शर्मा, वरिष्ठ सर्जन का कहना है कि हमारा लक्ष्य है कि विश्वस्तरीय चिकित्सा गरीब से गरीब व्यक्ति तक पहुँचे। यह सर्जरी हमारी टीम की क्षमता और सेवा भाव का जीवंत प्रमाण है।

डॉ. अरविंद खरे, अध्यक्ष जेएलएन मेडिकल अस्पताल ने जेएलएन मेडिकल कॉलेज टीम को बधाई दी और बताया कि अब राजस्थान के मरीजों को जटिल से जटिल सर्जरी के लिए बड़े महानगरों या विदेश जाने की आवश्यकता नहीं है। अजमेर का जेएलएन मेडिकल कॉलेज अब विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस है।

फर्जी दस्तावेजों से चिकित्सालय खोला

उदयपुर, (कासं)। एमबीबीएस छात्र ने अपने दस्तावेजों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर एमपी में चिकित्सालय खोलने वाले के खिलाफ प्रतापनगर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया।

कृष्णा बिहार पुराना अरटीओ के पास रहने वाले राजूल प्रताप एस चौहान पुत्र तेजसिंह ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ एमबीबीबीएस दस्तावेजों से कूटरचित दस्तावेज तैयार कर भोपाल एमपी में चिकित्सालय खोलने वाले के खिलाफ पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़त ने बताया कि 2021 में गुजरात में एमबीबीएस का रजिस्ट्रेशन करवाने के बाद एमडी अध्ययन शुरू किया था। 18 दिसंबर को बीमा कंपनी ने एमपी में स्थित चिकित्सालय में उपचाररत रोगी के बीमा क्लेम से संबंध में संपर्क किया। इस पर मैने उसे चिकित्सालय खोलने से इनकार कर दिया। इसका पता चलने पर प्रतापनगर पुलिस थाने में परिवाद दिया था। इसी को लेकर 3-4 दिन पूर्व दुबारा अन्य मेडिकल बीमा क्लेम में लिए कंपनी प्रतिनिधि ने मुझे फोन कर रोगी के उपचार को लेकर जानकारी मांगी। इस पर मैने दस्तावेज मंगवाए, तब कूटरचित दस्तावेज से चिकित्सालय खोले जाने की जानकारी सामने आई।

हिण्डौन : बाजार में मामूली विवाद के बाद पथराव

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग, व्यापारियों ने बाजार बंद किये

हिण्डौन सिटी, (निसं)। हिण्डौन के धाकड़ पोठा बाजार में गुरुवार को मामूली विवाद के बाद मारपीट और पथराव की घटना से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना के विरोध में स्थानीय व्यापारियों ने बाजार बंद कर धरना दिया। गुस्साए व्यापारियों ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है, गिरफ्तारी नहीं होने पर शुक्रवार को भी हिण्डौन शहर के बाजारों को बंद रखने की चेतावनी दी है।

जानकारी के अनुसार एक युवक बाइक से बाजार में सामान खरीदने आया था। इसी दौरान उसकी बाइक एक समुदाय विशेष के व्यक्ति से टकरा गई। इस छोटी सी बात पर विवाद बढ़ गया। जिसके बाद आरोपियों ने युवक के साथ मारपीट शुरू कर दी। युवक खुद को बचाने के लिए पास की एक दुकान में घुस गया। वहां मौजूद व्यापारियों ने बीच बचाव करने का प्रयास किया तो आरोपियों ने बाजार में पथराव करना शुरू कर दिया, जिससे बाजार में भगदड़ मच गई। मौके पर मौजूद महिलाओं और युवतियों में दहशत फैल गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। स्थानीय व्यापारियों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह, पुलिस उपाधीक्षक मुनेश कुमार मीणा और कोतवाली पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनाक्रम की जानकारी ली। इस दौरान नाराज व्यापारियों ने बाजार बंद कर दिए एवं स्थानीय लोगों के साथ धाकड़ पोठा बाजार में सड़क पर धरने पर बैठ गए। लोगों ने पुलिस को कहा कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, धरना जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो शुक्रवार को पूरे हिण्डौन शहर में बंद का आव्हान किया जाएगा। दूसरी ओर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है और शांति बनाए रखने के लिए स्थानीय लोगों को समझा रही है। पुलिस अतिरिक्त बल के साथ मौके पर मौजूद है।

अलवर यूआईटी ने अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया

अलवर नगर विकास न्यास की टीम ने कब्जे हटाये।

अलवर, (निसं)। अलवर नगर विकास न्यास (यूआईटी) की अतिक्रमण निरोधक टीम ने बन्ना राम मीणा की जमीन पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया।

नगर विकास न्यास की सचिव धाइगुडे स्नेहल नाना ने बताया कि ग्राम भूगोर झोपड़ी के खसरा नंबर 645 में करीब एक बीघा कृषि भूमि पर बिना न्यास की स्वीकृति और भू-परिवर्तन कराए ठोवल सड़क बनाकर अवैध प्लॉटिंग और चारदीवारी की जा रही थी। जमीन पर बन्नाराम मीणा सहित मुकेश, बृजमोहन, महेंद्र, संतोष देवी, छाजूराम व अन्य द्वारा अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी, जिसे टीम ने तोड़ दिया। इसके अलावा अंबेडकर नगर की वेयरहाउस योजना में सड़क के मुख्य हिस्से पर लगाए गए अवैध खोखे और ठेलों को हटाया गया। वहीं बिना अनुमति की जा रही अवैध ट्रक पार्किंग को भी हटाकर न्यास की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

अनुसूचित जाति आयोग ने आयुक्त कॉलेज शिक्षा को फिर नोटिस भेजा

- पूर्व के तीन नोटिस का जवाब नहीं देने पर राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग नाराज

जयपुर। प्रो. रमेश बैरवा के साथ किए जा रहे सेवा उत्पीड़न की शिकायत पर कड़ा संज्ञान लेकर राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने आयुक्त कॉलेज शिक्षा को एक बार फिर नोटिस भेजा है। दिनांक 15 दिसम्बर 2025, 12 जनवरी 2026 एवं 21 जनवारी 2026 को 3 नोटिस आयोग ने जवाब के लिए भेजे थे।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की उपनिदेशक अनुराधा दुसाने द्वारा 4 फरवरी को आयुक्त कॉलेज शिक्षा को भेजे नोटिस में लिखा है कि अपेक्षित सूचना 3 दिन के अनुबंधित समय में नहीं देने को आयोग ने गंभीरता से लिया है। आयुक्त को फिर से आदेशित किया है कि आयोग को अपेक्षित सूचना बिना किसी विलंब के अतिशीघ्र भेजी जाए ताकि आयोग अध्यक्ष को वास्तविक स्थिति से अवगत कराया जा सके। शिकायत में उल्लेख है कि राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी प्राचार्य प्रो.सुमित्रा मीणा ने अवकाश पर जाने के उपरांत कॉलेज के सबसे वरिष्ठ प्रोफेसर होने के कारण जैसा कि अन्य महाविद्यालयों में होता है। महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य का चार्ज प्रार्थी को 19.11.2025 से दिया हुआ था। लेकिन आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान के संयुक्त निदेशक एचआरडी डॉ.शोभाराम शर्मा ने 20.11.2025 को अनुसूचित जाति के प्रोफेसर की वरिष्ठता को जानबूझकर नजरअंदाज कर अत्यंत जूनियर डॉ.बनवारी लाल मेनावत को महाविद्यालय चार्ज के आदेश दे दिए। डॉ.मेनावत चयनित प्राचार्य नहीं है जैसा कि भ्रम फैलाया जा रहा है। इनसे मिलीभगत रखने वाले,पक्षपात करने वाले अधिकारियों ने तथ्य छुपाए हैं। अनुसूचित जाति के प्रोफेसर के साथ किया गया यह खुला भेदभाव है इससे प्रार्थी की सामाजिक प्रतिष्ठा को भारी हानि हुई है। डॉ. मेनावत ने कार्यवाहक प्राचार्य की अनुमति के बिना देर रात्रि स्वयं ही जबरन चार्ज लेने के उपरांत, पद का दुरुपयोग कर प्रार्थी को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। अगले ही दिन प्रार्थी को राजकीय कन्या महाविद्यालय वजीरपुर जो करीब 25 किलोमीटर दूर है में कार्य व्यवस्था हेतु आदेशित कर दिया।

प्रो.रमेश बैरवा ने यह भी बताया कि आयोग के नोटिस की परवाह किए बिना कुछ दिन पूर्व आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा के 29 जनवरी के आदेश से प्रार्थी को एक बार फिर वंचित कर उन्हीं जूनियर डॉ.बनवारी लाल मेनावत को राजकीय महाविद्यालय के आहरण एवं वितरण अधिकारी (डीडीओ) की पावर दे दी गई है। इससे इन्हें फिर मानसिक पीड़ा हुई है।

अवैध हथियार के साथ दो हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

सूरजगढ़ में कोर्ट के बाहर गाड़ी में तोड़फोड़ करने के मामले में कार्रवाई की

- पीलानी पुलिस ने चिड़ावा डीएसटी टीम की मदद से कारवाई कर आरोपियों को पकड़ा

पिलानी, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने चिड़ावा डीएसटी टीम की मदद से सूरजगढ़ थाने के दो हिस्ट्रीशीटरों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों हिस्ट्रीशीटरों ने अपने चार अन्य साथियों के साथ मिलकर दो दिन पहले ही सूरजगढ़ कोर्ट परिसर के बाहर खड़ी पूर्व पंचायत समिति सदस्य नीरज भड़िया की गाड़ी के साथ तोड़फोड़ की थी। पुलिस को इस मामले में आरोपियों की तलाश थी।

पिलानी पुलिस ने चिड़ावा डीएसटी टीम की मदद से एक पिस्टल, चार कारतूस और कैंपर गाड़ी जब्त की।

चिड़ावा डीएसटी प्रभारी एएसआई शशिकांत को इत्तला मिली थी कि दो युवक अवैध हथियारों के साथ बेरी इलाके में हैं। जिस पर डीएसटी ने पिलानी पुलिस की मदद से बेरी गांव में पीरूसिंह खेल मैदान के पास नाकाबंद शुरू की। इत्तला के अनुसार ही कुछ देर बाद बेरी गांव की तरफ से एक कैंपर गाड़ी आती हुई दिखाई दी। पुलिस की नाकाबंदी को देखकर कैंपर सवार युवकों ने गाड़ी को वापस घुमा लिया और अपनी गाड़ी को बेरी गांव की बणी की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते की ओर भाग गए, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर गाड़ी रूकवाई, जिसमें सवार सूरजगढ़ थाना इलाके के दोबड़ा निवासी 22 वर्षीय आकाश उर्फ शूटर पुत्र रामसिंह नाई तथा स्वामी सेही निवासी ललित धानक उर्फ लीता पुत्र जसवंत धानक की तलाशी ली गई तो एक अवैध पिस्टल और चार कारतूस मिले। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एक पिस्टल, चार कारतूस और कैंपर गाड़ी को जब्त कर लिया है। पूछताछ के दौरान दोनों गिरफ्तार युवकों ने दो दिन पहले सूरजगढ़ कोर्ट के बाहर गाड़ी से तोड़फोड़ करने की बात स्वीकार की है। गिरफ्तार दोनों युवक सूरजगढ़ थाने के हिस्ट्रीशीटर है। ललित उर्फ लीता के खिलाफ विभिन्न थानों में 10 तथा आकाश उर्फ शूटर के खिलाफ विभिन्न थानों में 15 मामले दर्ज है। सीआई चंद्रभान ने बताया कि दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जा रहा है। जिन्हें रिमांड पर लाकर पूछताछ की जाएगी। आरोपियों से और भी मामलों का खुलासा हो सकता है। पिलानी पुलिस द्वारा पूछताछ पूरी होने के बाद आरोपियों को सूरजगढ़ पुलिस तोड़फोड़ के मामले में गिरफ्तार करेगी।

ऑक्सीजन सिलेण्डर से भरी लोडिंग टैक्सी की कार से भिडंत : जोधपुर के बोरानाडा कंटेनर डिपो के सामने एक गंभीर सड़क दुर्घटना हो गई। इसमें ऑक्सीजन सिलेंडर ले जा रही लोडिंग टैक्सी और गलत दिशा से आ रही किया कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं टैक्सी चालक घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ जब टैक्सी बोरनाडा इंडस्ट्रियल एरिया की ओर जा रही थी। टक्कर इतनी तेज थी कि किया कार के एयरबैग खुल गए, जिससे कार चालक को कोई गंभीर चोट नहीं आई और वह सुरक्षित रहा। वहीं लोडिंग टैक्सी चालक हैंडल और टैक्सी के बीच बुरी तरह फंस गया। टक्कर के बाद टैक्सी का अगला हिस्सा झुक गया, जिससे चालक को बाहर निकालना मुश्किल हो गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए करीब 15 से 20 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद टैक्सी का हैंडल तोड़कर चालक को बाहर निकाला। हादसे में टैक्सी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर बोरनाडा पुलिस मौके पर पहुंची।

बैटरी चोर गिरोह का पर्दाफाश

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की सुभाष नगर थाना पुलिस ने वाहन मालिकों के लिए सिरदर्द बने बैटरी चोर गिरोह का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 40 से अधिक वारदातों का खुलासा किया है। पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार सुभाषनगर थाना प्रभारी कैलाश कुमार विश्नोई के नेतृत्व में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की सूचना पर जाल बिछाया। पुलिस को बड़ी कामयाबी तब मिली, जब उन्होंने दो शातिर चोर विक्रम सिंह उर्फ मोंटू और नरेश उर्फ नन्नू को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार एक फरवरी को राहुल कुमार नामक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

कथित अवैध वसूली के आरोप में पटवारी निलंबित

जोधपुर, (कासं)। बालेसर में चामू पंचायत समिति की प्रहलादपुरा ग्राम पंचायत के पटवारी दिनेश जाणी को निलंबित कर दिया गया है। ग्रामीणों से कथित अवैध वसूली का वीडियो सामने आने के सात दिन बाद उपखंड अधिकारी ने यह कार्रवाई की। निलंबन अवधि में पटवारी का मुख्यालय बालेसर उपखंड कार्यालय रहेगा।

जानकारी के अनुसार यह वीडियो गत तीस जनवरी को वायरल हुआ था। इसमें पटवारी बनियान पहने एक कमरे में बैठे दिख रहे हैं, जबकि उनके पास बैठे कुछ लोग हाथ में कागज लिए रुपए इकट्ठा करते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि, यह वीडियो एक-दो साल पुराना बताया जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद, बालेसर उपखंड अधिकारी भवानी सिंह चारण ने 31 जनवरी को पटवारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था। पटवारी द्वारा दिया गया जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। वीडियो को देखते हुए उपखंड अधिकारी भवानी सिंह चारण ने अब पटवारी दिनेश जाणी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। पटवारी दिनेश जाणी ने इस संबंध में बताया कि यह वीडियो करीब दो साल पुराना है। उनके अनुसार, प्रहलादपुरा ग्राम पंचायत में एक गौशाला है जिसकी चारदीवारी नहीं है। गौशाला के पंजीकरण और चारदीवारी निर्माण के लिए ग्रामीण गौवंश के लिए पैसे एकत्रित कर रहे थे।

भीलवाड़ा : दूषित पानी पीने को मजबूर हैं बड़ी हरणी गांव के लोग

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के बड़ी हरणी गांव के बाहर हरणी महादेव रोड पर पंचवटी के पास जलदाय विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां पिछले करीब एक साल से चंबल पाइप लाइन में आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर बड़े लीकेज हैं, जिसके चलते रोजाना हजारों लीटर शुद्ध पेयजल सड़कों पर बहकर व्यर्थ हो रहा है। सड़क पर लगातार पानी बहने से पूरी सड़क कीचड़ में तब्दील हो चुकी है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों का निकलना दूभर हो गया है। सबसे गंभीर स्थिति पेयजल आपूर्ति को लेकर है। पाइपलाइन में लीकेज होने के कारण बाहर का गंदा पानी और कीचड़ पाइपों के भीतर चला जाता है, जिसके परिणाम स्वरूप क्षेत्रवासियों के घरों में नलों के जरिए दूषित और बदबूदार पानी पहुंच रहा है।

स्थानीय निवासी रामपाल सुथार का कहना है कि वे लंबे समय से कीचड़ मिला पानी पीने को मजबूर हैं, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी गंभीर संकट खड़ा होने की आशंका है। इलाके के लोगों ने रोष प्रकट करते हुए बताया कि दूषित पानी के सेवन से बच्चों और बुजुर्गों में बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

संक्षिप्त

बजरी से भरे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

निवाई(निसं)। पुलिस ने अवैध बजरी खनन व परिवहन की रोकथाम को लेकर बजरी से भरे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि एसपी राजेशकुमार मीणा के निर्देशानुसार क्षेत्र में अवैध बजरी खनन व परिवहन की रोकथाम को लेकर एडीशनल एसपी रतनलाल भार्गव व डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा के सुपरविजन में पुलिस की अलग-अलग विशेष टीम का गठन किया। टीमों द्वारा गश्त के दौरान अलग-अलग स्थानों से अवैध बजरी से भरे हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त करके थाना परिसर में खड़ा करवा दिया है। पुलिस ने चालक व मालिक के विरूद्ध एमएमडीआर एक्ट में मामला दर्ज किया है।

नवजात बच्ची को कोठारी नदी में फेंका

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में एक मां ने अपनी नवजात बच्ची को कोठारी नदी में फेंक दिया। आरजिया गांव के ग्रामीणों ने जब मासूम के शव को देखा, तो हर कोई सन्न रह गया। सूचना मिलते ही मांडल पुलिस मौके पर पहुंची। के.सी. धाबाई ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि बच्ची को जन्म के बाद जिंदा हालत में नदी में फेंका गया था। चार दिन पहले ही भीलवाड़ा के पालना गृह में भी एक नवजात को छोड़ दिया गया था। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अस्पतालों और आशा सहयोगिनियों से रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं।

खोया पाया

मेरे प्लाट नम्बर 694, रामचन्द्र विहार, जेडिए स्कीम जयपुर का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र/ पजेशन लैटर कहीं खो गया है। मिलने पर सूचित करें रीनू लुल्ला– 8302555507

मेरे प्लाट नम्बर 885, आनन्द विहार, जेडिए स्कीम जयपुर का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र कहीं खो गये है। मिलने पर सूचित करें हरित शुक्ला– 7339975758

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर की आवासीय योजना–विधाधर नगर, जयपुर के प्लॉट नम्बर 1/65 की मूल मुख्त्यारनामा आम (POWER OF ATTORNEY) कही गुम हो गई है। मिलने पर सूचित करें। –बाबूलाल शर्मा– मो.: 9950604244

मेरे भूखण्ड–A2/233 जे.डी.ए. की योजना– ट्रांसपोर्ट नगर सीकर रोड जयपुर का जे.डी.ए. से जारी मूल आवंटन–पत्र कही गुम हो गया है सूचित करे– गोर्धन सिंह मो. 9829665418

मेरे भूखण्ड सं–F/118 जे.डी.ए. की योजना कल्पना नगर आगरा रोड जयपुर का जे.डी.ए. से जारी मूल अल्लोटमेंट लैटर व कब्जा पत्र कही गुम हो गया है मिलने पर सूचित करे बनवारी लाल चोहान –7976897331

प्लॉट नं. 124, योजना महल विस्तार, एफ–ब्लॉक, जयपुर का मूल विक्रय पत्र दिनांक 28.06.2017(हनुमान सहाय शर्मा बहक विष्णु कुमार गुप्ता) कही गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें। मो.: 9414544215 ज्याना देवी

मेरा 12th क्लास शारदा विद्या मंदिर, अम्बाबाड़ी जयपुर का ट्रान्सफर सर्टिफिकेट कही खो गया है मिलने पर सूचित करे– वरन्या पूनीया– 9461188551.

मेरे मकान संख्या 11/119, कावेरी पथ, मानसरोवर जयपुर का मूल ट्रांसफर लेटर (Transfer Letter), संख्या DHC-II/2599, जारी दिनांक 18/01/2023 जो हाउसिंग बोर्ड द्वारा नीरज भटेजा के पक्ष में जारी किया गया था, कहीं खो गया है मिलने पर सम्पर्क करें – नीरज भटेजा 9828019828

मेरी संपति F–109 सिटी प्लाजा बनीपार्क जयपुर के चैन आफ डॉक्युमेंट की असल रजिस्ट्री नीलम पुरोहित पत्नी श्री N K पुरोहित के नाम की है दिनांक 21/01/2026 को विद्याधर नगर से बनीपार्क जाते समय गिर गए, मिले तो सूचित करें। नरेश कुमावत मो. 9928083125

मेरे प्लाट नम्बर 883, रामचन्द्र विहार, जेडिए स्कीम जयपुर का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र/ पजेशन लैटर कहीं खो गया है। मिलने पर सूचित करें रीनू लुल्ला– 8302555507

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सामुदायिक भवन सामाजिक व सांस्कृतिक जीवन की धुरी : दिलीप इसरानी

- दो करोड़ रूपए की लागत के विकास कार्य जनता को समर्पित
- ढोल नगाड़े के साथ भव्य जुलूस निकालते हुए डीजे प नाचते गाते हुए लोकार्पण समारोह में लेकर गए

निवाई,(निसं)। वार्ड नंबर 20 में स्थित सुभाष कॉलोनी में नवनिर्मित अत्याधुनिक सामुदायिक भवन सहित करीब दो करोड रुपये की लागत से हुए विकास कार्यो का मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी, शहर अध्यक्ष नितिन छाबडा व पार्षद बाबूलाल सैनी ने विधिवत फीता काटकर लोकार्पण किया। इस दौरान वार्ड वासियों ने मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी को ढोल नगाड़े के साथ भव्य जुलूस निकालते हुए डीजे प नाचते गाते हुए लोकार्पण समारोह में लेकर गए। जुलूस में वार्ड वासियों ने जमकर आतिशबाजी की। मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने कहा कि सामुदायिक भवन किसी भी क्षेत्र के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन की धुरी होते हैं। यह भवन क्षेत्रवासियों के लिए एक स्थायी संपत्ति है, जहां सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं जनहित के कार्यक्रमों का सुचारू आयोजन हो सकेगा।

सुभाष कॉलोनी में सामुदायिक भवन का लोकार्पण करते हुए पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी।

उन्होंने कहा कि निवाई क्षेत्र में विकास कार्यों की गति निरंतर तेज हुई है और आने वाले समय में और भी महत्वपूर्ण परियोजनाएं संचालित होगी। क्षेत्र में लगभग 1200 करोड रुपए की लागत से विकास कार्य किए जा रहे हैं। जिससे आमजन को सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि नगर पालिका शहर को सुव्यवस्थित, सुविधाजनक एवं विकसित बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि यह भवन क्षेत्रवासियों के सामाजिक आयोजनों के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करेगा। नगर पालिका का लक्ष्य केवल निर्माण नहीं, बल्कि नागरिकों को स्थायी व गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र में लगभग 700 कार्य वर्तमान समय में प्रगति पर हैं। नए 5 वार्डों में लगभग 15 करोड़ रुपए के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। जिसमें विभिन्न कार्य शामिल किए गए हैं। आने वाले समय में कई विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया जाएगा। अधिशासी अधिकारी मनोहरलाल जाट ने विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि नगर में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन भाजपा के महामंत्री जयनारायण कुमावत ने किया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमाकांत शर्मा, पार्षद परसराम कुमावत, ओपी गुप्ता, राजकुमार करनानी, सुरेश राजवंशी, जगदीश बैरवा, मोला सेन, जयनारायण कुमावत, मदनलाल वर्मा, लालचन्द सैनी, नटवाडा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय, एडवोकेट डॉ. तेजभंवरसिह राठौड, पूर्व पार्षद मोहम्मदीन, कैलाश नटवाडा, बाबूलाल सैनी, शंकरलाल सैनी, मंगलराम मीणा, रमेश सैनी, संजय वर्मा, सियाराम शर्मा, मुकेश खटाणा, सहायक अभियंता पप्पूलाल मीणा, निशांक जैन व राहुल सेन सहित कई अधिकारी, कर्मचारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

कृषि महाविद्यालय में प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

निवाई(निसं)। कृषि महाविद्यालय में अधिष्ठाता डॉ. आरएस मीणा के सानिध्य में सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अधिष्ठाता डॉ. आरएस मीणा ने बताया कि महाविद्यालय में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका थीम पर आयोजित सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर में छात्र–छात्राओं को नियमानुसार एवं अनुशासन में रहने के लिए जागरूक किया। शिविर प्रभारी राजेश ने शिविर की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता एवं आग सुरक्षा नियमों सहित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

वर्षा जल संरक्षण हेतु 1लाख 5 हजार का खेत तलाई के लिए अनुदान

- वर्षा जल के संरक्षण हेतु कृषि विभाग से खेत तलाई योजना के लिए प्राप्त अनुदान से खेती को बहुआयामी और अधिक लाभकारी स्वरूप दिया है

पावटा(निसं)। पंचायत समिति पावटा के गिरदावर सर्किल टसकोला में उपखंड अधिकारी पावटा डॉ.साधना शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर में किसान प्रभु दयाल पुत्र देडाराम रैगर ग्राम–भोनावास ने नवाचार, वर्षा जल संरक्षण और सरकारी योजनाओं के समुचित उपयोग से आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल पर गिरदावर सर्किल टसकोला में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर में गुरुवार को शिविर में पहुंचे प्रभुदयाल ने बताया कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के सहयोग से उन्होंने वर्षा जल के संरक्षण हेतु कृषि विभाग से खेत तलाई योजना के लिए प्राप्त अनुदान से खेती को बहुआयामी और अधिक लाभकारी स्वरूप दिया है। प्रभु दयाल पुत्र देडाराम रैगर निवासी ग्राम–भोनावास, पं. स. पावटा ने बताया कि मैं खेती का कार्य करता हूं, मेरी आमदनी का एकमात्र स्त्रोत कृषि है, मेरे गांव भौनावास में पानी की विकट समस्या है मैंने कृषि विभाग के कार्मिक कृषि पर्यवेक्षक से संपर्क किया उन्होंने मुझे वर्षा जल संरक्षण हेतु खेत तलाई पर अनुदान के बारे में बताया। उनके बताये अनुसार मैंने वर्षा जल के संरक्षण हेतु कृषि विभाग से अनुदान हेतु खेत तलाई योजना में आवेदन किया था। कृषि विभाग के दिशा निर्देशानुसार मैंने खेत तलाई का निर्माण करवाया जिस पर मुझे 1लाख 5 हजार रूपये का अनुदान प्राप्त हुआ, अब मैं खेत तलाई में वर्षा जल को इकट्ठा करके 1 हेक्टेयर क्षेत्र में खेती कर रहा हूं। खेत तलाई निर्माण से पहले मैं सिर्फ खरीफ सीजन में केवल बाजरा फसल लेता था लेकिन अब मैं रबी सीजन की फसल गेहूं, सरसों, जौ एवं सब्जियों की खेती भी करता हूं। जिससे मेरी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है, मैं इसका श्रेय कृषि विभाग को देता हूं।

जोधपुर रेल मंडल प्रबंधक से ट्रेनों के ठहराव की मांग

सांभरझील, (निसं)। सांभर रेलवे स्टेशन पर जरूरी ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर सांभर के हिमांशु व्यास ने जोधपुर रेल मंडल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी को ज्ञापन सोपा। बताया कि सांभर से रोजाना हजारों दैनिक रेल यात्री फुलेरा जाकर ट्रेन पकडते हैं और फिर जयपुर अपने गंतव्य स्थल की ओर जाते हैं। इससे उन पर आर्थिक बोझ भी पडता है और समय की बर्बादी भी होती है। सांभर झील स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव नहीं होने की समस्या विगत कई सालों से चली आ रही है। दैनिक रेल यात्री संघ के पदाधिकारीयों की ओर से भी लगातार मांग की जा रही है लेकिन रेलवे प्रशासन ने अभी तक उनकी मांग को पूरा नहीं किया है।

पावटा में स्त्री रोग विशेषज्ञ व नेत्र रोग विशेषज्ञ ने संभाला कार्यभार

पावटा(निसं)। उपजिला अस्पताल पावटा में नव नियुक्त स्त्री रोग विशेषज्ञ ब्रजेश शर्मा व नेत्र रोग विशेषज्ञ दयाराम जाट ने विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण कर लिया। रोग विशेषज्ञ ब्रजेश शर्मा ने कार्यभार ग्रहण करते ही उन्होंने प्रसूति एवं महिला स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और चिकित्सकीय स्टाफ से आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर अस्पताल प्रशासन ने उनका स्वागत किया और उम्मीद जताई कि उनके कार्यभार संभालने से क्षेत्र की महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। स्त्री रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति से प्रसव सेवाओं, महिला रोगों की जांच व उपचार, परामर्श और आपातकालीन सेवाओं में सुधार होने की संभावना है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, लंबे समय से स्त्री रोग विशेषज्ञ के अभाव में मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

इलियास मेमोरियल टेनिस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

टोंक(निसं)। खलील क्लब टोक पर 3 फरवरी से चल रही इलियास मेमोरियल लॉन टेनिस प्रतियोगिता के संयोजक मुमताज राही ने बताया कि प्रतियोगिता में सीनियर खिलाड़ियों के साथ-साथ जूनियर बालक और बालिकाओं ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सबको मोहित किया। सीनियर वर्ग पुरुष डबल्स में के एल गुर्जर और एहतेशामुद्दीन खान ने इशरत अली और कामरान अली को 7-4 से दूसरे मुकाबले में सादी कमर और सरवत अली ने ओवैस नकवी और बिलाल अहमद को 7-5 से हराया। अंडर 12 बालक वर्ग के फाइनल में अयान चौधरी ने भव्य चौधरी को 8-1 से हराया एवं अंडर 14 बालिका वर्ग में अनुषा शर्मा ने तहुरा को 8-0 से हराया, अंडर 14 बालक वर्ग के सेमीफाइनल में मोहम्मद उस्मान ने हम्माद को 6-8 से हराया व अंडर 16 वर्ग में मोहम्मद उस्मान ने अजीम को सेकंड राउंड में 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में जाएंगे बनाई। इस अवसर पर शिक्षाविद सुनील बंसल और देवेन्द्र गुर्जर ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। कार्यक्रम का पारितोषिक वितरण समारोह दिनांक 6 फरवरी को होगा, जिसमे मोइनुद्दीन निजाम मुख्य अतिथि होंगे।

सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन

अलवर (निसं)। राजपूत सेवा समिति अलवर द्वारा तृतीय राजपूत समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन श्री बाबा नत्थू राम मंदिर अलावलपुर रसगन, नौगावा जिला अलवर में आयोजित किया गया। इस विवाह सम्मेलन में 26जोड़े विवाह में उपस्थित रहे। समिति पदाधिकारियों में सरपंच दरबार सिंह, अध्यक्ष अमर जीत सिंह, कोषाध्यक्ष मोहन सिंह, सचिव सीताराम एवं जय सिंह द्वारा निर्मल प्रकाश सुरा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय ओड महा सभा संस्थान राजस्थान एवं सुमन पवार प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा राष्ट्रीय ओड महा सभा संस्थान राजस्थान कासाफा बांधकर, शाल ओढाकर स्वागत सम्मान किया।

निर्मल सुरा ने बताया कि राष्ट्रीय ओड महा सभा संस्थान राजस्थान की ओर से छब्बीस पानी के मिल्टन बोतल महिला मोर्चा सुमन द्वारा एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष निर्मल सुरा द्वारा राष्ट्रीय ओड महा सभा संस्थान राजस्थान संगठन द्वारा भेट की गई।

जिला कलैक्टर ने किया शिक्षण संस्थानों का निरीक्षण, प्रेक्टिकल नॉलेज पर दिया जोर

टोंक(निसं)। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने गुरुवार को जिला मुख्यालय के डाईट रोड स्थित बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान पन्नाधाय आवासीय विद्यालय, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने संस्थानों में छात्राओं को कराए जा रहे शार्ट एवं मिड टर्म कार्सेज की जानकारी ली साथ ही विद्यार्थियों की सैद्धान्तिक एवं प्रेक्टिकल नॉलेज को भी परखा।

बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान में 30 दिवसीय महिला ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल छात्राओं से संवाद कर उन्हें दिये जा रहें प्रशिक्षण की गुणवत्ता को जांचा। उन्होंने मौके पर ही छात्राओं से ब्यूटी पार्लर से सम्बन्धित सिखाये जा रहे कौशल को देखा एवं छात्राओं से थ्रेडिंग कौशल को करवाया। उन्होंने प्रशिक्षणकर्ताओं को व्यवहारिक ज्ञान पर ओर ध्यान देने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का निरीक्षण किया।

जिला कलेक्टर ने एसीईओ ललित कुमार एवं संस्थान के निदेशक शैलेन्द्र सिंह को जिला उद्योग केन्द्र और राजीविका के माध्यम से कोर्स करने के बाद स्वरोजगार के लिए लोन की सुविधा एवं अन्य सैद्धान्तिक नॉलेज को देने के लिए एक-एक दिन का सेशन कराने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने पन्नाधाय आवासीय विद्यालय में निरीक्षण के दौरान बालिकाओं से विद्यालय में पढ़ाई की स्थिति, भोजन एवं भविष्य को लेकर उनकी योजनाओं पर संवाद किया।

सरकारी विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में बनेंगे बालिका शौचालय

अलवर (निसं)। जिला प्रशासन के अभिनव पहल पर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने एवं सरकारी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रों के शौचालय विहिन सरकारी विद्यालयों एवं आंगनबाडी केंद्रों में 102 बालिका शौचालयों का निर्माण कार्य की स्वीकृतियां जारी कर तीन माह में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये गए हैं। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुखे गौरव रवीन्द्र ने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देशन पर जिले के कठूमर, गोविंदगढ़, रामगढ़, थानागाजी, मालाखेडा, रैणी, राजगढ़, उमरैण एवं लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों एवं आंगनबाडी केंद्रों का ब्लॉकवार सर्वे कराया गया, जिसके आधार पर 37 राजकीय विद्यालयों एवं 65 आंगनबाडी केंद्रों में बालिका शौचालयों का निर्माण आगामी तीन माह में कराया जाएगा, जिससे आगामी सत्र में छात्राओं को स्वच्छ, सुरक्षित और गरिमामय वातावरण मिल सकेगा।

कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत : सतीश पूनियां

- भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां का किया भव्य स्वागत

कोटपूतली, (निसं)। राजमार्ग स्थित दीवान होटल में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां का कोटपूतली आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल के नेतृत्व में माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर पूनियां ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये कहा कि संगठन की असली ताकत कार्यकर्ता ही होते हैं। कार्यकर्ताओं की बदौलत ही भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनी है तथा प्रदेश व केंद्र में भाजपा की सरकार बनाने में कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि एक कार्यकर्ता ही है जो कभी पूर्व नहीं होता। इस दौरान जिला

कोटपूतली आगमन पर डॉ. सतीश पूनियां का भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा माला व साफा पहनाकर स्वागत किया ।

महामंत्री एड. सुरेंद्र चौधरी, पूर्व जिला संगठन प्रभारी सतवीर यादव, व्यापार महासंघ अध्यक्ष मैथलीशरण बंसल, जिला उपाध्यक्ष जयराम सिंह गुर्जर, जिला कार्यालय प्रभारी एड. अशोक सुरेलिया, भाजपा नेता करण पटेल, जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष बजरंग लाल शर्मा, एससी मोर्चा प्रदेश मंत्री एड. सुबेसिंह मोरोड़िया, मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह शेखावत, राजवीर यादव, एड. रमेश रावत, सीताराम शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुभाष घोघड़, मनोज शर्मा, राजाराम कसाणा, रजनीश बंसल, राजेश सराधना, राहुल सोनी, दाताराम, हंसराज रावत, देवेंद्र आर्य, नागेंद्र सिंह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहें।

नवजात बच्ची को कोठारी नदी में फेंका

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में एक मां ने अपनी नवजात बच्ची को कोठारी नदी में फेंक दिया।

आरजिया गांव के ग्रामीणों ने जब मासूम के शव को देखा, तो हर कोई सन्न रह गया। सूचना मिलते ही मांडल पुलिस मौके पर पहुंची। के.सी. धाबाई ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि बच्ची को जन्म के बाद जिंदा हालत में नदी में फेंका गया था। चार दिन पहले ही भीलवाड़ा के पालना गृह में भी एक नवजात को छोड़ दिया गया था।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

आवश्यक सूचना

आवास संख्या 3/528, एस.डब्ल्यू.बी. योजना अलवर जो कि मूलतः श्री बृजेश कुमार मित्तल पुत्र श्री प्रकाश चन्द मित्तल को जयें आवंटन पत्रांक 5795 दिनांक 14.10.1987 के द्वारा आवंटित किया गया था। इनके बेचान उपरान्त मण्डल द्वारा आवास का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 2162 दिनांक 28.06.2005 को श्री वीर सिंह सोनी पुत्र श्री मुरारीलाल सोनी के पक्ष में जारी कर दिया गया था। श्री वीर सिंह सोनी द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 28.06.2011 को उपपंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री वीर सिंह सोनी की मृत्यु दिनांक 26.11.2016 को हो जाने के उपरान्त उनके उत्तराधिकारी पुत्र श्री रविन्द्र सोनी द्वारा प्रस्तुत पंजीकृत रिलीजडीड (हकत्याग पत्र) दिनांक 05.01.2026 व मण्डल नियमानुसार प्रस्तुत शपथपत्रों एवं अन्य प्रपत्रों के आधार पर उक्त आवास का मृत्यु उपरान्त नाम प्रतिस्थापन हस्तांतरण किये जाने हेतु शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 3/528, एस.डब्ल्यू.बी. योजना अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्री रविन्द्र सोनी पुत्र स्व. श्री वीर सिंह सोनी के पक्ष में आवास का मृत्यु उपरान्त नाम प्रतिस्थापन हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

उप आवासन आयुक्त
राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

आम-सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या नन्ही बेगम पत्नी श्री अब्दुल शकूर निवासी मकान नम्बर-4147, बैरवा बस्ती, बाबू का टीबा, गंगाबक्श, जोशी का रास्ता, जयपुर ने अपनी पुत्री हिना पुत्री अब्दुल शकूर को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। मेरी पुत्री द्वारा विवाहित पुरुष के साथ रह रही है और गलत संगत में है और मुझे मानसिक रूप से प्रताडित करती है एवं हैरान परेशान करती है एवं मेरे कहने में नहीं है। यदि कोई भी व्यक्ति, संस्था इत्यादि मेरी पुत्री हिना से किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार, लेन-देन करेगा तो उसकी समस्त जिम्मेदारी उसकी स्वंय की होगी। मेरे अभिभाष्यगण की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहे।

जयपुर (पी.एम. खान) एडवोकेट

राजस्थान आवासन मण्डल– वृत तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर
क्रमांक 386 फोन- 0141-4901853 दिनांक 03/02/2026

-: आम जाहिर सूचना :-

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या 1/ख/26 जवाहर नगर, जयपुर का आवंटन श्री विनोद कुमार चड्ढा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 21437 दिनांक 31/10/1973 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 888 दिनांक 29/04/1974 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास के पंजीयन पत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर नगर में दिनांक 06/10/1977 को करवाया गया। मूल आवंटी श्री विनोद कुमार चड्ढा की मृत्यु दिनांक 11/08/2015 को हो जाने के कारण श्रीमती आशा चड्ढा पत्नी स्व. श्री विनोद कुमार चड्ढा के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की छाया प्रति, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति एवं रजिस्टर्ड हकत्याग की छाया प्रति प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने पक्ष में करने का निवेदन किया गया है।

अत: उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/ बैंक/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती आशा चड्ढा पत्नी स्व. श्री विनोद कुमार चड्ढा के पक्ष में आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।

सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर - 0141-4901853
क्रमांक : 288 **आम जाहिर सूचना** दिनांक : 27.01.2026

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा **आवास संख्या- 3/MB/410 इन्दिरा गांधी नगर जगतपुरा, जयपुर** क्षेत्रफल **128.00 वर्ग मीटर** का आवंटन **श्री शफी उल इस्लाम पुत्र श्री शमशुल इस्लाम** करे को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1823 दिनांक 08/02/2005 जारी किया गया था। उनके द्वारा आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर चतुर्थ में दिनांक 24/07/2008 को करवाया गया। तत्पश्चात **श्री शफी उल इस्लाम पुत्र श्री शमशुल इस्लाम** के द्वारा उक्त आवास का मुख्त्यारनामाआम **श्रीमती अनिता चौधरी पुत्री श्री लहरी सिंह** को कर मुख्त्यारनामा आम का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर प्रथम में दिनांक 11/11/2005 का करवाया गया। तत्पश्चात मुख्त्यारनामा आम धारिका **श्रीमती अनिता चौधरी पुत्री श्री लहरी सिंह** के द्वारा उक्त आवास का बेचान **कुमारी हर्षिता पुत्री श्री जसवंत सिंह** को विक्रय कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर चतुर्थ में दिनांक 24/07/2008 को करवाया गया। तत्पश्चात **कुमारी हर्षिता पुत्री श्री जसवंत सिंह** के द्वारा आवास का बेचान **श्री सर्वदमन सिंह पुत्र श्री जतन सिंह जतन सिंह** को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 03/02/2011 को करवाया गया। तत्पश्चात **श्री सर्वदमन सिंह पुत्र श्री जतन सिंह** के द्वारा के द्वारा उक्त आवास का बेचान **श्री गिर्राज प्रसाद मीणा पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण मीणा** को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर पंजीयक, जयपुर अष्टम में दिनांक 26/09/2012 को करवाया गया। **श्री गिर्राज प्रसाद मीणा पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण मीणा** के द्वारा उक्त आवास का मूल आवंटी के नाम पंजीयन हो जाने के बाद पश्चातवर्ती अंतिम क्रेता का नाम मण्डल अभिलेख में दर्ज करने बाबत निवेदन किया गया है। अत: नाम दर्ज के संबंध में किसी भी व्यक्ति / बैंक / संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रुप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता **श्री गिर्राज प्रसाद मीणा पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण मीणा** का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जायेगा। सम्पदा प्रबंधक, राजस्थान आवासन मण्डल, वृत तृतीय जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 41/2026
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी अजरुद्दीन पुत्र इदरीश खान निवासी गाँव नादनहेडी पोस्ट शाहपुर, अलवर ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत राज संस्थान शाहजी का बास, मिल्ट्री हॉस्पिटल के पास लाल डिग्गी रोड अलवर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 30/1/26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 07/4/2026

सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस,
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर, समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बरः
DEV/JAIPUR-I/ TRUST/ 2026/1356

चूंकि प्रार्थी श्री Amit Kulshrestha, 34/433, Sec-3, Pratap Nagar, Jaipur ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास एल.बी.एस. स्कूल समिति, A-41 Laxmi Narayan Puri, Jaipur के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा । आज दिनांक 04-02-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 13/04/2026

रतनलाल योगी
सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

नाम परिवर्तन

मैं मीरा पत्नी श्री मनोज अग्रवाल निवासी फ्लैट नं.सी–101 प्रथम फ्लोर जी एच पी इन्द्रलोक अपार्टमेंट शिव मार्ग, बनीपार्क (जयपुर) यह कि मेंने मेरा नाम मीरा अग्रवाल से बदलकर मीरा रख लिया है अतः भविष्य में मुझे मीरा नाम से जाना जाये।

I have changed my name from Shobha Agrawal to Shobha Agarwal for all future purposes. Add. 81/51, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur- 302020

I have changed my name from Ashish Agrawal to Ashish Agarwal for all future purposes. Add. 81/51, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur- 302020

मैं राम सिंह शेखावत पुत्र श्री गंगा सिंह, निवासी जयपुर (राजस्थान), यह घोषित करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम राम सिंह तथा अन्य दस्तावेजों में राम सिंह शेखावत दर्ज है। भविष्य में मुझे राम सिंह शेखावत नाम से जाना जाएगा। 9887993311

मैं, अनोज मलिक, पुत्र शिवचरण मलिक, निवासी जयपुर, यह स्पष्ट करता हूँ कि मेरे पुत्र का नाम वैदिक/वैदिक मलिक तथा मेरी पुत्री का नाम वैदांगी/वैदांगी मलिक है। यह दोनो नाम मेरे पुत्र व पुत्री के है इन्हे दोनो नामों से जाना व पहचाना जावे। अनोज मलिक 9414317163

I Lakshya Agarwal S/o Nishant Agarwal Residing at F-151, Chaitnya Marg, C-Scheme, Jaipur, Rajasthan- 302001. Do hereby Solemnly affirm that i have changed may name from Lakshya Goyal to Lakshya Agrawal. In Future i will be known by my changed mane

I Priyanka Agarwal W/o Nishant Agarwal Residing at F-151, Chaitnya Marg, C-Scheme, Jaipur, Rajasthan- 302001. Do hereby Solemnly affirm that i have changed may name from Priyanka Goyal to Priyanka Agrawal. In Future i will be known by my changed mane

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नम्बर: DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1204

चूंकि प्रार्थी श्री नरेन्द्र सिंह शेखावत, सी- 147 दधीच नगर, मुरलीपुरा स्कीम, मुरलीपुरा, जयपुर, राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री बालाजी नवयुवक मंडल सेवा समिति, राजस्थान सम्बन्ध में अग्रीम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 03.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 08.04.2026

मोहर अदालत **सहायक आयुक्त (प्रथम), देवस्थान विभाग, जयपुर**

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नम्बर 26/2022(11/2026)

चूंकि प्रार्थी श्री अरुण गोपीराम बसवाल पुत्र स्व. श्री गोपीराम बसवाल निवासी केयर ऑफ विनोद गोपीराम बसवाल वीपीओ मुकुन्दगढ, नटवरजी के मंदिर के पास, झुंझुनू ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्री देवी माता मंदिर ट्रस्ट, भडूण्डा खुर्द, झुंझुनू हाल केयर ऑफ विनोद गोपीराम बसवाल वीपीओ मुकुन्दगढ, नटवरजी के मंदिर के पास, जिला झुंझुनू के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 1-1-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 16-3-2026

मोहर अदालत **सहायक आयुक्त (द्वितीय), देवस्थान विभाग, जयपुर**

पावरग्रिड POWERGRID

सूचना

1. उपरोक्त नामित याचिकाकर्ता ने केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, नई दिल्ली के समक्ष याचिका–1: परिसंपत्तिः "उत्तरी क्षेत्र में 400/220/66केवी बवाना (डीटीएल) सबस्टेशन स्कीम पर 400/220केवी, 315 एमवीए आईसीटी–3 को 400/220केवी, 500 एमवीए आईसीटी के साथ बदलने" के अधीन 400/220/66केवी बवाना (डीटीएल) सबस्टेशन पर 400/220केवी, 500 एमवीए आईसीटी के लिए 2024–29 टैरिफ ब्लॉक हेतु ट्रांसमिशन टैरिफ के निर्धारण के लिए एक याचिका दायर की है।
2. ट्रांसमिशन सिस्टम के लाभार्थी हैं: (क) अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ख) जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ग) जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (घ) पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (ङ) हरियाणा पावर परचेज सेंटर (च) जम्मू एंड कश्मीर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (छ) उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ज) बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (झ) बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (ञ) टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (ट) चंडीगढ़ विद्युत विभाग (ठ) उत्तरांचल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ड) उत्तर मध्य रेलवे (ढ) नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (ण) हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड (त) सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (थ) दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड।

विवरण	परिसंपत्ति–1
परियोजना की स्वीकृत पूंजी लागत (लाख रुपये में) (एफआर)	3016.00
पूंजी लागत को मंजूरी देने वाला प्राधिकरण	सीएमडी द्वारा स्वीकृत
वाणिज्यिक परिचालन की निर्धारित तिथि	21.09.2025
वाणिज्यिक परिचालन की वास्तविक तिथि	04.11.2025 (वास्तविक)
परिसंपत्ति पर पूंजी लागत (लाख रुपये में)	3268.56

3. 2019–24 ब्लॉक और 2024–29 ब्लॉक के लिए टैरिफ का विवरणः

परिसंपत्ति	2024-25	2025-26	2026-27	2027-28	2028-29
परिसंपत्ति–1	0.00	136.91	556.48	603.59	627.00

4. टैरिफ के निर्धारण के लिए दायर याचिका की एक प्रति वेबसाइट www.powergrid.in पर प्रकाशित की गई है।
5. याचिका में टैरिफ निर्धारित करने के प्रस्तावों पर कोई भी सुझाव और आपत्तियां, अगर कोई हों, तो कोई भी व्यक्ति जिसमें लाभार्थी भी शामिल है इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के भीतर याचिकाकर्ता को एक प्रति के साथ आयोग के ई–फाइलिंग पोर्टल के ज़रिए दाखिल कर सकता है।

स्थानः गुड़गांव ज़फरुल हसन
तिथिः 06.02.2026 महाप्रबंधक (वाणिज्यिक)

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय : बी–9, कुतुब इंडस्ट्रियल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली–110016
केन्द्रीय कार्यालयः सौदामिनी, प्लॉट नंबर 2, सेक्टर–29, गुरुग्राम, हरियाणा – 122 001
वेबसाइटः www.powergrid.in, सी.आई.एन.: L40101DL1989GOI038121
एक महारत्न पीएसयू

PG/CC/NOTICE-81/Advt-101/2025-26/Quantum

संक्षिप्त

एसडीएम को प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

निवाई(निसं)। राजकीय महाविद्यालय एवं राजकीय महाविद्यालय के तत्वावधान में राजसेस कॉलेजों में शिक्षा नीति एवं टीचिंग के विरोध में महाविद्यालय परिसर में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया एवं एसडीएम प्रीति मीणा को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। सभी संकाय सदस्यों ने राजसेस कॉलेजों में शिक्षा नीति एवं टीचिंग के विरोध में विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर एबीआरएसएम के जिला सचिव डॉ छोटूलाल मीण, कन्या महाविद्यालय सचिव डॉ प्रीति जैन, महाविद्यालय सचिव डॉ मीनाक्षी बघेल सहित सभी संकाय सदस्य मौजूद रहे।

आवेदन की अंतिम तिथि 27 फरवरी रहेगी

फुलेरा(निसं)। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल पर सेवानिवृत्त एवं दिवंगत रेल कर्मचारियों की पेंशन संबंधी शिकायतों के निस्तारण के लिए पेंशन अदालत का आयोजन 10 अप्रैल को सुबह 11 बजे अरावली सभागृह, गणपति नगर रेलवे कॉलोनी, जयपुर में आयोजित होगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर पूजा मित्तल ने बताया कि जयपुर मंडल के किसी भी पेंशनर को यदि पेंशन, पारिवारिक पेंशन अथवा समापन भुगतान से संबंधित कोई शिकायत है, तो वह अपना आवेदन 27 फरवरी शाम 5 बजे तक सामान्य शाखा, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर में दो प्रतियों में निर्धारित प्रपत्र (प्रोफार्मा) पर भेज सकते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि पूर्व में पेंशन अदालत में आवेदन किया हो तो उसका निर्णय संलग्न करें। आवेदन केवल निर्धारित प्रोफार्मा में ही स्वीकार किए जाएंगे तथा सभी जानकारियां स्पष्ट एवं पठनीय होनी चाहिए। पेंशनर अपना आवेदन ई-मेल आईडी:2021.पर भी भेज सकते हैं।

युवक ने फंदे से लटककर की आत्महत्या

टोंक(निसं)। निवाई थाना क्षेत्र के आसजी महाराज की ढाणी में बुधवार देर शाम को एक 20 वर्षीय युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही निवाई थाना अधिकारी घासीराम जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया, शव को फंदे से उतरवाया और निवाई उप जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। बाद में गुरूवार को मृतक कृष्णा मीणा के शव का पोस्टमार्टम करवाया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। थाना अधिकारी घासीराम ने बताया कि घटनास्थल की तलाशी के दौरान कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों, रिश्तेदारों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। युवक के निजी और पारिवारिक हालातों की भी जांच की जा रही है।

फुलेरा में दो दिवसीय दोपहिया वाहन मेला आयोजित

फुलेरा(निसं)। कस्बे के हलवाई बाजार के पास गणेश चौक में बजाज ऑटोमोबाइल द्वारा दो दिवसीय बजाज पल्सर मेला आयोजित किया गया। मेले का आयोजन कोमल ऑटोमोबाइल के तत्वावधान में किया गया। आयोजक कोमल ऑटोमोबाइल के संचालक कैलाश निठारवाल ने बताया कि मेले में बजाज कंपनी द्वारा निर्मित पल्सर सीरीज तथा चेतक इलेक्ट्रॉनिक स्कूटर सहित विभिन्न दोपहिया वाहनों की विशेषताओं, गुणवत्ता एवं आधुनिक तकनीक की जानकारी उपभोक्ताओं को दी गई। साथ ही आकर्षक ऑफर एवं फाइनेंस सुविधाओं के बारे में भी बताया गया। मेले के मुख्य अतिथि निवर्तमान पार्षद दौलतराम चौधरी रहे, जिन्होंने ऐसे आयोजनों को उपभोक्ताओं के लिए लाभकारी बताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अब्दुल लतीफ कुरेशी, व्यापार महासंघ के कोषाध्यक्ष प्यारेलाल कुमावत, संजय वार्ष्णेय, मोहित कारडिया सहित बजाज कम्पनी के अधिकारी धीरज आचार्य व रमेश पूनिया रहें। वाहन मेले में बड़ी संख्या में वाहन प्रेमियों ने भाग लिया और नए मॉडलों में रुचि दिखाते हुए टेस्ट ड्राइव लिया गया।

छात्र-छात्राओं को वितरित किया निःशुल्क चश्मा एवं सेनेटरी नेपकिन

निवाई(निसं)। लायंस क्लब एवं महावीर इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वावधान में पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं को निःशुल्क चश्मा एवं सेनेटरी नेपकिन का वितरण किया गया।

संभागीय आयुक्त ने शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

■ निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला, एडीएम शिवपाल जाट, एसडीएम मनीष जाटव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी रहे मौजूद

जिला प्रभारी ने विषेश ग्राम उत्थान शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

खैरथल(निसं)। जिला प्रभारी सचिव एवं संभागीय आयुक्त पूनम ने गुरुवार को जिले के ततारपुर एवं मांचा गिरदावर सर्कल पर आयोजित विशेष ग्राम उत्थान शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके अलावा संभागीय आयुक्त ने सीएचसी ततारपुर एवं श्री किशनलाल शास्त्री धर्मार्थ गौशाला का भी निरीक्षण किया। संभागीय आयुक्त के निरीक्षण दौरान जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला, एडीएम शिवपाल जाट, एसडीएम मनीष जाटव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संभागीय आयुक्त पूनम ने शिविर में पहुंचकर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा आमजन से संवाद कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचे तथा शिविरों की प्रगति निरंतर बढ़ाई जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 12 विभागों के अतिरिक्त अन्य विभागों से संबंधित लंबित प्रकरणों का भी शिविर स्थल पर ही निस्तारण किया जाए। इस दौरान राजस्व विभाग द्वारा सहमति बंटवारे के कई प्रकरणों का मौके पर समाधान भी किया गया। संभागीय आयुक्त ने कहा प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें, बल्कि सभी आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हों।

उन्होंने ने खैरथल-तिजारा क्षेत्र में गिरते जल स्तर के कारण किसानों को हो रही पानी की समस्या का उल्लेख करते हुए उन्होंने कृषि विभाग द्वारा संचालित फार्म पॉण्ड योजना तथा विद्युत विभाग की कुसुम योजना के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी और उन्होंने किसानों से सोलर पंप अपनाने का आ ान किया, जिससे बिजली की बचत के साथ-साथ सिंचाई व्यवस्था सुदृढ़ होगी और फसल उत्पादन में वृद्धि होगी। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि इन योजनाओं का अधिकतम प्रचार-प्रसार कर किसानों को लाभान्वित किया जाए। शिविर में संभागीय आयुक्त पूनम एवं जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला द्वारा लाभार्थियों को मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की पॉलिसियां वितरित की। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित आवासों की चाबियां सौंपकर लाभार्थियों के चेहरे पर मुस्कान लाई गई। इसके अलावा गोवर्धन योजना, कृषि उपकरण अनुदान योजना सहित अन्य योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को चेक के माध्यम से अनुदान प्रदान किया गया।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

निवाई(निसं)। शहर में आस जी महाराज की ढाणी में बुधवार की देर शाम एक 20 वर्षीय युवक ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि खणदेवत रोड पर स्थित आसजी महाराज की ढाणी निवासी कृष्णा मीणा पुत्र छोटू मीणा ने बुधवार की देर शाम मकान की छत पर लगे कडे से सूतली के फंदे से झूलकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि मृतक ट्रैक्टर-ट्रॉली से मजदूरी करता था। आत्महत्या करने के समय पर उसका पिता छोटू मीणा बकरियां चराने एवं उसका भाई ढाबे पर काम करने गया हुआ था। उन्होंने बताया कि गुरुवार को पुलिस ने पंचनामा तैयार करके शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

'भूमि की उपलब्धता एवं बजट के आधार पर स्टेडियम निर्माण करवाया जाएगा'

■ जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र के लिए भूमि आवंटन के संबंध में जिला कलेक्टर को पत्र भेजा गया है

कोटपूतली(निसं)। युवा मामले और खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि नवगठित जिले कोटपूतली-बहरोड़ में 1 फरवरी, 2025 से जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। यह केन्द्र वर्तमान में महात्मा गांधी विद्यालय, बहरोड़ परिसर में संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्टेडियम निर्माण के लिए नियमानुसार भूमि की उपलब्धता तथा बजट के आधार पर स्टेडियम निर्माण करवाया जाएगा। युवा मामले और खेल मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य डॉ. जसवंत सिंह द्वारा इस विषय में पूछे गए पूरक प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे।

उन्होंने बताया कि जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र के लिए भूमि आवंटन के संबंध में जिला कलेक्टर को पत्र भेजा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला, तहसील एवं पंचायत स्तर पर खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए निर्धारित मापदंडों के अनुसार खेल स्टेडियम निर्माण में उन स्थानों को प्राथमिकता दी जाती है, जहां विधायक एवं सांसद कोटे द्वारा निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराई जाती है।

उन्होंने जानकारी दी कि एल.बी.एस. राजकीय महाविद्यालय, कोटपूतली में लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से केंद्र सरकार के माध्यम से इंडोर हॉल तथा बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल एवं एथलेटिक्स ट्रैक का निर्माण किया गया है। इस इंडोर हॉल में वर्तमान में कुश्ती एवं बैडमिंटन खेलों का संचालन किया जा रहा है, जहां कुश्ती के लिए 3 एवं एथलेटिक्स के लिए 1 प्रशिक्षक की व्यवस्था है।

शिक्षा मंत्री आज निवाई में

निवाई(निसं)। नगर पालिका मण्डल द्वारा करोड़ों रूपए की लागत से किए गए विकास कार्यों का शहीद स्मारक में शुक्रवार को भव्य लोकार्पण व शिलान्यास समारोह का आयोजन किया जाएगा। समरोह में मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, अध्यक्षता कर रहे विधायक रामसहाय वर्मा, पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी व भाजपा शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा सहित कई जनप्रतिनिधि भाग लेंगे। पार्षद परसराम कुमावत ने बताया कि शुक्रवार को शहर में शहीद स्मारक, दांडी यात्रा, कामधेनु स्मारक, निवाई चौपाटी, बापू नगर पार्क, श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क, शास्त्री नगर पार्क, श्याम वाटिका पार्क, सेन्ट्रल पार्क, न्यू विस्तार इंद्रा कॉलोनी गौशाला में विकास कार्य सहित करोड़ों रूपए की लागत के विकास कार्यो का लोकार्पण व शिलान्यास किया जाएगा।

उपकारागृह भवन का किया औचक निरीक्षण

उपकारागृह भवन का निरीक्षण करते अधिकारीगण।

फुलेरा(निसं)। राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर के आदेशों की पालना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार नरेना रोड स्थित उपकारागृह भवन का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही विधिक सहायता, स्वच्छता, सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपकारागृह प्रभारी भरतलाल मीणा ने बताया कि औचक निरीक्षण अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रमांक-1 सांभरलेक अरविंद कुमार जांगिड़ के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. ऋचा कौशिक, उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक ऋषिराज कपिल उपस्थित रहे। निरीक्षण दल ने उपकारागृह की व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताते हुए बंदियों को दी जा रही विधिक सहायता एवं मूलभूत सुविधाओं की सराहना की तथा व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

उपखंड अधिकारी ने ग्राम पंचायत कार्यालय का किया निरीक्षण

■ निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी उपाध्याय ने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, व्यवस्थाओं एवं साफ-सफाई की स्थिति का गहनता से जायजा लिया

पावटा(निसं)। विराटनगर उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय द्वारा उपखंड क्षेत्र विराटनगर में आंगनवाड़ी केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जवानपुरा एवं ग्राम पंचायत कार्यालय चतरपुरा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी उपाध्याय ने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, व्यवस्थाओं एवं साफ-सफाई की स्थिति का गहनता से जायजा लिया। निरीक्षण के समय ग्राम पंचायत कार्यालय चतरपुरा, विराटनगर में आंगनवाड़ी केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जवानपुरा संचालित पाया गया व साफ सफाई दुरुस्त पाई गई। वही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जवानपुरा में डॉ. स्नेहा अग्रवाल, नर्सिंग ऑफिसर तेजस्वी शर्मा के साथ वार्ड निरीक्षण, टीकाकरण कक्ष पर टीकाकरण देखा गया। निशुल्क दवाइयों की उपलब्धता, मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाएं, स्टाफ की उपस्थिति एवं व्यवस्था संतुष्टिपूर्वक पाई गई। वहा आंगनवाड़ी केंद्र पर बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार वितरण, अभिलेख संधारण एवं केंद्रों की साफ-सफाई की जांच की गई। निरीक्षण में जहां कमियां पाई गईं, वहां संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए।

पेयजल समस्या को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

निवाई(निसं)। एसडीएम कार्यालय में पेयजल समस्या को लेकर हरिओम नगर व कबीर आश्रम क्षेत्र के लोगों ने एसडीएम प्रीति मीणा को ज्ञापन सौंपा है। शहर के वार्ड संख्या 37 में स्थित हरिओम नगर व कबीर आश्रम क्षेत्र निवासी राजेश चौधरी, रामेश्वर जांगिड, राजेन्द्रसिंह नाथावत, कजोडमल गुर्जर, कमल कुमार मीना, राकेश गुर्जर, सियाराम गुर्जर, निर्भयराम मीना व भागचंद कौशिक ने बताया कि कॉलोनियों में पेयजल समस्या बनी हुई है। वर्तमान समय में पेयजल सप्लाई में फ्लोराइड की मात्रा अत्यधिक है। इसके सेवन से क्षेत्र के पुरुष, महिलाएं व बच्चे गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। लोगों के हाथ-पैरों में जकडऩ, हड्डियों का टेढ़ापन व दांतों के खराब होने जैसी समस्याएं बनी हुई है। उन्होंने बताया कि शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं होने से यहाँ के निवासियों को प्यास बुझाने के लिए हाइवे को पार कर बीसलपुर प्लांट या अन्य स्थानों से पानी लाना पड़ रहा है। हाईवे को पार करना खतरे से कम नहीं है। भारी वाहनों की आवाजाही के कारण दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है।

एक रुपया और नारियल लेकर किया दहेज प्रथा पर कड़ा प्रहार

पावटा(निसं)। समाज में फैली दहेज प्रथा के खिलाफ एक प्रेरणादायक और अनुकरणीय उदाहरण सामने आया है। जहां आज भी कई जगहों पर शादियां दिखावे और भारी भरकम दहेज के बोझ तले दबती नजर आती हैं, वहीं स्व . गीता देवी एवं मदनलाल शर्मा के सुपौत्र व लता देवी एवं अशोक कुमार शर्मा निवासी लाडाकाबास ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए अपने पुत्र अभिषेक व निखिल की स्व.बिमला देवी एवं हरिप्रसाद की सुपौत्री एवं कांता देवी व बृजेश कुमार शर्मा निवासी भांकरी की पुत्रियों प्रिया, खुशी की सगाई समारोह के दौरान केवल एक रुपया और नारियल लेकर सगाई समारोह संपन्न कर समाज को दहेज-मुक्त शादी का सशक्त संदेश दिया।

यह समारोह सादगी, संस्कार और सामाजिक जागरूकता का अद्भुत उदाहरण बन गया। दूल्हों के पिता अशोक कुमार शर्मा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बेटी किसी पर बोझ नहीं होती और विवाह पवित्र रिश्ता है, जिसे दहेज जैसी कुप्रथा से जोड़ना समाज के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना और युवाओं को दहेज के खिलाफ जागरूक करना है। सगाई समारोह में उपस्थित ग्रामीणों, गणमान्य लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस निर्णय की खुले दिल से सराहना की। लोगों ने इसे समाज सुधार की दिशा में बड़ा कदम बताया।

मंचीरियाल में डोर-टू-डोर जनसंपर्क कर भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील

■ तेलंगाना निकाय चुनावों को लेकर प्रवास पर भाजपा नेत्री रानी रत्ना कुमारी शाहपुरा में

भाजपा नेत्री रानी रत्ना कुमारी ने शाहपुरा में निकाय चुनावों को लेकर किया डोर-टू-डोर जनसंपर्क।

पावटा(निसं)। भाजपा नेत्री रानी रत्ना कुमारी शाहपुरा इन दिनों तेलंगाना में आगामी नगर निकाय चुनावों को लेकर व्यापक प्रवास पर हैं। पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें मंचीरियाल जिले के नगर निगम क्षेत्र की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में वे मंचीरियाल नगर निगम क्षेत्र में निरंतर डोर-टू-डोर जनसंपर्क कर आमजन से संवाद स्थापित कर रही हैं तथा भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील कर रही हैं।अपने प्रवास के दौरान रानी रत्ना कुमारी शाहपुरा ने मंचीरियाल नगर निगम क्षेत्र में निवासरत राजस्थानी प्रवासी बंधुओं एवं मारवाड़ी युवा मंच के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की। उन्होंने आगामी निकाय चुनावों में भाजपा को अपना बहुमूल्य मत एवं पूर्ण समर्थन देने का आग्रह किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने केंद्र सरकार तथा भाजपा शासित राज्यों में हुए विकास कार्यों एवं जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि इन योजनाओं से समाज के प्रत्येक वर्ग को लाभ मिला है और नगर निकाय चुनावों में भाजपा की जीत से स्थानीय विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी। रानी रत्ना कुमारी शाहपुरा ने राजस्थानी एवं मारवाड़ी समाज की राष्ट्र निर्माण में भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज अपनी मेहनत, ईमानदारी और सामाजिक सरोकारों के लिए जाना जाता है। उन्होंने युवाओं से आ ान किया कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए भाजपा के समर्थन में आगे आएं। मारवाड़ी युवा मंच के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि युवा शक्ति संगठन की रीढ़ होती है और भाजपा युवाओं को नेतृत्व प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मंचीरियाल जिले में पार्टी को व्यापक जनसमर्थन मिलेगा और आगामी निकाय चुनावों में भाजपा ऐतिहासिक सफलता प्राप्त करेगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने भाजपा की नीतियों एवं नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास जताते हुए पार्टी को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

65 आंगनबाड़ी केंद्रों व स्कूलों में बालिका शौचालय बनेंगे

अलवर(निसं)। जिला प्रशासन के अभिनव पहल पर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने एवं सरकारी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रों के शौचालय विहिन सरकारी विद्यालयों एवं आंगनबाडी केंद्रों में 102 बालिका शौचालयों का निर्माण कार्य की स्वीकृतियां जारी कर तीन माह में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये गए हैं। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुखे गौरव रवीन्द्र ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देशन पर जिले के कठूमर, गोविंदगढ़, रामगढ़, थानागाजी, मालाखेडा, रैणी, राजगढ़, उमरैण एवं लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों एवं आंगनबाडी केंद्रों का ब्लॉकवार सर्वे कराया गया, जिसके आधार पर 37 राजकीय विद्यालयों एवं 65 आंगनबाडी केंद्रों में बालिका शौचालयों का निर्माण आगामी तीन माह में कराया जाएगा।

सार-समाचार

सहकारिता विभाग के कार्यालय एवं गोदाम के लिए ज़मीन दान करवाई

गोविन्दगढ़ / अलवर (निसं)। गोविंदगढ़ कस्बे में आज दिनांक 5 फरवरी 2026 को ग्राम उत्थान शिविर का आयोजन हुआ शिविर प्रभारी उपखंड अधिकारी ऐश्वर्या प्रजापत इस की अध्यक्षता में आयोजित हुआ जिसमें दौलत राम पुत्र कालूराम निवासी बिदुका तहसील गोविंदगढ़ के द्वारा सहकारी समिति तालड़ा के लिए भूमि दान की है भामाशाह द्वारा 30 बाई 50 कि भूमि दान देने पर भामाशाह को उपखंड अधिकारी तहसीलदार महोदय द्वारा आभार व्यक्त किया गया इस मौके पर उपखंड अधिकारी ऐश्वर्या प्रजापत आई ए एस प्रशुशि तहसीलदार राजेंद्र यादव विकास अधिकारी रमेश गुर्जर आदि मौजूद रहे कैंप में पशुपालन विभाग कृषि विभाग जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग राजस्व विभाग ग्राम विकास एवं पंचायती राज महिला व बाल विकास सहकारिता विभाग ऊर्जा विभाग सिंचाई विभाग आदि के कर्मचारी मौजूद रहे कई विभागों द्वारा सक्सेजफुल स्टोरी भी तैयार करी थी और प्रमाण पत्र भी दिए गए लाभार्थियों को।

बाबा श्याम का दो दिवसीय पाटोत्सव कल से

निवाई(निसं)। इंदिरा कॉलोनी में स्थित श्याम मंदिर में बाबा श्याम का दो दिवसीय 12वां पाटोत्सव 7 फरवरी से शुरू होगा। श्याम सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। श्याम धर्मार्थ संस्थान के अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने बताया कि पाटोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों, गुब्बारों व फूलों से सजाया जा रहा है। वहीं आयोजन की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। महोत्सव को लेकर 7 फरवरी सुबह 8 बजे से कलकत्ता के सुप्रसिद्ध भजन गायक मनीष शर्मा के सानिध्य में श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ का आयोजन किया जाएगा। 8 फरवरी को सुबह 9 बजे कंकाली माता मंदिर से विशाल निशान यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा बैंड-बाजों और ढोल-नगाड़ों के साथ शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए श्याम मंदिर पहुँचेगी। जहाँ श्रद्धालु बाबा श्याम को निशान अर्पित करेंगे। रात्रि में विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा। जिसमें खलीलाबाद उत्तर प्रदेश के सुप्रसिद्ध गायक हरमिंदरसिंह रोमी व मध्य प्रदेश की सुप्रसिद्ध भजन गायिका कनिका ग्रोवर सहित कई गायक व गायिका बाबा के भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। समिति के सदस्यों ने बताया कि भक्तों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

गौ संरक्षण की मांग को लेकर नगर परिषद का किया घेराव

कोटपूतली, (निसं)। कस्बा सहित आसपास के क्षेत्र में मृत गौवंश के लावारिश शवों के साथ हो रहे क्रुर व्यवहार को लेकर क्षेत्र के गौ सेवकों व सामाजिक कार्यकर्ताओं में आक्रोश का माहौल हैं। इसी क्रम में गुरूवार को युवा कार्यकर्ताओं ने पूर्व पार्षद, कांग्रेस नेता व सामाजिक कार्यकर्ता तारा पूतली के नेतृत्व में नगर परिषद कार्यालय का घेराव किया। बड़ी संख्या में युवा नगर परिषद पार्क से पैदल मार्च करते हुये नगर परिषद भवन पहुंचे। जहां जोरदार प्रदर्शन करते हुये 05 सूत्रीय मांगों को लेकर आयुक्त नूर मौहम्मद को ज्ञापन सौंपा। तारा पूतली ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र में गौवंश समेत मृत पशुओं के निस्तारण को लेकर जो परिस्थितियां हैं, वह बेहद निंदनीय, दुःखद व शर्मनाक हैं। क्षेत्र में सड़कों, गली-मौहल्लों, सार्वजनिक स्थानों पर गौवंश शव कई- कई घण्टों तक पड़े रहते हैं। जिन्हें आवारा कुत्तों व अन्य जानवरों द्वारा नोचे जाने से बेहद क्रुर दृश्य देखने को मिलता हैं। इससे जहां जन भावनायें आहत हो रही हैं वहीं स्वच्छता के साथ-साथ आमजन के स्वास्थ्य को भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा हैं। पीड़ा इस बात की भी हैं कि नगर परिषद के अधिकारी आमजन के फोन तक नहीं उठाते, साथ ही परिषद के पास उपलब्ध एकमात्र क्रेन अक्सर खराब बताई जाती हैं। इन परिस्थितियों को लेकर किसी भी स्तर पर जवाबदेही तय नहीं की गई हैं, यह स्थिति प्रशासनिक लापरवाही का भी स्पष्ट उदाहरण हैं। साथ ही सनातक संस्कृति व गौमाता के सम्मान पर भी सीधा हमला हैं। ज्ञापन में गौवंश समेत मृत पशुओं के शवों के निस्तारण की तत्काल प्रभाव से सुचारू व्यवस्था, अतिरिक्त क्रेन एवं आवश्यक संसाधनों की स्थाई व्यवस्था, सम्बंधित अधिकारियों व कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय तक लापरवाही पर कठोर कार्यवाही के साथ- साथ नगर परिषद क्षेत्र में बदहाल सफाई व्यवस्था को सुचारू करने के साथ- साथ क्षितग्रस्त व खराब रोड़ लाईटों को भी अविलम्ब सही करने की मांग की गई हैं।

एनिकट में डूबा किसान, एसडीआरएफ टीम का सर्च अभियान जारी

टोंक (निसं)। पचेवर थाना क्षेत्र में बह रही माशी नदी पर बने एनीकट में नहाने गया किसान पत्नी के सामने डूब गया, जिसकी चिल्लाने की आवाज सुनकर जीजा बचाने के लिए पहुंचा, लेकिन जब पानी में लापता हो चुके थे। घटना बुधवार शाम की है, बाद में सूचना पचेवर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और देर रात तक तलाश की गई, लेकिन किसान का कोई सुराग नहीं लगा। बाद में गुरुवार को पंहुची एसडीआरएफ टीम और सिविल डिफेंस लगातार सर्च ऑपरेशन चलाकर किसान की तलाश कर रही है, लेकिन शाम तक को किसान की कोई सुराग नही मिला। पचेवर थाना प्रभारी प्रीति रतनू ने बताया बाछेड़ा निवासी कानाराम पुत्र सकराम बावरी उम्र 27 साल जो बंटाई पर खेती करता था, जो पिछले कुछ वर्षों से इसी खेत पर टपरी बनाकर पत्नी और बच्चों के साथ रह रहा था। बुधवार शाम 4 बजे कानाराम अपनी पत्नी के साथ खेत से लगभग डेढ़ सौ मीटर दूर माशी नदी पर बने एनीकट पर नहाने गया था। पत्नी नदी किनारे खड़ी रही, जबकि कानाराम एनीकट में उतर गया, उसे तैरना ठीक से नहीं आता था जो नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया तथा गहरे पानी में डुब गया। इस दौरान उसकी पत्नी के जोर-जोर से चिल्लाने की आवाज सुनकर घटनास्थल से करीब डेढ़ सौ मीटर दूर बस्सी निवासी जीजा कमलेश बावरी दौड़कर पहुंचा, लेकिन तब तक किसान पानी में समा चुका था, इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। जहां मौके पर पचेवर थाना पुलिस ने ग्रामीणों और परिजनों की मदद से देर शाम तक एनीकट में तलाश की गई, लेकिन कानाराम का कोई सुराग नहीं मिला।

पीठाधीश्वर रामदयाल महाराज का पलेई में भव्य स्वागत

निवाई(निसं)। गांव पलेई में अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय के पीठाधीश्वर रामदयाल महाराज का भव्य स्वागत किया गया। दशरथसिंह पलेई ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय रामसनेही संप्रदाय के पीठाधीश्वर रामदयाल महाराज का पलेई में एक दिवसीय आध्यात्मिक सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। महाराज के आगमन पर सैंकड़ों ग्रामीणों ने बैंड बाजे पर नाच गान किया। गोविंदसिंह चौहान ने बताया कि महाराज के जुलूस का जगह-जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत सत्कार किया। महाराज ने कहा कि जीवन में संस्कारों से जीवन जीना व प्राणी मात्र की सेवा करना ही जीवन का सार है। उन्होंने कहा कि संसार में सत्संग ही ऐसा मार्ग है जिससे मोक्ष की ओर बढ़ा जा सकता है।

केवल 2025 सीनियर स्टेट पदक विजेताओं और उन पहलवानों को ट्रायल का मौका देना जिन्होंने 2025 में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया, हजारों मेहनती पहलवानों के साथ धोखा है।'

-विनेश फोगाट

भारतीय पहलवान, भारतीय पहलवानों को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

सुमित नागल

बेंगलुरु में डेविस कप टाई के लिए सुमित नागल की तैयारी शारीरिक के साथ-साथ मानसिक परीक्षा भी रही है। बैंकॉक के बाद चोट से जूझने वाले भारतीय टेनिस खिलाड़ी का कहना है कि वह तीन हफ़्तों की कड़ी ट्रेनिंग और नए फोकस और आत्मविश्वास के साथ कोर्ट पर अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हैं। नागल ने 7 और 8 फरवरी को एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में भारत और नीदरलैंड्स के बीच होने वाले डेविस कप क्वालिफायर के पहले राउंड से पहले पत्रकारों से कहा,"ट्रेनिंग की तीव्रता हर दिन थोड़ी ज़्यादा रही है। मुझे लगता है कि आज मैंने सीधे रिडक्शन का अभ्यास किया, और फिर मैंने डबल्स भी खेला।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय क्रिकेट टीम क्रिकेट इतिहास की सबसे सफल टीमों में से एक है, जिसने 1983 और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप, 2007 और 2024 में टी20 वर्ल्ड कप, और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती है।

ऑस्ट्रेलिया बनाम नीदरलैंड मुकाबला टॉस के बाद हुआ रद्द

कोलंबो 5 फरवरी । ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड के बीच टी-20 विश्वकप से पहले गुरुवार को होने वाला अभ्यास मैच बारिश के कारण टॉस होने के बाद रद्द घोषित कर दिया गया। आज यहां आर प्रेमदासा स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। इसके बाद शुरु हुई बारिश के कारण मैच को रद्द घोषित कर दिया गया।

ऑस्ट्रेलिया (एकादश):- मिशेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस (विकेटकीपर), कमरन ग्रीन, टिम डेविड, मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, नाथन एलिस, एडम जम्पा, जॉश हेजलवुड, जेवियर बार्टलेट, मैथ्यू कुह्नमैन, कूपर कोनोली, मैट रेनशॉ और बेन ड्वारशुइस।

नीदरलैंड्स (एकादश):- माइकल लेविट, मैक्स ओडॉउड, बास डी लीडे, जैच लायन कैचेट, कॉलिन एकरमैन, स्कॉट एडवर्ड्स (विकेटकीपर/कप्तान), नूह क्रॉस, रूलोफ वान डेर मेरवे, लोगान वान बीक, आर्यन दत्त, काइल क्लेन, फ्रेड क्लासेन, साकिब जुल्फिकार, पॉल वान मीकेरेन और टिम वान डेर गुगटेन।

देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी पहुंची फाइनल में

जयपुर, 5 फरवरी। अंडर 13 पिंकसिटी कप के सेमीफाइनल मैच में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 273 रन 7 विकेट के नुकसान पर बनाएं।आदित्य यादव ने 102 रनों का योगदान दिया ! कैंडलविक क्रिकेट अकादमी की ओर से आर्यमन सिंह ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैंडलविक क्रिकेट अकादमी 40 ओवर में 131 रन 9 विकेट के नुकसान पर बना सकी। उत्सव शर्मा ने सर्वाधिक 53 रनों का योगदान दिया। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी की ओर से जयदीप यादव ने 3 और समर्थ ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच आदित्य यादव को चुना गया।

एथलीट्स एवं पैरा एथलीट्स ने स्किल टेस्ट में दिखाया दमख़म

जयपुर, 5 फरवरी। सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित एथलेटिक्स ट्रैक पर गुरुवार को सुबह प्रदेश में संचालित/प्रस्तावित एथलेटिक्स अकादमियों/बालिका खेल संस्थानों, पैरा एथलेटिक्स एवं पैरा पावरलिफ्टिंग अकादमियों के लिये भाग ले रहे एथलीट्स ने स्किल टेस्ट में दमख़म दिखाया। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा गठित कि गई चयन समिति के सदस्यों द्वारा बारीकी से हर इवेंट पर नज़र रखी गई।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की सचिव श्रीमती नीतू बारूपाल ने बताया कि गुरुवार को आठ दिवसीय चयन ट्रायल के तीसरे दिन बालिका तीरन्दाजी अकादमी-जयपुर (10), बालक तीरन्दाजी अकादमी-डूंगरपुर (14), उदयपुर (20) एवं बालिका खेल संस्थान तीरन्दाती-जयपुर (03) में कुल 47 तीरंदाज़ों का रजिस्ट्रेशन व मेडिकल होने के बाद बैटरी टेस्ट लिया गया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को जहाँ को बालिका हॉकी अकादमी, अजमेर, बालक हॉकी अकादमी,जयपुर, बालिका खेल संस्थान हॉकी, भरतपुर, बालक कबड्डी अकादमी, करौली, बालक कबड्डी अकादमी, चूरू, बालिका कबड्डी अकादमी, चूरू, बालिका खेल संस्थान कबड्डी, जयपुर, बालिका खेल संस्थान कबड्डी, भरतपुर, बालिका खेल संस्थान कबड्डी, उदयपुर, बालक कबड्डी अकादमी, डीडवाना (प्रस्तावित) के लिए ट्रायल में भाग लेने आने वाले खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन और मेडिकल करवाने के बाद बैटरी टेस्ट लिया जायेगा। वही तीरंदाज़ों का स्किल टेस्ट होगा।

तविश शर्मा व रेहान खान की शानदार गेंदबाजी से तारिक एकेडमी सेमीफाईल में

जयपुर, 5 फरवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति अण्डर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज गणपति क्रिकेट ग्राउण्ड हातोज में खेले गये क्वाटर फाईनल मुकाबले में तारिक क्रिक्रेट एकेडमी ने तविश शर्मा 4 रन पर 3 विकेट, रेहान खान 17 रन पर तीन विकेट, विनय शर्मा 12 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदबाजी बदौलत राजीव गांधी क्रिकेट एकडमी को 5 विकेट से हराकर सेमीफाईनल में प्रवेश किया ।

टॉस जीतकर राजीव गांधी क्रकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया लेकिन तारिक क्रिक्रेट एकेडमी ने तविश शर्मा 4 रन पर 3 विकेट, रेहान खान 17 रन पर तीन विकेट, विनय शर्मा 12 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदबाजी के समक्ष राजीव गांधी के बल्लेबाज अभिनव शर्मा 21 रन को छोडकर कोई भी नहीं टीक सका और सम्पूर्ण टीम 20.4 ओवर में मात्र 67 रन बनाकर सिमट गई । जवाबी पारी में तारिक क्रिकेट एकडमी ने तविश शर्मा 19 रन तथा अतिरिक्त 27 रन की मदद से विजय लक्ष्य 70 रन 5 विकेट खोकर 13.3 ओवर में बनाकर 5 विकेट से जीत दर्ज कर अपने टीम को सेमीफाईनल में पहुंचा दिया।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले बीसीसीआई पर सवाल

बीसीसीआई लंबे समय से अपने आर्थिक दबदबे का इस्तेमाल कर आईसीसी और अन्य बोर्डों पर असर डालता रहा हैं : नजम सेठी

नयी दिल्ली, 5 फरवरी । टी20 वर्ल्ड कप से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की राजनीति एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार चर्चा के केंद्र में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई और बाकी क्रिकेट बोर्डों के साथ उसके रिश्ते हैं। बांग्लादेश और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से अलग-अलग तरीके से विरोध के संकेत मिलने के बाद आईसीसी में शक्ति संतुलन को लेकर बहस तेज हो गई है। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ अपने मुकाबले के बहिष्कार का संकेत दिया है, जबकि बांग्लादेश बोर्ड ने टूर्नामेंट से हटने जैसे कड़े कदम पर विचार किया हैं। इसी बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष नजम सेठी ने बीसीसीआई की भूमिका और उसके प्रभाव को लेकर खुलकर अपनी बात रखी है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, नजम सेठी का मानना है कि बीसीसीआई लंबे समय से अपने आर्थिक दबदबे का इस्तेमाल कर आईसीसी और अन्य बोर्डों पर असर डालता रहा हैं। सेठी ने कहा कि पाकिस्तान बोर्ड के फैसले सरकार से सलाह के बाद लिए गए हैं और अभी भी बातचीत की गुंजाइश बनी हुई है।

गौरतलब है कि सेठी ने 'बिग थ्री' मॉडल का जिक्र करते हुए कहा कि भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को आईसीसी राजस्व का बड़ा हिस्सा मिलना शुरू हुआ, जिसका पाकिस्तान ने शुरू से विरोध किया था। उन्होंने बताया कि उस समय पीसीबी ने इस असमान व्यवस्था को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था और इसी मुद्दे पर बीसीसीआई से मतभेद और गहरे हो गए थे।

सेठी ने उस दौर का भी जिक्र किया जब भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज पर सहमति बनी थी, लेकिन ऐन वक्त पर बीसीसीआई के पीछे हट जाने को उन्होंने सबसे बड़ा अपमान बताया हैं। उनके अनुसार, मुंबई जाकर भी बीसीसीआई नेतृत्व से मुलाकात न हो पाना रिश्तों में आई दरार का बड़ा उदाहरण रहा है। वर्तमान हालात पर बात करते हुए सेठी ने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश अगर साथ आते हैं तो वे आईसीसी के भीतर एक मजबूत संदेश दे सकते हैं। उन्होंने माना कि इस विरोध से तात्कालिक नुकसान हो सकता है, लेकिन लंबे समय में इससे ज्यादा संतुलित और निष्पक्ष आईसीसी की राह बन सकती है।

भारत-पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप मैच बहिष्कार का फैसला सोचा-समझा है : शहबाज़ शरीफ़

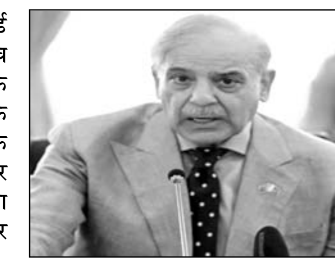

नयी दिल्ली, 5 फरवरी । टी20 वर्ल्ड कप को लेकर चल रही खींचतान के बीच पाकिस्तान सरकार ने अपने फैसले पर साफ और सख्त रुख अपनाया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने भारत के खिलाफ प्रस्तावित मुकाबले के बहिष्कार को सही ठहराते हुए कहा है कि यह फैसला जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सोच-समझकर लिया गया रुख है।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाला टी20 वर्ल्ड कप मैच नहीं खेलने के निर्देश सरकार की ओर से दिए गए। यह फैसला उस समय सामने आया जब सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में खेलने से इनकार करने वाले बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने एक सरकारी बैठक के बाद कहा कि पाकिस्तान का मानना है कि खेल के मैदान में राजनीति नहीं होनी चाहिए और इसी सिद्धांत के तहत भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलने का निर्णय लिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान पूरी तरह बांग्लादेश के साथ खड़ा है और इस मुद्दे पर समर्थन देना एक उपयुक्त और जिम्मेदार फैसला है।

गौरतलब है कि आईसीसी इस बहिष्कार से खासा नाराज़ है और उसने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को चेतावनी दी है कि अगर टीम इस हाई-प्रोफाइल मुकाबले के लिए मैदान में नहीं उतरती है तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। आईसीसी का मानना है कि भारत-पाकिस्तान मैच टूर्नामेंट के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक है और इससे जुड़े आर्थिक हित पूरी वैश्विक क्रिकेट व्यवस्था को प्रभावित करते है।

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की धमकी पर बीसीसीआई का सीधा जवाब, फैसला आईसीसी करेगा: शुक्ला

नयी दिल्ली, 5 फरवरी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण के मैच में पाकिस्तान के खिलाफ न खेलने के अपने देश के रुख को दोहराने पर, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि बोर्ड अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के फैसले का पालन करेगा। शुक्ला ने एएनआई से कहा कि बीसीसीआई को इस पर (शहबाज के बयान पर) कुछ नहीं कहना है। आईसीसी को इस पर फैसला करना है, और आईसीसी जो भी कहेगी, हम उसी के अनुसार चलेंगे।

पाकिस्तान सरकार के इस फैसले के बाद, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने एक बयान जारी कर कहा कि चुनिंदा भागीदारी किसी वैश्विक खेल आयोजन के मूल सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है और वह पीसीबी से सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करने वाला पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान तलाशने की अपेक्षा करती है।

आईसीसी ने एक विज्ञिप्त में कहा कि उसने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में अपनी राष्ट्रीय टीम को चुनिंदा रूप से भाग लेने का निर्देश देने के संबंध में पाकिस्तान सरकार के बयान पर ध्यान दिया है। विज्ञिप्त में कहा गया है कि हालांकि आईसीसी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से आधिकारिक सूचना की प्रतीक्षा कर रही है, लेकिन चुनिंदा भागीदारी की यह स्थिति किसी वैश्विक खेल आयोजन के मूल सिद्धांतों के साथ मेल नहीं खाती, जहां सभी योग्य टीमों से आयोजन कार्यक्रम के अनुसार समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करने की अपेक्षा की जाती है।

भारत को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने में कोई परेशानी नहीं: सूर्यकुमार

मुंबई, 5 फरवरी । भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गुरुवार को कहा कि भारत को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने में कोई दिक्कत नहीं है और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के निर्धारित कार्यक्रम के हिसाब से यात्रा करेंगे। उन्होंने कहा कि मैच को लेकर कोई भी अनिश्चितता पाकिस्तान के फैसले पर निर्भर करती है।

मुंबई में कैप्टन डे प्रेस मीट के दौरान सूर्यकुमार ने कहा, हमारी सोच बहुत स्पष्ट है। हमने खेलने से मना नहीं किया, उन्होंने मना किया। आईसीसी ने मैच की तारीखें घोषित कर दी हैं, हमारी फ्लाइट बुक हो गई हैं, और हम जा रहे हैं। बाकी हम वहां पहुंचने के बाद देखेंगे।

भारतीय कप्तान ने इस बात पर बल दिया कि टीम को 15 फरवरी को होने वाले मैच के बारे में आधिकारिक तौर पर बता दिया गया है और उसी के हिसाब से तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा, उनके फैसले पर मेरा नियंत्रण नहीं है। हमें 15 तारीख को मैच खेलने के लिए कहा गया है।

सूर्यकुमार ने यह भी कहा कि भारत ने तटस्थ जगहों पर पाकिस्तान का कई बार सामना किया है। उन्होंने कहा, हमने एशिया कप के दौरान एक तटस्थ जगह पर उनसे तीन बार खेला। अगर हमें कोलंबो में खेलने का एक और मौका मिलता है तो हम फिर से खेलेंगे।

उन्होंने कहा, यह मेरा फैसला नहीं है। यह आसान काम नहीं है, वे जरूर इस पर काम कर रहे होंगे। क्योंकि यह सरकार की ओर से आया है, इसलिए यह एक मुश्किल स्थिति है जिससे निपटना है।

एशियन राइफल पिस्टल चैंपियनशिप 14 फरवरी 2026 तक

नयी दिल्ली, 5 फरवरी । भारत में अयोजित हो रही है आज का दिन राइफल शूटिंग टीम के लिए शानदार रहा जूनियर महिला टीम ने स्वर्ण पदक जीत कर हिंदुस्तान का नाम रोशन किया 1714 अंको के साथ भारतीय जूनियर महिला टीम नंबर वन पोजिशन का खिताब हासिल करते हुए गोल्ड मेडल जीता दूसरा स्थान पर काजाकिस्तान की टीम रही और तीसरा स्थान पर श्रीलंका रही।

जूनियर महिला टीम की खिलाडी के नाम इस प्रकार हैं: वंशिका चौधरी, रश्मिका सहगल, अंगम अग्रवाल की टीम ने गोल्ड मेडल जीत के नया इतिहास रचा। पदक वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष यज्ञिमत्र सिंह देव के हाथों से किया गया।

पदक समारोह में अध्यक्ष द्वारा सभी खिलाडियों को हार्दिक बधाई और उनके अगामी प्रतियोगिता में अच्छे पदक जीतने के लिए उनको आशीर्वाद दिया यहां प्रतियोगिता 2 फरवरी से 14 फरवरी 2026 तक नई दिल्ली में अयोजित की जा रही है।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी ने बदल डाला है टीम इंडिया को : ऋषभ पंत

नयी दिल्ली, 5 फरवरी । भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि उनकी कप्तानी ने टीम इंडिया को बदल डाला है।

पंत ने आजतक के कार्यक्रम 'सलाम क्रिकेट' में कहा, सूर्या भाई की एनर्जी ड्रेसिंग रूम का माहौल ही बदल देती है। वे सिर्फ बल्लेबाज नहीं, बल्कि ऐसे लीडर हैं जो हर खिलाड़ी को आजादी और भरोसा देते हैं। पंत के मुताबिक टीम इंडिया में दिखाई दे रही एग्रेसिव माइंडसेट की जड़ में कप्तान की सोच और फास्ट बॉलर्स की भूमिका है।

टी20 वर्ल्ड कप का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और ऋषभ पंत ने पहले सत्र में कहा कि टी20 वर्ल्ड कप को इंजॉय करना पड़ेगा. उन्होंने बताया कि फिलहाल वे रिकवरी फेज में हैं और वर्ल्ड कप का प्रेशर होगा, लेकिन होम ग्राउंड में खेल का अनुभव अलग होता है।

पंत 10 जनवरी से टीम इंडिया से बाहर हैं और तब से बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी फिटनेस पर मेहनत कर रहे हैं। उन्हें वडोदरा में एक अभ्यास सत्र के दौरान साइड स्ट्रेन चोट लगी थी। उन्होंने साझा किया,चोट लगने पर पहले सिर्फ दर्द महसूस हुआ. हॉस्पिटल गए और टीम के साथ बातचीत की। दूसरी इनिंग्स में हमने कमबैक किया, लेकिन फर्स्ट इनिंग्स में हम पीछे थे। फुल फ्रैक्चर भी हुआ- मेरा लास्ट फिंगर पूरी तरह स्नैप हो गया था।

नेपाल ने कनाडा को छह विकेट से दी शिकस्त

चेन्नई, 5 फरवरी। आसिफ शेख (58) और संदीप जोरा (44) की शानदार पारियों की बदौलत नेपाल ने गुरुवार को टी-20 विश्वकप से पहले खेले गये अभ्यास मैच में कनाडा को 12 गेंदें शेष रहते छह विकेट से शिकस्त दी।

आज यहां टॉस जीतकर कनाडा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल के खिलाफ निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 161 का स्कोर बनाया। नवनीत धारीवाल ने 36 गेंदों में तीन छक्के और एक चौका लगाते हुए 41 रनों की पारी खेली। कंवरपाल तठगुर (25), निकोलस कीरटॉ (10), हर्ष ठाकर (आठ) और जसकरण सिंह (21) रन बनाकर आउट हुये। श्रेयस मोव्वा ने 19 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 38 रनों की पारी खेली।

राजस्थान के वयम लाम्बा व श्रेयांष को युगल खिताब

जयपुर, 5 फरवरी। राजस्थान के वयम लाम्बा व श्रेयांष चौधरी ने 72 मिनट तक चले संघर्ष में उत्तराखण्ड के आदित्य सिंह नेगी व झारखण्ड के सम्वित रमेष को पराजित कर गुरूवार को सम्पन्न योनेक्स-सनराईज अखिल भारतीय सबजूनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता में अंडर-15 बालक युगल का खिताब जीत लिया। अंडर-15 मिश्रित युगल मुकाबले में राजस्थान के मनन शर्मा व पंजाब की इनायत गुलाटी को फाइनल में पराजय का मुंह देखना पडा। लाम्बा और चौधरी ने फाइनल में लाजवाब प्रदर्षन किया। उनके रिटर्न, ड्रॉप और सर्विस देखने लायक थे। लाम्बा और चौधरी ने तीन गेमों की टक्कर में आदित्य सिंह नेगी व सम्वित रमेष को 22-20, 26-28, 21-18 से परास्त किया। जेसिका निधिघंटी ने भी दोहरी सफलता हासिल की।

प्रथम वरियता प्राप्त मनन व इनायत को तमिलनाडु की द्वितीय वरियता प्राप्त जोडी जे निधिघंटी व टी.एम.एफ. से 14-21, 15-21 से हार गए। अंडर-15 बालक एकल में असम के अनिकेष दत्ता ने तमिलनाडु के एस. गोमती कुमारन को 21-15, 21-15 से, इसी आयु के बालिका वर्ग में पष्चिम बंगाल की पांचवी वरियता प्राप्त आर्यमा चक्रवर्ती ने तेलंगाना की प्रथम वरियता प्राप्त हिमांषी चंदाराम को 21-16, 21-17 से हराकर खिताब जीता। अंडर-15 बालिका युगल में तमिलनाडु की अनुश्री जी.एस. व जेसिका निधिघंटी ने पष्चिम बंगाल की ए. चक्रवर्ती व आंध्रप्रदेष की ए. रचापुडी को 23-21, 21-13 से हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। अंडर-17 बालक एकल में तमिलनाडु के नीरज नायर पी.एस. ने तमिलनाडु के ही सुहास के.आर. को 21-8, 21-18 से तथा इसी आयु के बालिका वर्ग में तेलंगाना की हिमांषी चंदाराम ने महाराष्ट्र की घटा सुर्यवंषी को 21-16, 21-16 से हराकर खिताब जीता। अंडर-17 बालक युगल में गुजरात के भाष्य पाठक और पार्थ पुरी की जोडी ने फाइनल में तेलंगाना के अक्षता रेड्डी बंजाराम व तन्मयनिहाल उत्तम को तीन गेमों में 11-21, 21-18, 21-12 से हराया।

दिग्गज क्रिकेटरों ने कहा पाकिस्तान लेगा यू-टर्न...

नयी दिल्ली, 5 फरवरी। बांग्लादेश को आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप से आउट कर दिया था क्योंकि वो अपने मुकाबले भारत में खेलने को राजी नहीं हुआ। आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड की एंट्री कराई। इस फैसले से पाकिस्तानी टीम को मिर्ची लग गई और उसने भारत के खिलाफ ग्रुप मैच से अनुपस्थित रहने का फैसला लिया।

पाकिस्तान सरकार ने अपनी टीम को आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम के खिलाफ ग्रुप मैच में भाग लेने की परमिशन नहीं दी है। यह हाईवोल्टेज मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में निर्धारित है। टी20 वर्ल्ड कप से पहले इस विवाद ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है।

इस मुद्दे पर अब भारत के दिग्गज क्रिकेटर्स खुलकर सामने आ गए हैं और पाकिस्तान के रुख पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। किसी ने इसे राजनीति से प्रेरित फैसला बताया, तो किसी ने खिलाड़ियों के हितों की अनदेखी पर सवाल उठाए। टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाजों मदन लाल, चेतन शर्मा और अतुल वासन ने पाकिस्तानी टीम को लताड़ा है। इन तीनों दिग्गजों ने आजतक के खास कार्यक्रम सलाम क्रिकेट में पूरे मामले पर खुलकर बात की।

चेतन शर्मा का मानना है कि मौजूदा हालात लंबे समय तक नहीं टिकेंगे और पाकिस्तान जल्द ही अपने फैसले से यूटर्न ले सकता है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में होने वाले चुनावों के बाद माहौल बदल सकता है और तब एक आधिकारिक बयान सामने आ सकता है कि जनता की भावना को देखते हुए क्रिकेट जारी रहना चाहिए। चेतन ने अपने राजनीतिक अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि जब आप राजनीति में होते हैं तो फैसले अक्सर राजनीतिक परिस्थितियों से प्रभावित होते हैं, लेकिन क्रिकेट अंततः खिलाड़ियों और फैन्स के लिए होता है।

चेतन शर्मा ने कहा, 12 तारीख को बांग्लादेश में चुनाव हैं। उसके बाद आप यू-टर्न देखेंगे। एक बयान आएगा कि जनता की भावना को देखते हुए क्रिकेट जारी रहना चाहिए। मैं खुद राजनीति में रहा हूं, चुनाव लड़ चुका हूं। जब आप क्रिकेटर होते हैं तो आपके खून में क्रिकेट होता है, जब आप राजनेता होते हैं तो राजनीति। चुनाव के बाद शायद आर्मी चीफ भी कहें कि खेल को राजनीति से दूर रखना चाहिए और मैच होना चाहिए। फिलहाल पाकिस्तान ने आईसीसी को कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी है। सिर्फ बयान देने से कुछ नहीं होता, कोई भी रिटायरमेंट का ऐलान कर सकता है, लेकिन जब तक आधिकारिक रूप से जमा नहीं होता, कुछ बदलता नहीं।

वहीं 1983 वर्ल्ड कप में विजेता टीम के सदस्य रहे मदन लाल ने पाकिस्तान के फैसले को गलत बताते हुए कहा कि खिलाड़ियों के हितों को नजरअंदाज किया जा रहा है।

आईपीएल से पहले आरसीए की धड़कन बढ़ी

आरोपों के खिलाफ संतोषजनक जवाब पेश किये जाने तक कन्वीनर के अधिकारों से वंचित रहेंगे कुमावत?

जयपुर, 5 फरवरी। इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबलों से पहले हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में प्रशासनिक और संगठनात्मक स्तर पर हलचल तेज हो गई है। अब सभी की निगाहें इस मामले की अगली सुनवाई और हाईकोर्ट के अंतिम फैसले पर टिकी हुई हैं।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी में कन्वीनर की नियुक्ति को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट ने अहम अंतरिम आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने दीनदयाल कुमावत को आरसीए की एडहॉक कमेटी का कन्वीनर बनाए जाने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है।

दरअसल, यह आदेश गुरुवार को जोधपुर हाईकोर्ट में एस.बी. सिविल रिट पिटीशन नंबर 2564/2026 की सुनवाई के दौरान पारित किया गया। याचिकाकर्ता देवी सिंह की ओर से पेश अधिवक्ता आदित्य सिंह राठौड़ ने कोर्ट का ध्यान राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के बायलॉज की ओर दिलाया। उन्होंने दलील दी कि आरसीए के नियमों के अनुसार, किसी भी ऐसे व्यक्ति को, जिसके खिलाफ किसी आपराधिक मामले में कोर्ट द्वारा आरोप तय किए जा चुके हों, एडहॉक कमेटी या कार्यकारिणी का सदस्य बनाए जाने से अयोग्य माना जाता है।

याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि दीनदयाल कुमावत के खिलाफ 18 सितंबर 2025 को क्रिमिनल कोर्ट द्वारा आरोप तय किए जा चुके थे, इसके बावजूद उन्हें आरसीए की एडहॉक कमेटी का कन्वीनर नियुक्त कर दिया गया। यह नियुक्ति आरसीए के बायलॉज के आर्टिकल 26 का स्पष्ट उल्लंघन है। वकील ने कहा कि नियमों के विपरीत की गई इस नियुक्ति से संगठन की पारदर्शिता और कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े होते हैं, इसलिए इस पर तत्काल रोक जरूरी है।

हाईकोर्ट ने माना मामला विचार योग्य: दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि मामला विचार योग्य है। कोर्ट ने राज्य सरकार, सहकारिता विभाग, सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार, राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन और रेस्पोंडेंट नंबर 4 को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही याचिका के साथ दायर आवेदन पर भी नोटिस जारी करते हुए आठ सप्ताह के भीतर जवाब पेश करने को कहा गया है। हाईकोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में स्पष्ट किया है कि अगले आदेश तक दीनदयाल कुमावत को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी का कन्वीनर नहीं बनाया जाएगा।

हाईकोर्ट में अपने सभी तथ्य और दस्तावेज पेश करेंगे: इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए आरसीए एडहॉक कमेटी के कन्वीनर दीनदयाल कुमावत ने कहा कि कोर्ट में चार्ज फ्रेम को लेकर जो तथ्य पेश किए गए हैं, उन्हें पिछले साल नवंबर में ही हाईकोर्ट द्वारा खारिज किया जा चुका है। रामनवमी पर डीजे बजाने को लेकर एक केस हुआ था। ऐसे में इस मामले में किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं बनती है। कुमावत ने कहा कि वह जल्द ही हाईकोर्ट में अपने सभी तथ्य और दस्तावेज पेश करेंगे।

आरसीए एडहॉक कमेटी के कन्वीनर, दीनदयाल कुमावत

टीम वी पोलो, ऑप्टिमस अचीवर्स और जयपुर लीला रही विजेता

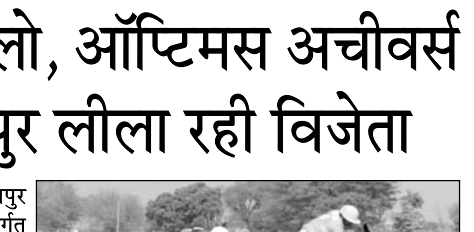

जयपुर, 5 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आयोजित हो रहे द लीला महाराजा सवाई मान सिंह पोलो कप (08 गोल्स) के लिए गुरुवार को तीन रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहला मैच पीपीसी ग्राउंड पर टीम ट्रोजन्स और वी पोलो के बीच आयोजित हुआ। इसके पश्चात, दूसरा मुकाबला पीपीसी ग्राउंड पर सुहाना ऑल स्टार्स पोलो टीम और ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच खेला गया। वहीं, दिन का तीसरा मैच राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर टीम अरावली और जयपुर लीला के बीच आयोजित हुआ। **टीम ट्रोजन्स और वी पोलो की टक्कर-** इस मुकाबले में वी पोलो 8-7 के स्कोर से ट्रोजन्स को हराकर विजेता बनी। विजेता टीम वी पोलो से अंगद कलान ने 3 गोल किए। सैंटियागो मारम्बियो और सलीम आजमी ने 2-2 गोल हासिल किए। टीम से विवान मेहता ने 1 गोल किया। वहीं, दूसरी टीम ट्रोजन्स से अलेजो अरामबुरु ने 4 गोल, आरके धनंजय सिंह ने 2 गोल और नवीन सिंह ने 1 गोल किया। टीम की ओर से रोहन सुंदेशा भी खेले। **सुहाना ऑल स्टार्स पोलो टीम और ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच मुकाबला-** इस टक्कर में ऑप्टिमस अचीवर्स ने जीत हासिल की। टीम ऑप्टिमस अचीवर्स ने सुहाना ऑल स्टार्स पोलो को 8 - 5.5 के स्कोर से हराया। ऑप्टिमस अचीवर्स से शमशीर अली ने 4 गोल और ध्रुवपाल गोदारा ने 3 गोल हासिल किए। टीम के लिए डेनियल ओटामेंडी ने 1 गोल किया और आर्यमान सिंह भी टीम से खेले। दूसरी ओर, सुहाना ऑल स्टार्स पोलो से माटियास वायल ने 4 गोल किए तो डीनो धनखड़ ने 1 गोल किया।

मुख्यमंत्री ने दो वर्ष की उपलब्धियों के दस्तावेज सदन पटल पर रखे

राज्यपाल के अभिभाषण पर जवाब देते हुए भजनलाल ने कहा, दो वर्ष में राजस्व घाटा 8000 करोड़ कम किया

जयपुर, 5 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई बहस का जवाब देते हुए पहली बार दो वर्ष की उपलब्धियों का दस्तावेज सदन के पटल पर रखा। उन्होंने अपने वक्तव्य में सड़क, बिजली, पानी, कृषि, महिला, युवा कल्याण सहित विभिन्न

- "खेजड़ी राजस्थान का कल्पवृक्ष, इसे बचाने के लिये कानून लायेंगे।"
- "देश की 11 जनकल्याणकारी योजनाओं में राजस्थान पहले स्थान पर है।"
- "वर्ष 2023 की तुलना में 2025 में 14.13 प्रतिशत अपराध में कमी आई।"

क्षेत्रों में वर्तमान सरकार द्वारा दो साल में किए गए कार्यों का तुलनात्मक ब्यौरा सदन के सामने रखा और कहा कि राज्य सरकार ने अर्थव्यवस्था को न केवल स्थिरता दी, बल्कि उसे गति और दिशा भी दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेजडी राजस्थान का कल्पवृक्ष भी है, राजस्थान की पहचान भी है, जिसकी बढ ते हुए रेगिस्तान को रोकने में हमेशा सार्थक

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई बहस का जवाब दिया।

भूमिका रही है। शर्मा ने कहा कि हम राज्य के कल्पवृक्ष खेजड़ी को बचाने के लिए कानून भी लाएंगे, जिससे प्रदेश में खेजड़ी संरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने वृक्षारोपण का महाअभियान चलाया और केवल दो वर्षों में 20 करोड़ पौधे लगाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो सालों के कार्यकाल में हमारा प्रदेश 11 जनकल्याणकारी योजनाओं में देश में प्रथम स्थान पर रहा है। इसी प्रकार 5 राष्ट्रीय योजनाओं में दूसरे स्थान पर और 9 राष्ट्रीय कार्यक्रमों में तीसरे स्थान के साथ ही दो प्रमुख आयामों में बेस्ट परफॉर्मर स्टेट का सम्मान हासिल किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र को समृद्ध और किसानों को खुशहाल बनाने के लिए हमारी सरकार निरंतर प्रयासरत है। हम पांच साल के भीतर किसान सम्मान निधि को दोगुना करेंगे। दो साल के भीतर ही हम इसे डेढ़ गुना कर चुके हैं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कठोर कदमों से विगत 2 वर्षो से अपराध के ग्राफ में निरन्तर कमी आई है। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2025 में 14.13 प्रतिशत अपराधों में कमी दर्ज की गई है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति पर अत्याचार के मामलों में 28 प्रतिशत तथा महिला अपराधों में 10 प्रतिशत की कमी आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार वर्तमान में सामाजिक सुरक्षा पेंशन का भुगतान तो समय पर कर ही रही है, साथ ही, पूर्ववर्ती सरकार की बकाया पेंशन का भी भुगतान किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संकल्प पत्र के वादे के अनुरूप हमारी सरकार प्रत्येक वर्ष किए गए नीतिगत निर्णय और विकास के कार्यों का रिपोर्ट कार्ड जनता के बीच में लेकर जाएगी।

अल-फलाह चेयरमैन सिद्दीकी चार दिन पुलिस हिरासत में

नयी दिल्ली, 05 फरवरी। एक निचली अदालत ने विवादों में घिरे अल-फलाह विश्वविद्यालय के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी को कथित धोखाधड़ी और वित्तीय कदाचार के मामले में चार दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

सिद्दीकी को दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे आगे की पूछताछ के लिए चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। यह कार्रवाई विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा दर्ज कराई गई औपचारिक शिकायतों के बाद शुरू की गई है। इससे पहले दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) ने उसे गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अपराध शाखा ने यूजीसी की शिकायतों के आधार पर सिद्दीकी के खिलाफ दो अलग-अलग प्राथमिकियां दर्ज की थीं।

मेघालय में अवैध कोयला खदान में धमाका, 18 मजदूरों की मौत

खदान में अभी भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका है

शिलांग, 05 फरवरी। पूर्वोत्तर राज्य मेघालय से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है। यहां एक कोयला खदान में हुए धमाके में 18 मजदूरों की मौत हो गई। कई लोग अभी फंसे भी हैं। इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए 2-2 लाख रुपए के सहायता राशि की घोषणा की है। पहले इस हादसे में 4 फिर 16 और अब 18 मजदूरों की मौत की खबर सामने आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में हुए कोयला खदान विस्फोट पर गहरा दुख व्यक्त किया, जिसमें कम से कम 16 मजदूरों की मौत हो गई। उन्होंने मृतकों के परिवारों के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की।

- प्रधानमंत्री मोदी ने हादसे पर गहरा दुःख जताया, मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रु. व घायलों को 50,000 रु. देने की घोषणा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मोदी के हवाले से एक पोस्ट में कहा, "मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स में हुई दुर्घटना से व्यथित हूं। अपनों को खोने वालों के प्रति मेरी संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।" मोदी ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

आधिकारिक रूप से मिली जानकारी के अनुसारमेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को "अवैध कोयला खदान में विस्फोट होने से कम से कम 16 मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य के फंसे होने की आशंका है। पुलिस महानिदेशक आई नोंगरंग ने यह जानकारी दी। डीजीपी ने बताया कि यह घटना थांगस्कू इलाके में हुई और बचाव दल तलाशी अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा, "हमने अब तक 16 शव बरामद किए हैं, लेकिन विस्फोट के समय खदान के अंदर मौजूद लोगों की संख्या के बारे में सटीक जानकारी नहीं है। कई लोगों के फंसे होने की आशंका है।

'सदन में प्रमंत्री के साथ हादसा हो सकता था, मैंने उन्हें सदन में आने के लिए मना किया था'

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने किया बेहद गंभीर चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली, 05 फरवरी। संसद के इतिहास में शायद यह पहली बार हुआ है जब लोकसभा अध्यक्ष ने खुद यह स्वीकार किया है कि देश के प्रधानमंत्री की सुरक्षा और सम्मान को सदन के भीतर ही खतरा था।

लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने गुरुवार को एक बेहद गंभीर और चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि उन्होंने ही कल (बुधवार) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदन में आने से रोका था। बिड़ला ने आशंका जताई

- ओम बिड़ला ने कहा उन्हें खुफिया जानकारी के साथ सदन के भीतर के हालात से इनपुट मिला था कांग्रेस के सांसद प्रमंत्री के कुर्सी के पास आकर हंगामा कर तथा अनहोनी करने की योजना बना रहे हैं।

कि अगर पीएम मोदी कल सदन में आते, तो उनके साथ कोई अप्रत्याशित और अप्रिय घटना घट सकती थी।

स्पीकर ने बताया कि उन्हें खुफिया जानकारी और सदन के भीतर के हालात से यह इनपुट मिला था कि कांग्रेस के सांसद प्रधानमंत्री के आसन (कुर्सी) तक जाकर हंगामा करने और किसी अनहोनी को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरे पास जानकारी आई कि कांग्रेस के सांसद पीएम के आसन पर जाकर अप्रत्याशित घटना कर सकते थे। मुझे डर था कि प्रधानमंत्री के साथ कुछ भी हो सकता है। अगर वह घटना हो जाती, तो वह बेहद अप्रिय होती और लोकतंत्र के लिए काला दिन साबित होती।

ओम बिड़ला ने बताया कि स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उन्होंने तुरंत हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा, इस संभावित खतरे और टकराव को टालने के लिए मैंने खुद पीएम से आग्रह किया कि वो सदन में न आएं।

ईसाई रीति से हुए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि विवाह केवल निजी संबंध नहीं, बल्कि एक वैधानिक स्थिति है। जिससे उत्तराधिकार, सामाजिक सुरक्षा और भरण पोषण सहित अन्य परिणाम उत्पन्न होते हैं।

जनहित याचिका में अधिवक्ता सुसेन मैथ्यू ने अदालत को बताया कि प्रदेश में ईसाई युगल ईसाई विवाह अधिनियम, 1872 के तहत विवाह करते हैं। इस अधिनियम के तहत विवाह कराने वाले पादरी की ओर से जो विवाह प्रमाण पत्र जारी किया जाता है उसे ही पंजीकृत किया जाने का प्रावधान है। इसके बावजूद इन विवाहों को नगर निगम के रजिस्ट्रार अनिवार्य विवाह पंजीकरण अधिनियम, 2009 की गलत तरीके से व्याख्या कर पंजीकृत करने में आनाकानी करते हैं।

याचिका में कहा गया कि विवाह पंजीकरण नहीं होने से ईसाई दंपत्तियों को पासपोर्ट और वीज़ा सहित अन्य सरकारी सेवाओं के लिए कठिनाई का सामना करना पडता है। ऐसे में राज्य सरकार को निर्देश दिए जाए कि वह पादरी की ओर से जारी विवाह प्रमाण पत्रों का पंजीकरण करें।

राज्य सरकार की ओर से कहा गया है कि अनिवार्य विवाह पंजीकरण अधिनियम के प्रावधान ईसाई विवाहों पर लागू नहीं होता है।

संसद में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री के जवाब के 3समय की प्रतिक्रिया के बारे में विशेष चर्चा हुई।

बैठक में खड़गे के अलावा लोकसभा में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी, राज्यसभा में द्रमुक के तिरुचि एन. शिवा, समाजवादी पार्टी के रामगोपाल वर्मा, शिव सेना उद्धव गुट के अरविंद सावंत, आरएसपी के एन के प्रेमचंद्रन, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के ईटी बशीर अहमद सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया।

बाद में कांग्रेस संसदीय दल के नेताओं की भी पार्टी के सांसद दल के कार्यालय में बैठक हुई जिसमें गांधी सहित पार्टी के कई नेताओं ने हिस्सा लिया।

इण्डो-यूएस ट्रेड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारतीय उत्पादों पर 18 प्रतिशत या उससे ज्यादा शुल्क लगाया जाए। अमेरिकी दावों की किसी आधिकारिक स्त्रोत से पुष्टि नहीं हुई है।

रूसी तेल की भारत द्वारा खरीद के मुद्दे पर आधिकारिक जानकारी सिर्फ इतनी है कि भारत वेनेजुएला के कच्चे तेल के आयात की संभावना पर विचार करने को तैयार है। अगर वेनेज़ुएला का तेल रूसी तेल से सस्ता होगा, तो भारत के लिए वहां से तेल खरीदना फायदेमंद हो सकता है।

रूस से तेल खरीदने का मुख्य कारण कम कीमत थी।

रूस भारी छूट देकर तेल बेच रहा था क्योंकि दूसरी जगहों पर उसकी बिक्री कम हो रही थी। रूस से तेल खरीदने से भारत का तेल आयात खर्च काफी कम हुआ था।

रूस से तेल खरीद पूरी तरह बंद होने के करीब नहीं है। अगर इसमें कोई बड़ी कमी आती भी है, तो उसे लागू होने में कई साल लग सकते हैं।

इस बीच कूटनीतिक स्तर पर भारत और अमेरिकी राष्ट्रपति, दोनों को कुछ न कुछ फायदा मिलता दिख रहा है।

प.बंगाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस को एकतरफा समर्थन देना चाहिए। प्रदेश के एक कांग्रेस नेता ने कहा, "यह ठीक है कि आप अपने घर में मजबूत हैं, लेकिन ऐसा नहीं हो सकता कि आप दूसरों को कुचल डालें।"

'अकेले चलने' के फैसले पर हरी झंडी मिलने की पुष्टि करते हुए, पश्चिम बंगाल से कांग्रेस के एकमात्र सांसद इशा खान चौधरी ने कहा कि इस फैसले को राहुल गांधी का आशीर्वाद प्राप्त है। कांग्रेस बंगाल के प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने भी इस फैसले की पुष्टि की।

'दुनिया का सबसे अमीर देश भी घुसपैठियों को निकाल रहा है'

प्रमंत्री मोदी ने तृणमूल पर निशाना साधते हुए कहा कि तृणमूल घुसपैठियों की वकील बन सुप्रीम कोर्ट तक आ गई है

नयी दिल्ली, 05 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव आयोग की मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम और सरकार के आर्थिक सुधारों सहित विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों के विरोध पर गुरुवार को राज्य सभा में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस की सोच और राजनीति पर तीखे हमले किये।

- राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का राज्यसभा में जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा व कहा कि कांग्रेस ट्रेड डील्स पर भ्रम फैला रही है। उनके टाइम में ट्रेड डील का मतलब "बोफोर्स डील" था।

मोदी ने विपक्ष के बहिष्कार के बीच राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन में चर्चा का जवाब देते हुए एसआईआर के विरोध के लिए तृणमूल कांग्रेस की आलोचना करते हुए तृणमूल के लोगों को अपने गिरेबां में झांकने की सलाह दी और कहा कि तृणमूल पतन के नये मानदंड बना रही हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल की तृणमूल सरकार को निर्मम सरकार बताते हुए कहा कि वह लोगों को भविष्य अंधकार में डाल रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया का सबसे समृद्ध देश भी अपने यहां से गैर कानूनी नागरिकों को निकाल रहा है, लेकिन तृणमूल के लोग घुसपैठियों की वकालत के लिए अदालत जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि घुसपैठिये देश के नौजवानों के अवसर छीन रहे हैं, आदिवासियों की जमीन छीन रहे हैं ,पुत्र-पुत्रियों के साथ दुव्यर्वहार कर रहे हैं। उन्होंने विपक्ष, खास कर कांग्रेस पर यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया कि कांग्रेस दशकों से सत्ता में रही है और उसमें भागीदार रही हैं, लेकिन डील के नाम पर अपनी जेब भरने का काम किया है। उन्होंने कहा कि उनके समय में डील का नाम बोफोर्स बन गया था।

उन्होंने अपनी सरकार की मुद्रा ऋण योजना का जिक्र करते हुए कहा कि मुद्रा योजना में 30 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के कर्जे दिये जा चुके हैं। युवाओं और महिलाओं को बिना गारंटी के मुद्रा ऋण की सुविधा दी गयी है, जिससे वे अपने कामकाज कर रहे हैं। सरकार ने बैंकिंग व्यवस्था में सुधार कर के एनपीए के पहाड़ को निम्न स्तर ला दिया है। एनपीए एक प्रतिशत से भी नीचे आ गयी है, बैंकों का मुनाफा रिकार्ड पर है। मोदी ने कहा, कांग्रेस ने किसानों के साथ विश्वासघात किया। देश में 10 करोड़ किसानों के पास दो हेक्टेयर से भी कम जमीन है उन पर ध्यान नहीं दिया। ऐसे किसानों को किसान सम्मान निधि कार्यक्रम में हमने चार लाख करोड़ रुपये दिये हैं। उन्होंने किसानों के लिए विभिन्न पहलों का उल्लेख करते हुए कि इससे किसानों में नये सपने जगे हैं और वे भारत की आशा और अपेक्षा के अनुरूप परिणाम देगें।

आसाराम के अहमदाबाद आश्रम पर बुलडोजर चलेगा

अहमदाबाद, 05 फरवरी। आसाराम का अहमदाबाद स्थित आश्रम टूटेगा। गुजरात हाईकोर्ट ने गुरुवार को मोटेरा आश्रम ट्रस्ट की तरफ से दायर याचिका खारिज कर दी। इस याचिका में शहर के मोटेरा इलाके में स्थित भूखंड को खाली कराने की सरकारी कार्रवाई को चुनौती दी गई थी।

- गुजरात हाईकोर्ट ने आश्रम की जमीन लेने की सरकारी कार्यवाही को सही ठहराया

कोर्ट के फैसले से राज्य सरकार के लिए आश्रम की जमीन अपने कब्जे में लेने का रास्ता साफ हो गया है। आश्रम की 45,000 वर्ग मीटर से ज्यादा की जमीन पर 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जाना है। वर्तमान में इस जमीन की मार्केट वैल्यू 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की है।

गुजरात हाईकोर्ट की जस्टिस वैभवी नानावटी ने इस मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने गुरुवार को अपने आदेश में कहा कि आश्रम में नियमों का उल्लंघन हुआ। उस जगह अब विकास परियोजना की जरूरत भी है, इसलिए सरकार की मांग सही है।

इस फैसले के बाद अहमदाबाद नगर निगम कभी भी आश्रम में बने अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर सकता है।

राज्य सरकार की ओर से पेश हुए सीनियर पब्लिक प्रॉसीक्यूटर जीएच विर्क ने कोर्ट को बताया कि यह जमीन दशकों पहले सीमित धार्मिक उपयोग के लिए दी गई थी। लेकिन, धीरे-धीरे इसका विस्तार होता चला गया।

जबकि, भूमि आवंटन की शर्तों के अनुसार इसका व्यावसायिक उपयोग, अनधिकृत निर्माण और बिना अनुमति विस्तार प्रतिबंधित था। आश्रम परिसर में करीब 32 अवैध स्ट्रक्चर बना लिए गए, जो कानूनी सीमाओं से बाहर हैं।

उन्होंने बताया कि अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (एएमसी) ने आश्रम को कई बार नोटिस भेजे थे। इसके बाद 21 जनवरी 2026 को नगर निगम ने आश्रम का आवेदन भी खारिज कर दिया था।

साबरमती नदी किनारे इस आश्रम की स्थापना आसाराम ने 1972 में की थी। आसाराम ने यहां सबसे पहले एक कुटिया बनाई थी, जिसे मोक्ष कुटिया के रूप में पहचाना जाता था। धीरे-धीरे इसी कुटिया के आसपास निर्माण कार्य होता चला गया और बाद में इसे आसाराम मोटेरा आश्रम के नाम से पहचाना जाने लगा।

बिहार चुनाव में "कैश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए पात्रता को (महिला स्वयं सहायता समूहों के नेटवर्क) की सदस्यता से जोड़ा गया था। राज्य ने घोषणा की थी कि पहले से जीविका योजना का हिस्सा न होने वाली महिलाएं भी इस योजना में नामांकन कर लाभ उठा सकती हैं।

जन सुराज पार्टी ने आरोप लगाया है कि जब आचार संहिता लागू हुई तब लगभग एक करोड़ महिलाएं पहले से जीविका से जुड़ी हुई थीं, बाद में समाचार पत्रों की रिपोर्टों में यह सामने आया कि कुल 1.56 करोड़ महिलाओं को भुगतान किया गया।

याचिका का दावा है कि यह दर्शाता है कि नए लाभार्थियों को चुनावी कार्यक्रम की घोषणा के बाद जोड़ा गया और भुगतान किया गया, जबकि चुनाव आचार संहिता लागू थी।

याचिका में कहा गया है कि इस अवधि में नकद लाभ जारी करना "भ्रष्ट आचरण" था, जो मतदाताओं को अनुचित तरीके से सत्तारूढ़ सरकार के पक्ष में प्रभावित करने के लिए था।

याचिका का यह भी दावा है कि इससे अन्य राजनीतिक दलों को समान अवसर नहीं मिला और यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की मौलिक आवश्यकता पर आक्रमण था।

याचिका में चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। इसमें आरोप लगाया गया है कि जो इस योजना की लाभार्थी थीं, महिलाएं उन्हें मतदान के दिनों में दोनों चरणों के चुनावों के दौरान मतदान केंद्रों पर तैनात किया गया, हालांकि इनमें से कई महिलाएं पहले ही नकद लाभ प्राप्त कर चुकी थीं।

जन सुराज का कहना है कि इस तैनाती का कोई तर्क नहीं था इसने और यह चुनावों के दौरान अपेक्षित तटस्थता को और कमजोर कर दिया।

याचिका में एक और महत्वपूर्ण चुनौती यह है कि योजना को कैसे वित्त पोषित किया गया। पार्टी का आरोप है कि इस कार्यक्रम को बिना वैधानिक स्वीकृति के मंत्रिमंडल के निर्णय से मंजूरी दी गई थी और पैसे राज्य के आकस्मिक कोष से निकाले गए थे, जो संविधान के अनुच्छेद 267 का उल्लंघन था। यह आरोप लगाया गया है कि योजना नियमित बजटीय प्रक्रिया का हिस्सा नहीं थी।

अपने मामले को मजबूत करने के लिए, याचिका में भारतीय चुनाव आयोग द्वारा पहले जारी निर्देशों का हवाला दिया गया है, जिनमें कहा गया था कि चुनाव की घोषणा के बाद अगर सरकारें कल्याण योजनाओं की घोषणा करती हैं, नई निधियां जारी करती हैं, या लाभार्थी कार्यक्रमों को विस्तार देती हैं, तो यह मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए हो सकता है तो उन पर रोक लगाई जाती है।

याचिका का कहना है कि इन स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, बिहार सरकार ने चुनावी अवधि में नकद हस्तांतरण जारी रखा और चुनाव आयोग प्रभावी रूप से हस्तक्षेप करने में विफल रहा।

याचिका के अनुसार क्रियान्वयन चुनावों से ठीक पहले इस तरह की सीधी नकद राशि रु. हस्तांतरण योजना जो, चुनाव आचार संहिता क्रियान्वयन के दौरान जारी रही, को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता था।

इस प्रकार, चुनावी प्रक्रिया दूषित हो गई, जिससे 1951 के प्रतिनिधित्व कानून और संविधान के अनुच्छेद 14, 21 और 324 का उल्लंघन हुआ, ऐसा कहा गया है।

पार्टी ने कोर्ट से कहा है कि वह समाचार पत्रों की रिपोर्टों को आधिकारिक दस्तावेज़ के रूप में इस्तेमाल कर रही है क्योंकि सरकारी वेबसाइटों पर आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

याचिका में सुप्रीम कोर्ट के पिछले निर्देशों का हवाला दिया गया है, जिसमें स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों को संविधान की एक मूलभूत विशेषता के रूप में माना गया है और कहा गया है कि कल्याणकारी उपायों को चुनावी लाभ प्राप्त करने के उपकरण के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

याचिका पर 6 फरवरी को भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ सुनवाई कर सकती है।

'इण्डो- यूएस ट्रेड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केवल विमान की मांग और ऑर्डर ही 70-80 अरब डॉलर के होंगे, जो अमेरिका से खरीद का हिस्सा होंगे।

उन्होंने कहा कि भारत को हर साल लगभग 300 अरब डॉलर का सामान आयात करना होगा और इसमें ऊर्जा, विमान और चिप्स का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता अमेरिका होगा।

अधिकारियों ने कहा कि अगले पांच वर्षों में भारत की कुल खरीद 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी और इसमें से 500 अरब डॉलर का सामान अमेरिका से आएगा।

इस बीच विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ट्रम्प से बातचीत की थी और बाद में शुल्क में कमी को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था। उन्होंने कहा कि संशोधित टैरिफ दर से भारतीय निर्यात को बड़ा बढ़ ावा मिलेगा, खासकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों और रोजगार सृजन को फायदा होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी पक्ष ने अंतिम शुल्क दर की पुष्टि कर दी है। विदेश मंत्रालय ने उस सवाल का भी जवाब दिया जिसमें राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया था कि भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद करने और अमेरिका तथा संभवतः वेनेजुएला से तेल खरीदने पर सहमति जताई है। भारत का पक्ष स्पष्ट करते हुए जायसवाल ने कहा कि वेनेजुएला लंबे समय से भारत का एनर्जी पार्टनर रहा है और तेल क्षेत्र में दोनों देशों के बीच कई वर्षों से व्यापार और निवेश संबंध हैं। हालांकि प्रवक्ता ने साफ तौर पर यह नहीं बताया कि भारत रूस से तेल खरीदेगा या नहीं।

उन्होंने बताया कि कैसे प्रतिबंधों के कारण वेनेजुएला से भारत का कच्चे तेल का आयात प्रभावित हुआ था। कुछ समय के लिए आपूर्ति फिर शुरू हुई थी, लेकिन प्रतिबंध दोबारा लागू होने के बाद फिर रुक गई।

प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि भारत के ऊर्जा संबंधी फैसले बाहरी दबाव के बजाय राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के आधार पर लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता के लिए भरोसेमंद और सस्ती ऊर्जा सुनिश्चित करना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, सरकार कई बार सार्वजनिक रूप से कह चुकी है कि 1.4 अरब भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बाजार की स्थिति और बदलते अंतरराष्ट्रीय हालात के अनुसार ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता लाना हमारी रणनीति का मुख्य हिस्सा है। भारत के सभी फैसले इसी सोच के साथ लिए गए हैं और आगे भी लिए जाएंगे।

गुरुवार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सृजित किया गया है। लोकसभाध्यक्ष ने कहा कि सदस्य पोस्टर लेकर आयेंगे तो सदन नहीं चलेगा। सदन में कल की घटना को देश ने देखा है।

चुनावों में बढ़ते "रेवड़ी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ता ने अदालत से कहा, पांच विधानसभा चुनाव आने वाले हैं। अब तो सिर्फ सूरज और चांद का वादा करना बाकी रह गया है। ये भ्रष्ट तरीके हैं।

उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका में केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को चुनावी घोषणापत्र को नियंत्रित करने और सरकारी खर्च से जुड़े वादों के लिए जवाबदेही तय करने के निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में ऐसे वादों के दीर्घकालिक आर्थिक परिणामों और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर पड़ने वाले असर को लेकर भी चिंता जताई गई है।

ज्यादातर राजनीतिक दलों ने इस याचिका का विरोध किया है। कुछ दलों ने इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया और कहा कि कल्याणकारी योजनाएं और सब्सिडी शासन का जरूरी हिस्सा हैं और समाज के कमजोर वर्गों की मदद के लिए होती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पहले की सुनवाई में यह स्वीकार किया है, कि यह मुद्दा जटिल है, क्योंकि यह चुनावी और नीतिगत मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमाओं के बारे में कठिन सवाल उठाता है। कोर्ट ने यह भी संकेत दिया है कि 2013 में सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु सरकार मामले में दिए गए फैसले पर दोबारा विचार करने की जरूरत हो सकती है। उस फैसले में कहा गया था कि चुनावी घोषणापत्र में मुफ्त योजनाओं का वादा करना जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत भ्रष्ट आचरण नहीं माना जाएगा।

ज्ञातव्य है कि 26 अगस्त 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले मुफ्त योजनाओं के वादों के मुद्दे को तीन जजों की बेंच को भेजा था। कोर्ट ने कहा था कि इस विषय पर विस्तार से चर्चा की जरूरत है, जिसमें 2013 के सुब्रमण्यम बालाजी फैसले पर दोबारा विचार भी शामिल है। उस फैसले में कहा गया था कि ऐसे वादे जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 123 के तहत भ्रष्ट आचरण नहीं माने जाएंगे और इन्हें राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों (डायरैक्टिव प्रिंसिपल्स ऑफ स्टेट पॉलिसी) के दायरे में रखा जा सकता है।

कोर्ट ने यह भी कहा था कि यह मामला जटिल सवालों से जुड़ा है, जैसे न्यायिक दखल की सीमा क्या हो और क्या इस मुद्दे की जांच के लिए किसी विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाना चाहिए।

अगस्त 2022 की पिछली सुनवाई में कोर्ट ने कहा था कि वोटरों को आकर्षित करने के लिए मुफ्त योजनाओं का वादा करना चिंता का विषय है, लेकिन इसे नियंत्रित करना मुश्किल है क्योंकि लगभग सभी राजनीतिक दल ऐसा करते हैं। कोर्ट ने यह भी सुझाव दिया था कि वित्त आयोग, आरबीआई और नीति आयोग के प्रतिनिधियों को शामिल कर एक विशेषज्ञ समिति बनाई जा सकती है, जो ऐसे वादों के आर्थिक प्रभाव का अध्ययन करे।

मुफ्त योजनाओं पर रोक लगाने की मांग का आम आदमी पार्टी, डीएमके और कांग्रेस सहित कई दलों ने विरोध किया है। इन दलों का कहना है कि मुफ्त योजना शब्द की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है और कल्याणकारी योजनाओं को भ्रष्ट आचरण नहीं कहा जा सकता।

व्हीलचेयर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नज़र। हम काम करते रहेंगे।"

बुधवार को संसद के एक प्रवेश द्वार की सीढ़ियाँ उतरते समय, थरूर कॉल पर थे और वे लड़खड़ा कर गिर पड़े। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस के इमरान मसूद और अन्य ने उन्हें उठाया। इसके बाद, वह कुछ कदम लंगड़ाते हुए चले, फिर बिना किसी समस्या के चले गए। उन्होंने एक्स पर लिखा "बस कुछ दर्द वाले बिंदु हैं, जिनमें एक चोटिल अहंकार भी है!"

जब उनसे विपक्ष के हंगामे के बारे में पूछा गया, तो थरूर ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने का अवसर मिलना चाहिए, खासकर जब यह मामला सार्वजनिक डोमेन में है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908